महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 316 | उज्जैन, मंगलवार 28 अप्रैल 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-1 रुपए

सुविचार

छोटे थे हर बात भूल जाया करते थे दुनिया कहती थी की याद करना सीखो, बड़े हुए तो हर बात याद रहती है दुनिया कहती है की भूलना सीखो...

न्यूज ब्रीफ

पूर्व विधायक रीतलाल यादव को जेल शिफ्टिंग मामले में झटका, पटना हाई कोर्ट ने खारिज की याचिका

पटना/ जीएनएस। पटना हाई कोर्ट ने पूर्व विधायक रीतलाल यादव के जेल स्थानांतरण को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी आदेश को सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति प्राप्त है, तो मात्र इस आधार पर उसे अवैध नहीं ठहराया जा सकता कि उस पर हस्ताक्षर अधीनस्थ अधिकारी के हैं। मामला 30 अक्टूबर 2025 के उस आदेश से जुड़ा था, जिसे सहायक महानिरीक्षक (कारा एवं सुधार सेवाएं), बिहार द्वारा जारी किया गया था। इस आदेश के तहत पहले पारित 30 अप्रैल 2025 के ट्रांसफर आदेश की अवधि छह माह के लिए बढ़ाई गई थी, जिसके तहत रीतलाल यादव को बेऊर केंद्रीय कारा, पटना से भागलपुर विशेष केंद्रीय कारा (तृतीय खंड) स्थानांतरित किया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से वरीय अधिवक्ता राजीव कुमार वर्मा ने दलील दी कि बिहार जेल मैनुअल, 2012 के नियम 781(7) तथा कैदी अधिनियम, 1900 की धारा 29(3) के तहत इस प्रकार का आदेश जारी करने का अधिकार केवल महानिरीक्षक (आईजी) को है। ऐसे में एआईजी द्वारा जारी आदेश अधिकार क्षेत्र से बाहर है और इसे रद किया जाना चाहिए। हाई कोर्ट ने तथ्यों का परीक्षण करते हुए पाया कि संबंधित आदेश को महानिरीक्षक (कारा) की स्वीकृति प्राप्त थी और एआइजी ने केवल उसे संप्रेषित किया था। कोर्ट ने कहा कि इसे शक्तियों के प्रत्यायोजन (डेलीगेशन) का मामला नहीं माना जा सकता। साथ ही, न्यायालय ने यह भी माना कि प्रशासन ने विधि-व्यवस्था एवं सुरक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया था और इसमें किसी प्रकार की मनमानी या अधिकारों का दुरुपयोग परिलक्षित नहीं होता। इन तथ्यों के आधार पर पटना हाई कोर्ट ने याचिका को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया।

झारखंड में अस्पतालों के लिए जारी हुआ कलर कोडः मरम्मत से लेकर दवा तक

रांची/ जीएनएस। स्वास्थ्य विभाग ने मुख्यमंत्री अस्पताल संचालन एवं रखरखाव योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 120 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस राशि से सभी श्रेणी के अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों को अनटायड फंड के रूप में निर्धारित राशि प्राप्त होगी। अस्पतालों में यह राशि अस्पतालों के रंगरोगन, पेयजल, स्वच्छता, बिजली एवं अन्य आकस्मिक कार्यों के अलावा दवा एवं जरूरी उपकरणों पर खर्च की जा सकेगी। इस योजना के तहत प्रत्येक सदर अस्पताल को प्रतिवर्ष 75 लाख, अनुमंडल अस्पतालों को 50 लाख, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को 10 लाख, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को पांच लाख तथा स्वास्थ्य उपकेंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को दो लाख रुपये दिए जाते हैं। यह राशि खर्च करने का अधिकार सदर अस्पतालों के मामलों में सिविल सर्जन तथा अन्य के मामले में संबंधित प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के पास होगा। विभाग ने इस योजना के तहत सभी श्रेणी के अस्पतालों व स्वास्थ्य केंद्रों के रंगरोगन के लिए रंग भी निर्धारित कर दिए हैं। इसके तहत सदर अस्पतालों को सफेद, अनुमंडल अस्पतालों को हल्का पीला, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का हल्का गुलाबी, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को हल्का नीला तथा स्वास्थ्य उपकेंद्रों व आयुष्मान आरोग्य मंदिरों को यलो मेटालिक रंग में रंगा जाना है। विभाग ने योजना के तहत राशि की प्रशासनिक स्वीकृति देते हुए इसे खर्च करने को लेकर भी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बताते चलें कि इस योजना का उद्देश्य अस्पतालों व स्वास्थ्य केंद्रों को जरूरी कार्यों के लिए विभाग पर निर्भरता कम करना है। इसके बेहतर परिणाम भी आए हैं। इसे ध्यान में रखते हुए इस वर्ष भी इस योजना को जारी रखने का निर्णय लिया गया।

कान्हा में लौटेंगे जंगली भैंसेंः काजीरंगा से शुरू हो रहा ऐतिहासिक ट्रांसलोकेशन- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

एमपी- असम के बीच जुड़ रहा वन्यजीव संरक्षण और जैव-विविधता सहयोग का नया अध्याय

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चीता पुनर्स्थापना की ऐतिहासिक सफलता के बाद अब जंगली भैंसों की वापसी से प्रदेश की जैव-विविधता में एक नया आयाम जुड़ेगा। प्रदेश में एक सदी से अधिक समय से विलुप्त हो चुकी जंगली भैंस (वाइल्ड बफेलो) प्रजाति की पुनर्स्थापना की रणनीति अब साकार हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 28 अप्रैल को बालाघाट जिले के सूपखार एवं टोपला क्षेत्र में कार्यक्रम के अंतर्गत जंगली भैंस पुनर्स्थापन अभियान का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री सूपखार में 4 जंगली भैंसों को उनके नए प्राकृतिक आवास में छोड़ेंगे। इनमें 3 मादा और एक नर जंगली भैंसा शामिल हैं। इस अवसर पर जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, अधिकारीगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहेंगे। इस पहल से भैंस प्रजाति के संरक्षण के साथ ही राज्य का वन पारिस्थितिकी तंत्र भी सशक्त बनेगा।

काजीरंगा से कान्हा तक- ऐतिहासिक ट्रांसलोकेशन- इस महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत असम के काजीरंगा से जंगली भैंसों को कान्हा टाइगर रिजर्व लाया जा रहा है। पहले चरण में 4 भैंसों का दल अपनी यात्रा प्रारंभ कर चुका है। कुल 50 भैंसों के समूह को 'फाउंडर पॉपुलेशन' के रूप में लाने का लक्ष्य निर्धारित है। इस सीजन में 8 भैंसों को स्थानांतरित किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया काजीरंगा और कान्हा के वरिष्ठ अधिकारियों एवं अनुभवी पशु-चिकित्सकों की निगरानी में वैज्ञानिक तरीके से संपन्न की जा रही है।

एमपी- असम के बीच वन्यजीव सरंक्षण और जैव विविधता सहयोग का विस्तार- इस परियोजना के साथ ही मध्यप्रदेश और असम के बीच वन्यजीव आदान-प्रदान का नया अध्याय भी जुड़ रहा है। असम से गैंडे (राइनो) के दो जोड़े मध्यप्रदेश लाए जाएंगे, जिन्हें भोपाल के वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में रखा जाएगा। इसके बदले में मध्यप्रदेश, असम की मांग के अनुसार 3 बाघ और 6 मगरमच्छों का स्थानांतरण करेगा। इस पर गुवाहाटी में मुख्यमंत्री डॉ. यादव और असम के मुख्यमंत्री श्री हिमंता विश्व सरमा के बीच हुई बैठक में सहमति बनी थी।

'चीते के बाद अब भैंस'-जैव-विविधता को समृद्ध बनाने की एक और पहल- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि चीता पुनर्स्थापना के बाद अब जंगली भैंसों की वापसी से प्रदेश की जैव-विविधता में एक नया आयाम जुड़ेगा। यह पहल एक प्रजाति के संरक्षण के प्रयास के साथ ही प्रदेश के वन पारिस्थितिकी तंत्र को सुदृढ़ करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। मध्यप्रदेश पहले ही 'टाइगर स्टेट' और 'लेपर्ड स्टेट' के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। जंगली भैंसों का पुनर्स्थापन इस गौरव को और सुदृढ़ करेगा।

महत्वपूर्ण है यह पुनर्स्थापन- मध्यप्रदेश में जंगली भैंसों की आबादी लगभग 100 वर्ष पहले समाप्त हो गई थी। कान्हा के सूपखार क्षेत्र में 1979 के आसपास जंगली भैसा देखा गया था। अत्यधिक शिकार, मानव हस्तक्षेप, आवास का क्षरण और घास के मैदानों का नष्ट होना इसके प्रमुख कारण रहे। वर्तमान में इनकी प्राकृतिक आबादी मुख्य रूप से असम में सीमित है, जबकि छत्तीसगढ़ में इनकी संख्या अत्यंत कम है।

कान्हा सबसे उपयुक्त प्राकृतिक आवास- भारतीय वन्यजीव संस्थान (देहरादून) द्वारा किए गए अध्ययन में कान्हा टाइगर रिजर्व को जंगली भैंसों के पुनर्स्थापन के लिए सबसे उपयुक्त पाया गया है। यहाँ के विस्तृत घासभूमि क्षेत्र, पर्याप्त जल स्रोत और न्यूनतम मानव हस्तक्षेप इस प्रजाति के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ प्रदान करते हैं।

प्रकृति संतुलन की दिशा में निर्णायक पहल- सूपखार में जंगली भैंसों को छोड़े जाने के साथ यह 'वाइल्ड-टू-वाइल्ड' पुनर्स्थापना परियोजना एक नए चरण में प्रवेश करेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, इससे कान्हा की घासभूमि पारिस्थितिकी को मजबूती मिलेगी और जैव-विविधता संतुलन को नया जीवन मिलेगा। यह पहल मध्यप्रदेश वन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में संचालित एक और ऐतिहासिक संरक्षण अभियान है, जो आने वाले समय में देश के लिए एक मॉडल के रूप में स्थापित होगा।

80 साल के होकर क्यों लड़ रहे हो? संजय कपूर प्रॉपर्टी विवाद में SC ने करिश्मा कपूर के बच्चों समेत 22 लोगों को भेजा नोटिस

नई दिल्ली/ जीएनएस। बिजनेसमैन संजय कपूर की निधन 12 जून, 2025 को हुआ था। उनके निधन के बाद से जमीन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है।

संपत्ति विवाद में एक नए घटनाक्रम में, सुप्रीम कोर्ट ने आज सोमवार को संजय कपूर की मां रानी कपूर की एक याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें संजय कपूर की पत्नी प्रिया सचदेव कपूर और 22 अन्य से जवाब मांगा गया है। यह नोटिस बॉलीवुड एक्ट्रेस और संजय कपूर की पूर्व पत्नी करिश्मा कपूर के बच्चों को भी जारी किया गया है।

जस्टिस जे.बी. परदीवाला और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने यह भी संकेत दिया कि इस मामले को सुलझाने के लिए मध्यस्थता का रास्ता अपनाया जा सकता है।

घर में सुलझाए पारिवारिक विवाद- एएनआइ की रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप सब क्यों लड़ रहे हैं? आप 80 साल के हैं। यह आपके क्लाइंट के लड़ने की उम्र नहीं है। एक बार में ही, शुरू से आखिर तक मध्यस्थता के लिए जाएं। वरना, यह सब बेकार है। बेंच ने कहा, पारिवारिक विवादों में लंबे समय तक कानूनी लड़ाई चलाना फायदेमंद नहीं हो सकता। इस मामले पर अगले हफ्ते सुनवाई होने की उम्मीद है।

बेंच ने मध्यस्थता से समाधान की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, अगर सभी संबंधित पक्ष मध्यस्थता के लिए जाते हैं और शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से विवादों को सुलझाने की कोशिश करते हैं, तो यह सभी के हित में होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने आगे कहा, अगर जरूरी हुआ तो हम मामले की सुनवाई उसके गुण-दोष के आधार पर करेंगे, लेकिन सबसे पहले हमें पक्षों को मध्यस्थता के लिए राजी करने की कोशिश करनी चाहिए।

क्या ट्रंप पर हमला एक साजिश थी या मेलोड्रामा? व्हाइट हाउस में गोलीबारी को लेकर सोशल मीडिया पर लगी सवालों की झड़ी

नई दिल्ली/ जीएनएस। व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की घटना के कुछ ही मिनटों में सोशल मीडिया पर अफवाहों और साजिशी थ्योरी की बाढ़ आ गई।

एक्स, फेसबुक और टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर लाखों पोस्ट में इस घटना को स्टेज्ड (पूर्व नियोजित) और फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन बताया जाने लगा, हालांकि इन दावों के समर्थन में कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया है।

हमले की रात क्या हुआ- शनिवार को वॉशिंगटन हिल्टन में आयोजित डिनर में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस समेत कई वरिष्ठ नेता और पत्रकार मौजूद थे। इसी दौरान कैलिफोर्निया के कोल थॉमस एलन नामक संदिग्ध ने सुरक्षा घेरा तोड़कर फायरिंग की। उसे तुरंत हिरासत में ले लिया गया, जबकि ट्रंप और अन्य नेताओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया।

NIA खंगालेगी आतंकियों की कुंडली, लश्कर ने संभाली अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल की जांच; विदेश भागे उमर की भी तलाश

नई दिल्ली/ जीएनएस। लश्कर-ए-तैयबा के अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल की जांच का जिम्मा राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने सोमवार को औपचारिक रूप से अपने जिम्मे ले लिया है। पहले इस मामले की जांच जम्मू-कश्मीर पुलिस कर रही थी।

इस अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश गत मार्च में जम्मू-कश्मीर पुलिस ने केंद्रीय खुफिया एजेंसियों के सहयोग से करते हुए दो पाकिस्तानी आतंकियों अबु हुरैरा उर्फ अब्दुल्ला और खुबैब को मलेरकोटला पंजाब से पकड़ा था। इस मामले में अब तक तीन स्थानीय आतंकी ओवरग्राउंड वर्कर भी पकड़े जा चुके हैं, जबकि एक अन्य पाकिस्तानी आतंकी उमर उर्फ खरगोश कथित तौर पर राजस्थान से फर्जी पासपोर्ट प्राप्त कर इंडोनेशिया के रास्ते सऊदी अरब भागने में कामयाब रहा है।

एनआईए ने आतंकियों को अदालत में किया पेश- संबंधित अधिकारियों ने बताया कि एनआईए ने आज इस मामले की जांच का जिम्मा संभालने के साथ ही दोनों पाकिस्तानी आतंकियों और उनके तीन स्थानीय साथियों मोहम्मद नकीब बट, आदिल राशिद और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आज जम्मू स्थित विशेष एनआईए अदालत में पेश किया।

अरावली पहाड़ियों के जंगल में लगी भीषण आग, लपटें और धुएं का गुबार देख टीकली गांव में मची अफरा-तफरी

गुरुग्राम/ जीएनएस। अरावली पहाड़ियों के जंगल में सोमवार को भीषण आग लगने से टीकली गांव के आसपास अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आग पहाड़ी के ऊपरी हिस्से में लगी, लेकिन इसकी लपटें तेजी से फैलते हुए नीचे की ओर बढ़ने लगीं, जिससे पास में बने घरों को भी खतरा पैदा हो गया।

सूचना मिलते ही सेक्टर-29 दमकल केंद्र से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया गया। पहाड़ियों पर सूखी घास और झाड़ियों के कारण आग ने तेजी से विकराल रूप ले लिया। तेज हवा के चलते लपटें दूर-दूर तक फैल गईं, जिससे बड़ी संख्या में पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचा।

स्थानीय लोगों के अनुसार, हर साल गर्मियों में इस तरह की घटनाएं बढ़ जाती हैं, जिससे अरावली का हरित क्षेत्र प्रभावित हो रहा है और वन्य जीवों पर भी खतरा मंडरा रहा है।

पीएम मोदी का पश्चिम बंगाल की जनता के नाम पत्र, किए दो बड़े वादे

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए अपना आखिरी चुनाव प्रचार खत्म करते हुए, राज्य के लोगों को एक खुले पत्र के जरिए संबोधित किया। इस पत्र में, पीएम मोदी ने प्रचार के दौरान अपने अनुभवों के बारे में बात करते हुए विकसित बंगाल बनाने के अपने विजन को दोहराया है।

चुनाव प्रचार आज शाम 5 बजे आधिकारिक तौर पर खत्म हो गया, जो 29 अप्रैल को होने वाले चुनावों से पहले राजनीतिक पहुंच का आखिरी चरण था। अपने पत्र के साथ-साथ पीएम मोदी ने एक्स पर एक संदेश भी साझा किया, जिसमें उन्होंने प्रचार के दौरान मिले स्नेह का जिक्र किया और लोगों की बदलाव की चाहत पर भरोसा जताया।

एक्स पर लिखे पोस्ट में पीएम मोदी लिखा, पश्चिम बंगाल में पूरे चुनाव प्रचार के दौरान, मेरे परिवार के सदस्यों ने मुझे जो असीम प्यार और आशीर्वाद मिला है, उसने मुझे एक नई ताकत से भर दिया है। चाहे यहां की युवा शक्ति हो या नारी शक्ति, हमारे किसान भाई-बहन हों, मजदूर हों या व्यापारी, हर कोई विकसितो बांग्ला बनाने के लिए दृढ़ है। इस पत्र में मैंने उनके प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं।

पीएम मोदी ने बंगाल के मतदाताओं के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त करते हुए एक ऑडिया संदेश भी पोस्ट किया। ऑडियो संदेश में उन्होंने कहा, मेरा भाग्य और मेरी जिम्मेदारी बंगाल की सेवा करना और उसे सुरक्षित रखना है।

ISBT और राजेंद्रनगर टर्मिनल से रेलवे स्टेशन तक कनेक्ट होगी Patna Metro, सीएम सम्राट ने दिए निर्देश

नई दिल्ली/ जीएनएस। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को नगर विकास एवं आवास, पंचायती राज तथा पर्यटन विभाग की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने पटना मेट्रो रेल को लेकर कई निर्देश दिए। यह कहा कि पटना मेट्रो रेल के तहत अंतरराज्यीय बस टर्मिनल (आईएसबीटी) व राजेंद्रनगर टर्मिनल को पटना जंक्शन से जोड़ने का काम शीघ्र पूरा किया जाए।

तेजी से काम पूरा किया जाए- मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के काम में तेजी लाते हुए ससमय पूर्ण करें। मलाही पकड़ी से राजेन्द्र नगर टर्मिनल तक जल्द से जल्द मेट्रो रेल परियोजना को पूर्ण करें। साथ ही पटना जंक्शन तक पटना मेट्रो का कार्य शीघ्र पूरा करें।

आईएसबीटी, राजेन्द्रनगर टर्मिनल तथा पटना जंक्शन से पटना मेट्रो रेल के आपस में जल्द जुड़ जाने से लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी।

जो भी आधारभूत संरचना बन रहा व क्वालिटी का हो- मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी विकास से जुड़ी योजनाओं को तेजी से पूर्ण करें। स्वच्छता, जलापूर्ति पर विशेष ध्यान दें। जो भी आधारभूत संरचनाओं का निर्माण कराया जा रहा है वह सुदृढ़ और गुणवत्तापूर्ण हो।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत बचे हुए लोगों को तेजी से आवास उपलब्ध कराएं, ताकि शहरी क्षेत्र के बेघर परिवारों को पक्का आवास मिल सके।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए पीपीपी मॉडल का उपयोग करें, ताकि कचरा का बेहतर प्रबंधन और सदुपयोग किया जा सके। एसटीपी को ठीक से फंक्शनल रखें। साथ ही गंगा नदी के किनारे एसटीपी जहां भी निर्माणाधीन है उसपर तेजी से काम करें। सीवरेज नेटवर्क का विस्तार कराएं।

शवदाह गृह वहीं बने जहां पहले से शवों का हो रहा अंतिम संस्कार - मुख्यमंत्री ने कहा कि शवदाह गृह व मोक्ष घाम का निर्माण उसी स्थान पर करायें जहां परम्परागत रूप से शवों का अंतिम संस्कार किया जाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सोलर स्ट्रीट लाइट योजना के तहत जो भी सोलर लाइट लगाए गए हैं, वे पूरी तरह फंक्शनल रहें, इसे सुनिश्चित करें।

इसके लिए एक मॉनिटरिंग सिस्टम विकसित करें ताकि यह पता चल सके कि सोलर लाइट का संचालन बेहतर ढंग से हो रहा है। प्रत्येक ग्राम पंचायतों में सीसीटीवी का अधिष्ठापन सुनिश्चित कराएं।

इन्होंने दिया प्रेजेंटेशन- बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार ने प्रमुख केन्द्रीय योजनाओं, शहरों के मास्टर प्लान, रिजनल रैपिड ट्रांजिट प्रणाली, पटना मेट्रो, विज्ञापन नियमावली सहित अन्य कार्यों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत जानकारी दी।

'भारतीय परिवारों में बढ़ती खामोशीः सच, भ्रम और समाधान' - कैलाश चन्द्र

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय समाज सदियों से परिवार-आधारित सभ्यता के रूप में पहचाना जाता रहा है। संयुक्त परिवार, कुटुम्ब व्यवस्था, धार्मिक-सांस्कृतिक मूल्य और पारिवारिक दायित्व–ये सब हमारे रिश्तों को स्थिरता प्रदान करते आए हैं। लेकिन हाल के वर्षों में शहरी जीवनशैली, डिजिटल व्यस्तता और बदलती सामाजिक प्रतीक-व्यवस्था के बीच एक नई चर्चा उभर रही है कि पति-पत्नी साथ रहते हुए भी भावनात्मक रूप से दूर होते जा रहे हैं। कुछ लोग इसे ÷अघोषित तलाक÷ या ÷स्द्धद्यद्दठ्ठ्ठ ष्ठद्व1श्हष्द्र÷ कहकर प्रस्तुत करते हैं, मानो भारतीय परिवार बड़े पैमाने पर टूट रहे हों। लेकिन जहाँ कुछ अनुभूतियाँ सच्चाई का स्पर्श रखती हैं, वहीं पूरे समाज को टूटता हुआ बताना एक अतिशयोक्ति है। वास्तविकता इससे कहीं अधिक संतुलित और बहुआयामी है।

सबसे पहले तथ्यों की बात करें। भारत की आधिकारिक तलाक दर अब भी दुनिया में सबसे कम है–लगभग 1 से 1.5 प्रतिशत। यह केवल सरकारी आंकड़ा नहीं, बल्कि विभिन्न समाजशास्त्रीय सर्वेक्षणों द्वारा भी पुष्टि की गई वास्तविकता है। भारत जैसे विशाल और विविध देश में करोड़ों विवाहों के बावजूद अलगाव की घटनाएँ सीमित स्तर पर हैं। यह दावा करना कि 90 प्रतिशत विवाह केवल ढोंग बनकर रह गए हैं, किसी भी विश्वसनीय शोध द्वारा समर्थित नहीं है। हाँ, यह भी सच है कि पारिवारिक जीवन में तनाव, संवाद की कमी और भावनात्मक दूरी जैसी समस्याएँ बढ़ी हैं, लेकिन इन्हें पूरे समाज पर लागू नहीं किया जा सकता।

"Silent Divorce" शब्द आज के समय की एक सामाजिक स्थिति को ज़रूर दर्शाता है। पति-पत्नी साथ रहते हैं, रोजमर्रा के काम चलते रहते हैं, लेकिन मन के स्तर पर दूरी बनी रहती है–न संवाद, न सामूहिकता, न भावनात्मक निकटता। यह स्थिति महानगरीय जीवन, कार्य-तनाव, डिजिटल व्यस्तता और एकाकी जीवनशैली के कारण बढ़ी है। मोबाइल फोन का अत्यधिक उपयोग तो इस दूरी का सबसे बड़ा कारण बन चुका है। सामूहिक भोजन, परिवार के साथ समय बिताना, दैनिक बातचीत–ये सब स्क्रीन समय में दबकर रह गए हैं।

लेकिन यह कहना कि हर घर की यही कहानी है, ठीक नहीं। भारत में आज भी बड़े परिवारों, कस्बों और ग्रामीण समाज में दांपत्य संबंध पहले की तरह ही स्वाभाविक रूप से चल रहे हैं। संयुक्त परिवारों में सफाई से दिखता है कि रिश्तों में संवाद अधिक है, जिम्मेदारियाँ साझी हैं और सामाजिक-सांस्कृतिक जुड़ाव रिश्तों को मजबूती देता है। शोध यह भी दिखाता है कि ऐसे परिवारों में भावनात्मक दूरी की संभावना कम होती है। जहां कई पीढ़ियाँ एक साथ रहती हैं, वहाँ जीवन की व्यस्तता भी रिश्तों को खत्म नहीं कर पाती, बल्कि उनके बीच स्वाभाविक संबंध बनाए रखती है।

प्रश्न उठता है कि आज परिवारों में खामोशी क्यों बढ़ी है? इसका उत्तर आधुनिक जीवनशैली में छिपा है। तेज प्रतिस्पर्धा, लंबा कार्य-सप्ताह, आर्थिक दबाव, बच्चों की परवरिश का तनाव, शहरी आवागमन, डिजिटल निर्भरता और सामाजिक अलगाव–इन सबने भावनात्मक संतुलन को प्रभावित किया है। न्यूक्लियर परिवारों में पति-पत्नी दोनों पर दबाव बढ़ा है, और माता-पिता तथा बड़े परिजनों का सहारा कम हुआ है। परिणामस्वरूप तनाव और थकान के बीच संवाद कम होता जाता है। रिश्तों का आधार जो कभी सामूहिकता था, आज व्यक्तिगत व्यस्तता पर आकर टिक गया है।

लेकिन यह कमजोर होना अंतिम सत्य नहीं। भारतीय परिवारों की सबसे बड़ी विशेषता उनकी लचक और अनुकूलन-क्षमता है। पाश्चात्य समाजों की तरह व्यक्तिवादी विचारधारा अभी हमारी मूल प्रवृत्ति नहीं बनी है। भारत में विवाह केवल दो व्यक्तियों का अनुबंध नहीं, बल्कि एक सामाजिक-धार्मिक दायित्व है। 'कर्तव्य-बोध' और 'साझेदारी' हमारे विवाह के प्रमुख स्तंभ हैं। यही कारण है कि मुश्किलें बढ़ने के बावजूद रिश्ते टिकते भी हैं और सुधरने की क्षमता भी रखते हैं।

आज की चुनौती यह नहीं कि परिवार टूट रहे हैं, बल्कि यह कि परिवारों में संवाद कम हो रहा है। संवाद किसी भी रिश्ते का प्राण है। जब बातचीत कम होती है, तो मन का तनाव बढ़ता है और व्यक्ति भीतर ही भीतर अलगाव महसूस करने लगता है। डिजिटल दुनिया ने इस समस्या को और बढ़ाया है। यदि पति-पत्नी अपने दिन का बड़ा हिस्सा स्क्रीन पर बिताएँगे, तो जीवनसाथी के लिए समय और ऊर्जा स्वाभाविक रूप से कम पड़ेंगे ही। इसलिए समाधान तकनीक के विरोध में नहीं, बल्कि उसके अनुशासित उपयोग में है।

दूसरा समाधान परिवार और समाज के साथ पुनः जुड़ाव है। त्योहार, पूजा, सामूहिक भोजन, पारिवारिक यात्राएँ, घर के बुजुर्गों के साथ समय–ये सब घरेलू तनाव को कम करते हैं और रिश्तों में अपनापन बढ़ाते हैं। भारतीय संस्कृति में ऐसे क्षण हमेशा परिवार की स्थिरता के अनिवार्य अंग रहे हैं।

तीसरा समाधान बच्चों की परवरिश से जुड़ा है। आधुनिक परिवारों में एकल संतान या बच्चों के अत्यधिक हॉस्टल-निर्भर जीवन ने माता-पिता और बच्चों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ाई है। परिवार का भावनात्मक तंत्र जब कमजोर होता है, तो पति-पत्नी के बीच भी तनाव बढ़ना स्वाभाविक है। इसलिए माता-पिता को चाहिए कि बच्चों को केवल सुविधाएँ नहीं, बल्कि साथ भी दें।

अंत में, परिवार को बचाने का सबसे बड़ा तरीका वही है जो हमारी संस्कृति सदियों से सिखाती आई है–आपसी संवाद, समानता, सम्मान और सह-अस्तित्व। रिश्ते अधिकारों से नहीं, बल्कि जिम्मेदारियों, धैर्य और प्रेम से चलते हैं। आज की दुनिया तेज है, तनावपूर्ण है, लेकिन पारिवारिक जीवन को बचाए रखने के साधन भी उतने ही मजबूत हैं–बस उन्हें अपनाने की जरूरत है।

भारत का परिवार संकट में नहीं, बल्कि संक्रमण काल में है। यदि हम समय रहते संवाद, संस्कार और सामूहिकता की ओर पुनः लौट आएँ, तो यह संक्रमण भी एक सृजनात्मक परिवर्तन में बदल सकता है।

इंदौर नगर निगम बेचेगा ट्रीटेड वॉटर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निर्धारित शुल्क जमा कर कोई भी व्यक्ति, संस्था अब नगर निगम से उपचारित पानी ले सकेंगे। निगम के आठ जोनल कार्यालयों पर यह सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। ये हैं जोन पांच सुखलिया, छह सुभाष नगर, सात स्कीम 54, आठ विजय नगर, 11 नेहरू स्टेडियम, 13 बिलावली, 14 हवा बंगला और जोन 19 स्कीम 94। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने बताया कि निगम सहित शहर में चल रहे सभी निर्माण कार्यों, ऑटोमोबाइल सर्विस सेंटरों एवं उद्यानों में उपचारित जल का उपयोग अनिवार्य कर दिया गया है। इनके अलावा निजी व्यक्ति, संस्थाएं भी अपने संबंधित जोनल कार्यालय में निर्धारित शुल्क जमा कर उपचारित पानी प्राप्त कर इसका उपयोग निर्माण कार्य, वाहन धुलाई एवं उद्यान सिंचाई में कर सकते हैं। बोरिंग या नर्मदा जल का उपयोग हुआ तो कार्रवाई की जाएगी।

आचार्य देवेश श्री के इंदौर आगमन पर सांसद शंकर लालवानी ने की अगवानी, जयंत धाम में लिया आशीर्वाद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गच्छाधिपति आचार्य देवेश श्रीमद्विजय हितेशचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. के लगभग 10 वर्षों बाद इंदौर आगमन से जैन समाज में हर्ष और उत्साह का माहौल बना हुआ है। इस पावन अवसर पर इंदौर के सांसद शंकर लालवानी ने धार रोड स्थित जयंत धाम पहुंचकर आचार्य श्री के दर्शन-वंदन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। जयंत धाम में हुई इस भेंट के दौरान सांसद लालवानी ने गुरुदेवों के सानिध्य में आत्मिक शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। इस अवसर पर समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर सकारात्मक चर्चा भी हुई। आचार्य श्री ने सांसद को तिलकनगर में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए स्नेहपूर्वक आमंत्रित किया। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि एवं गुरुभक्त कपिल जैन भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। आचार्य श्री के नगर आगमन से जैन समाज में धार्मिक उत्साह का वातावरण बना हुआ है और आगामी आयोजनों को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उमंग देखने को मिल रही है।

बायपास पर अधूरे फ्लायओवर और अंडरपास से बढ़ रहे हादसे, बारिश से पहले काम पूरा करने के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अर्जुन बड़ौद, झलारिया, एमआर-10 और रालामंडल में बन रहे फ्लायओवर में लगातार लेटलतीफी हो रही है। इसकी वजह से न सिर्फ ट्रैफिक जाम हो रहा है बल्कि हादसे भी बढ़ते जा रहे हैं। इन सभी वजह से जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने अपने निज निवास कार्यालय पर एनएचएआई द्वारा संचालित विभिन्न विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस बैठक में मुख्य रूप से फ्लायओवर और अंडरपास के कार्यों की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई। मंत्री ने निर्माण कार्यों की धीमी गति और बायपास पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम को लेकर सख्त रुख अपनाया। ट्रैफिक जाम और अधूरे निर्माण कार्यों पर नाराज हुए सिलावट- समीक्षा के दौरान मंत्री सिलावट ने बायपास पर लगने वाले लंबे ट्रैफिक जाम पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि अधूरे निर्माण कार्यों और सर्विस रोड की खराब स्थिति के कारण वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों और सर्विस रोड के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर तुरंत ठीक किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लाइटिंग की व्यवस्था न होने और सर्विस रोड अधूरी रहने से ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, जिसका निराकरण तत्काल अनिवार्य है। बैठक में बताया गया कि अर्जुन बड़ौद में 1 किलोमीटर लंबी 6 लेन सड़क और 60 मीटर चौड़े अंडरपास का निर्माण किया जा रहा है। वर्तमान में यहां डामरीकरण का कार्य प्रगति पर है। मंत्री ने निर्देश दिए कि रोड मार्किंग और लाइटिंग का काम जल्द पूरा कर इसे टेस्टिंग के लिए शुरू किया जाए। इसी प्रकार झलारिया और एमआर-10 पर निर्माणाधीन अंडरपास के कार्यों को बारिश का मौसम शुरू होने से पहले अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

हेलमेट जागरूकता बाइक रैली से इंदौर में दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सुरक्षित और सुगम यातायात व्यवस्था को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंदौर यातायात पुलिस द्वारा हेलमेट जागरूकता बाइक रैली का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत आयोजित यह रैली पलासिया चौराहा से प्रारंभ होकर घंटाघर, रीगल सर्कल होते हुए राजवाड़ा पहुंची। रैली में शामिल बाइकर्स ने तख्तियों और पंपलेट्स के माध्यम से लोगों को हेलमेट पहनने, सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने, रेड लाइट का पालन करने और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने जैसे महत्वपूर्ण संदेश दिए।

इस अभियान का संचालन पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) एवं पुलिस उपायुक्त (यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में किया गया। रैली के दौरान अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं भी नियमों का पालन करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

डीसीपी ट्रैफिक ने रैली में शामिल प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी सराहना की। इस दौरान पुलिस अधिकारियों, ट्रैफिक स्टाफ, ट्रैफिक प्रहरी, बाइकर्स और विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यातायात प्रबंधन पुलिस ने जानकारी दी कि भविष्य में भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर आमजन तक सड़क सुरक्षा का संदेश पहुंचाया जाएगा।

स्वच्छता सर्वेक्षण के लिए इंदौर हो रहा तैयार, डिवाइडर, रोटरी पर रंग-रोगन, सफाई में भी कसावट

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के सबसे स्वच्छ शहर का लगातार नंबर वन खिताब जीतने वाले इंदौर ने एक बार फिर स्वच्छता सर्वेक्षण में सरताज बनने की तैयारी शुरू कर दी है। इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में बेहतर रैंकिंग के लिए इंदौर को अपने साथ देपालपुर को भी स्वच्छ बनाना होगा। सर्वेक्षण के लिए टीमें जल्द ही विभिन्न शहरों में रवाना होंगी और वर्षा ऋतु से पहले सर्वे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इंदौर में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन, गार्बेज सेग्रिगेशन और डस्टबिन-फ्री सिटी जैसे सिस्टम पहले से ही अच्छी तरह काम कर रहे हैं, इसलिए अधिकारियों को इस दिशा में अधिक मेहनत नहीं करनी होगी। हालांकि, शहर को और सुंदर बनाने तथा नए मापदंडों पर अधिक अंक प्राप्त करने के लिए तैयारियां तेज कर दी गई हैं। इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण 2026 के नियमों में बदलाव किया गया है और कुल 12,500 अंक निर्धारित किए गए हैं। रैंकिंग सुधारने के लिए शहरों को कचरा प्रबंधन को और व्यापक बनाना होगा। अब केवल कचरा उठाने से ही रैंकिंग तय नहीं होगी, बल्कि सार्वजनिक स्थानों और सरकारी कार्यालयों की दीवारों पर पान-गुटखा के दाग, तथा पर्यटन स्थलों की गंदगी भी अंक घटा सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने हाल ही में नो थू-थू अभियान शुरू किया है।

इसके अलावा, नागरिकों का फीडबैक और सर्वेक्षण टीम द्वारा शहरवासियों से ली गई जानकारी भी महत्वपूर्ण होगी। शहर के प्रमुख चौराहों की रोटरी और डिवाइडरों को रंगा जा रहा है, जबकि सार्वजनिक दीवारों पर पेंटिंग की जा रही है।

मेयर ने पार्षदों को दिए निर्देश- स्वच्छता सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए नगर निगम वार्ड स्तर पर अभियान चलाएगा। इसके लिए मेयर ने महापौर परिषद की बैठक ली, जिसमें सभी पार्षदों को अपने-अपने वार्डों में जाकर स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण करने और कमियों को दूर करने के निर्देश दिए गए।

इंदौर जिले में मिलावटखोरों के विरूद्ध चल रहे अभियान को किया जायेगा तेज

खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन कराया जायेगा सुनिश्चित

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत गठित जिला स्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने, खाद्य सामग्री निर्माण स्थल पर स्वच्छता सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण शुद्ध और सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के संबंध में अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में तय किया गया कि मिलावटखोरों के विरूद्ध चल रहे अभियान को तेज किया जायेगा तथा खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जायेगा।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. माधव प्रसाद हासानी, जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री मनीष स्वामी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशन में जिले में मिलावट के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री वर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री जी के निर्देशानुसार जिले में खाद्य संस्थानों की नियमित जांच, सैंपलिंग और अमानक पाए जाने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि जहां भी गंदगी या अस्वच्छ वातावरण में खाद्य पदार्थ बनते पाए जाएंगे, वहां सीलिंग और एफआईआर जैसी कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि होली पर्व के दौरान सुरक्षित होली अभियान÷ चलाकर मिठाइयों एवं अन्य खाद्य पदार्थों की विशेष जांच की गई थी। अब गर्मी के मौसम को देखते हुए आइसक्रीम, जूस और अन्य मौसमी खाद्य पदार्थों के विक्रय स्थलों पर भी लगातार निगरानी और जांच के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आमजन को सुरक्षित एवं स्वच्छ खाद्य सामग्री मिल सके।

कलेक्टर श्री वर्मा ने विशेष रूप से भंवरकुआ और गीता भवन जैसे छात्रावास क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां बड़ी संख्या में बाहरी जिलों के विद्यार्थी निवास करते हैं। ऐसे क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित की जाएगी, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित भोजन उपलब्ध हो सके। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में जन-जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे और खाद्य सुरक्षा के लिए सघन जांच अभियान जारी रखा जाएगा।

बैठक में बताया गया कि जिले में खाद्य प्रतिष्ठानों विशेषकर खाद्य सामग्री निर्माताओं के प्रतिष्ठानों का सतत रूप से निरीक्षण किया गया और खाद्य सामग्री के नमूने लेकर जांच के लिये प्रयोगशाला भेजे गये। एक दिसम्बर 2025 से अब तक कुल 545 प्रतिष्ठानों के निरीक्षण किये गये। कुल 1131 खाद्य सामाग्रियों के नमूने लिये गये। इस अवधि में दूध एवं दुग्ध उत्पाद के कुल 222 नमूने प्राप्त किये गये। जिले में उक्त अवधि मे विभिन्न स्थानों में 15 से अधिक बड़ी कार्रवाईयां की गई। हजारों किलोग्राम/लीटर खाद्य सामग्री संदिग्ध होने पर जप्त की गई। कई प्रतिष्ठानों को तत्काल बंद कराया गया। अनेक मामले न्यायालय में दर्ज कराये गये।

इंदौर में NEET (UG) 2026 परीक्षा 3 मई को

परीक्षा को लेकर व्यापक तैयारियां, उच्च स्तरीय बैठक में तैयारियों की समीक्षा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर में आगामी 3 मई को NEET (UG) 2026 परीक्षा आयोजित की जायेगी। परीक्षा के सफल एवं सुचारू आयोजन को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। इन्हीं तैयारियों समीक्षा के लिये आज वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक एसीएस श्री अनुपम राजन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इंदौर से इस बैठक में कलेक्टर श्री शिवम वर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बैठक में डीसीपी श्री प्रकाश परिहार, अपर कलेक्टर श्री रोशन राय सहित पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में जानकारी दी गई कि 3 मई 2026 को आयोजित होने वाली हृश्वश्वञ्ज परीक्षा के लिए इंदौर जिले में कुल 57 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 23,160 परीक्षार्थी शामिल होंगे। बैठक में बताया गया कि परीक्षा केन्द्रों पर जनरेटर्स की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचने के लिये एआईसीटीएसएल की बसें उपलब्ध कराई जायेंगी। यह बसें प्रातः 9 बजे से बस स्टेंड एवं रेल्वे स्टेशन पर उपलब्ध रहेंगी। बसों के चार रूट बनाये गये है। बसें सांवेर, आईआईटी सिमरोल, आईआईएम एवं महू तक जायेंगी। शाम 5 बजे से परीक्षा के उपरांत बसें वापस आयेंगी। सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात रहेगा। यातायात की सुगमता के लिये भी विशेष व्यवस्था की गई है। सभी परीक्षा केन्द्रों पर मेडिकल स्टॉफ एवं पांच केन्द्रों पर एक एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है। दिव्यांग परीक्षार्थियों के लिये व्हीलचेयर आदि की व्यवस्था रहेगी। परीक्षार्थियों के अभिभावकों के लिये टेंट एवं पीने के पानी की व्यवस्था केन्द्र के बाहर रहेगी। परीक्षार्थियों से आग्रह किया गया है कि वे किसी भी भ्रामक जानकारी और अफवाहों पर ध्यान नहीं दें। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केन्द्रों पर ड्यूटी मजिस्टेट तैनात किये गये है। उड़नदस्तों द्वारा भी प्रत्येक केन्द्र का भ्रमण कर सतत निगरानी रखी जायेगी। बैठक में कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि केन्द्रों पर आदर्श व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाये। सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि यह एक संवेदनशील परीक्षा है, इसलिए सुरक्षा, गोपनीयता एवं व्यवस्थाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पुलिस विभाग को पर्याप्त सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन एवं भीड़ नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए की परीक्षा के दौरान विद्युत आपूर्ति निर्बाध रूप से बनी रहे। किसी भी तरह की परेशानी नहीं आए। बैकअप की व्यवस्था भी सभी केन्द्रों पर सुनिश्चित की जाए। सभी संबंधित अधिकारी मौका मुआयना कर व्यवस्थाओं और सुविधा की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

तालाबों और बावड़ियों का जीर्णोद्धार तथा सौंदर्यीकरण कर धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से किया जायेगा विकसित

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक सम्पन्न

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में समय-सीमा (टीएल) के पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा लंबित प्रकरणों, शिकायतों एवं आवेदनों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि शासन के निर्देशानुसार सभी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए कहा कि जहां भी लापरवाही पाई जाएगी, संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में इंदौर प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पंवार, श्री रोशन राय, श्री रिंकेश वैश्य, अपर आयुक्त नगर ?निगम श्री आकाश सिंह, श्री प्रखर सिंह, श्री एन.एन. पाण्डे, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री अर्थ जैन सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

बैठक में बताया गया कि जिले में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। अभियान की प्रगति की भी समीक्षा बैठक में की गई। विशेष रूप से महू क्षेत्र की गंभीर नदी के पुनर्जीवन कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि जिले की सभी बावड़ियों एवं जल संरचनाओं का संरक्षण एवं मरम्मत कार्य प्राथमिकता से किया जाए, ताकि जल संग्रहण क्षमता में वृद्धि हो सके। साथ ही आमजन की भागीदारी सुनिश्चित कर इन स्थलों को धार्मिक एवं पर्यटन की दृष्टि से भी विकसित करने के प्रयास किए जाएं। बैठक में यह भी निर्देश दिये गये सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की निरंतर मॉनिटरिंग की जाये। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य सभी शिकायतों एवं आवेदनों का समयबद्ध एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करना है, जिसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

गेहूं खरीदी में विशेष पहल- कलेक्टर श्री वर्मा ने जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी की समीक्षा भी की। उन्होंने बताया कि गेहूं खरीदी के संबंध में भी प्रशासन द्वारा किसानों को सुविधा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। स्लॉट बुकिंग को सरल बनाया जा रहा है तथा खरीदी और भुगतान समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि विशेष परिस्थितियों जैसे किसी किसान के घर में विवाह, पारिवारिक कार्यक्रम या शोक की स्थिति को ध्यान में रखते हुए ऐसे किसानों को प्राथमिकता के आधार पर स्लॉट उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

सशस्त्र सेना झण्डा दिवस में इंदौर की बड़ी उपलब्धि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर जिले में सैनिकों के कल्याण के लिये सहायता राशि एकत्र करने में लक्ष्य से अधिक उपलब्धि हासिल की गई है। जिले में सशस्त्र सेना झण्डा दिवस के उपलक्ष्य में सैनिकों के कल्याण के लिये वर्ष 2024-2025 में 33 लाख 83 हजार 625 रूपये की सहयोग राशि एकत्र की गई। जिले में मध्यप्रदेश शासन 20 लाख 54 हजार 600 रूपये से अधिक राशि एकत्र करने का लक्ष्य दिया गया था, जो कि लक्ष्य राशि का 165 प्रतिशत है। यह राशि पूर्व सैनिकों, वीर नारियों, पूर्व सैनिकों की विधवाओं एवं उनके आश्रितों के कल्याण एवं पुनर्वास में संचालनालय सैनिक कल्याण, मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा चलाई जा रही कई कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से उपयोग में ली जाती है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि एवं योगदान के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा को प्रशस्ती पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्राप्त हुआ। राज्यपाल श्री मंगूभाई पटेल द्वारा गत 21 अप्रैल को लोकभवन में आयोजित विशेष सम्मान समारोह में यह सम्मान प्रदान किया गया। कलेक्टर श्री वर्मा की ओर से जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नगेश चन्द्र मालवीय (से.नि.) ने यह सम्मान ग्रहण किया।

डीजे इलेवन ने नपाध्यक्ष ट्रॉफी जीती, राज्यसभा सांसद गुर्जर ने पुरस्कार बांटे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनांक 21 अप्रैल से दिनांक 26 अप्रैल तक कालाखेत खेल मैदान में आयोजित 6 दिवसीय नपाध्यक्ष ट्रॉफी क्रिकेट प्रतियोगिता का कल समापन हुआ। समापन अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे राज्यसभा सांसद एवं भाजपा किसान मोर्चा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बंशीलाल गुर्जर व पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मानसिंह माच्छोपुरिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुनील जैन महाबली ने नपाध्यक्ष ट्राफी की विजेता एवं उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया।

समापन एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम में विजेता टीम का खिताब डी.जे. इलेवन की टीम ने जीता। बालाजी इलेवन की टीम उपविजेता रही। विजेता टीम को 51 हजार रू. नगद एवं टूर्नामेंट का कप प्रदान किया गया। उपविजेता टीम को 21 हजार रू. नगद एवं उपविजेता का पुरस्कार मिला। इसके पूर्व कालाखेत खेल मैदान में खेले गये फाइनल मैच में डी.जे. इलेवन की टीम ने 59 रनों से मैच जीता। 10-10 ओवर के मैच के प्रारंभ में दोनों टीमों के मध्य टॉस कराया गया। डी.जे. इलेवन की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया और 5 विकेट खोकर 104 रन बनाये। जवाब में बालाजी इलेवन की टीम 45 रन ही बना सकी। इस प्रकार 59 रनों के विशाल अंतर से डीजे इलेवन की टीम विजेता रही। 49 रन बनाने वाले डी.जे. टीम के खिलाड़ी वसीम लाला मैन ऑफ द मैच रहे। इसी टीम के अन्य खिलाड़ी वसीम पिपलोदा मैन ऑफ द सीरीज रहे। विजेता टीम की ओर से पुरस्कार (ट्रॉफी) हर्षित कंथार ने, उपविजेता टीम की ट्रॉफी मनोज बागड़ी ने प्राप्त की। कार्यक्रम में बेस्ट बॉलर का पुरस्कार सुनील मोड़ा ने, बेस्ट बैस्टमैन (बल्लेबाज) का पुरस्कार डीएम पाटिल ने जीता। कार्यक्रम में पधारे अतिथियों का स्वागत प्रतियोगिता के आयोजक मेहुल सुनील जैन, जान फतरोड़, विवेक भावसार, धीरेन्द्र नौगिया, देवराज फतरोड ने दुपट्टा ओढ़ाकर किया। कार्यक्रम में मदन गुर्जर लालघाटी, शिव गुर्जर रूपावली आदि भी उपस्थित थे। राज्यसभा सांसद बंशीलाल गुर्जर ने इस मौके पर कहा कि इस 6 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता में मंदसौर नगर व जिले की 16 टीमों ने भाग लिया। गर्मी के मौसम को देखते हुए प्रतियोगिता के आयोजकों ने डे-नाईट मैच कराये। पूरे नगरवासियों ने इस मैदान में आकर क्रिकेट का लुत्फ उठाया। इस प्रतियोगिता को आयोजित करने में नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष श्री मानसिंह माच्छोपुरिया ने कहा कि मेहुल सुनील जैन महाबली ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में 6 दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन करके खेल प्रेमियों के लिये विशिष्ट कार्य किया है। मेहुल जैन व उनकी पूरी टीम के साथ ही नपाध्यक्ष रमादेवी गुर्जर भी बधाई की पात्र है, जिन्होंने इस प्रतियोगिता के आयोजन के लिये खूब परिश्रम किया है। कार्यक्रम का संचालन सुनील जैन महाबली (भाजपा जिला उपाध्यक्ष) ने किया व आभार विवेक भावसार ने माना।

निर्माण कार्यों का एक्सटेंशन न बढ़ाया जाए, ऐसा करने पर संबंधित के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी

गेहूं खरीदी केंद्रों पर न लगे लंबी लाइन, किसानों को न हो परेशानी – कलेक्टर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में सुशासन भवन स्थित सभागार में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि गेहूं खरीदी केंद्रों पर किसानों की लंबी लाइन न लगे। जिन किसानों का स्लॉट बुक है, उनका गेहूं समय पर तौल कर तुरंत मुक्त किया जाए। अनावश्यक भीड़ न हो तथा किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि खरीदी केंद्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें। 9 मई तक गेहूं खरीदी के लिए स्लॉट बुकिंग जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोसायटी स्तर पर खरीदी कार्य में वेयरहाउस के कर्मचारी हस्तक्षेप न करें। गेहूं की गुणवत्ता की जांच सर्वेयर द्वारा ठीक से की जाए तथा फील्ड में आने वाली समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। बैठक में हम्माल व्यवस्था, तौल व्यवस्था, भंडारण एवं परिवहन की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

श्रम विभाग को संबल योजना के लंबित आवेदनों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए गए। स्कूल शिक्षा विभाग को विद्यालयों की छत मरम्मत संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने तथा प्रवेश प्रक्रिया के दौरान कोई भी बच्चा वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करने को कहा गया। महिला एवं बाल विकास विभाग को पोषण ट्रैकर में बच्चों की सही एंट्री तथा एएनसी प्रबंधन के अंतर्गत गर्भवती महिलाओं का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनका समुचित उपचार करने को कहा गया। कलेक्टर ने सभी निर्माण विभागों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्यों का एक्सटेंशन न बढ़ाया जाए। ऐसा करने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन सहित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

ए.सी.एस.श्री अनुपम राजन ने वी.सी.के माध्यम से की नीट परीक्षाओं की तैयारियों की समीक्षा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। म.प्र.के उच्च शिक्षा, उद्यानिकी, संसदीय कार्य, जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुपम राजन ने सोमवार को मंत्रालय भोपाल से वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से सभी जिलो में आगामी दिनों में आयोजित होने वाली नीट की परीक्षा की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की। अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री राजन ने वी.सी. में निर्देश दिए, कि नीट के सभी परीक्षा केंद्रों का परीक्षा पूर्व निरीक्षण कर, सुव्यवस्थित, सुचारू परीक्षा आयोजन की सभी आवश्यक तैयारियां और प्रबंध सुनिश्चित कर लिए जाए। परीक्षा केंद्रों पर गर्मी को ध्यान में रखते हुए आपात चिकित्सीय व्यवस्था की न्यूनतम रिस्पोंस समय में उपलब्धता सुनिश्चित करें। सभी परीक्षा केंद्रों पर शीतल पेयजल, प्रकाश, पंखे व ओ.आर.एस.की व्यवस्था हो। परीक्षा केंद्र पर महिला अभ्यर्थियों की तलाशी, महिला अधिकारी, कर्मचारी द्वारा गरिमा एवं सम्मान के साथ ही की जाए।सभी परीक्षा केंद्रों पर पावर बैकअप की भी पुख्ता व्यवस्था की जाए। सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के मोबाईल, बेग्स व अन्य सामग्री रखने की अलग से व्यवस्था की जाए। केंद्र पर पार्किंग व परिजनों के लिए छाया की व्यवस्था भी की जाए। सभी केंद्रों पर सीसीटीव्ही निगरानी, वीडियोंग्राफी, फिक्सिंग, पावर बैकअप, व अन्य आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाए।

मिल्लत बैतूल मॉल सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा तिजारत प्रोजेक्ट के तहत जरूरतमंदों को रोजगार उपलब्ध कराया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मिल्लत बैतूल मॉल सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी की जानिब से चलाए जा रहे तिजारत प्रोजेक्ट के तहत 27 अप्रैल सोमवार को तीन जरूरतमंद लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से रोजगार उपलब्ध कराया गया। इस अवसर पर सोसाइटी द्वारा एक भाई को पानी पतासे (गोलगप्पे) का ठेला, एक भाई को फल-फ्रूट का ठेला तथा एक बहन को घर बैठे रोजगार के लिए सिलाई मशीन प्रदान की गई। कार्यक्रम में शहर क़ाज़ी आसिफ उल्लाह साहब, वसीम मिस्बाही साहब, आबिद मिस्बाही साहब, आमिर पठान, समीर खान, वसीम खान, अय्यूब बागवान, आसिफ अंसारी, इमरान शाह, परवेज खान तथा सैय्यद आरिफ अली सहित सोसाइटी के जिम्मेदारान मौजूद रहे। सोसाइटी के पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को आत्मनिर्भर बनाना है, ताकि वे सम्मानपूर्वक अपना जीवनयापन कर सकें। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों को मेहनत, ईमानदारी और दिए गए संसाधनों का सही उपयोग करने की नसीहत दी गई तथा उनके उज्जवल भविष्य के लिए दुआ भी की गई। सोसाइटी आगे भी इसी प्रकार समाज के जरूरतमंद लोगों की मदद करती रहेगी और उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करती रहेगी।

डॉक्टर मनोज सोनी पर हुए हमले के विरोध में स्वर्णकार समाज ने सौंपा ज्ञापन, निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। चिकित्सक डॉ. मनोज सोनी पर हुए हमले और अवैध वसूली की कोशिश के विरोध में आज 27 अप्रैल, सोमवार को मन्दसौर के स्वर्णकार समाज ने पुलिस अधीक्षक के नाम एक ज्ञापन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टी.एस. बघेल को सौंपा। समाज के जिलाध्यक्ष अजय सोनी कॉलोनाइजर, शहर पंचायत अध्यक्ष अर्जुन डाबर, जनकूपुरा पंचायत अध्यक्ष विजय सोनी मेलखेड़ावाला, समाज सचिव भूपेन्द्र सोनी प्रतापगढ़वाला सहित उपस्थित समाजजनों ने बताया कि आनंद विहार निवासी डॉ. मनोज सोनी, जो गोल चौराहा पर शिवना डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित करते हैं, उन पर 24 अप्रैल की रात करीब 8 बजे अनूप जैन, लाल बहादुर जैन और रोहित पाटीदार ने हमला किया। आरोपियों ने डॉक्टर से उनकी पैथोलॉजी चलाने के एवज में 10 हजार रुपये प्रति माह की अवैध मांग की थी और मना करने पर लाठियों व लात-घूंसों से उनकी बेरहमी से पिटाई कर दी।

इस हमले में डॉ. सोनी के बाएं हाथ की उंगली में गंभीर फ्रैक्चर हुआ है, जिसका ऑपरेशन कराना पड़ा और इस चोट के कारण उनका चिकित्सकीय कार्य भी पूरी तरह बंद हो गया है। पीड़ित डॉक्टर का आरोप है कि उन्हें डराने के लिए आरोपियों ने उन पर एक झूठी एफआईआर भी दर्ज कराई है। स्वर्णकार समाज ने प्रशासन से मांग की है कि घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए, निष्पक्ष जांच कर डॉक्टर पर दर्ज झूठी शिकायत को निरस्त किया जाए और अपराधियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में किसी अन्य नागरिक के साथ ऐसी घटना न हो। इस दौरान चिकित्सक डॉ. मनोज सोनी, पप्पू सोनी, विनोद सोनी एसएसएन, कल्याण समिति जिलाध्यक्ष संजय वर्मा, राजेश ऐरावाला, यशवंत सोनी, मनीष सोनी, जयप्रकाश सोनी, अशोक सोनी मेलखेड़ा वाला, डॉ. मुकेश सोनी, उदलसिंह परिहार, शरद जैन संजीत, विकास रत्नावत सरपंच ढाबला, लालसिंह सरपंच दोरवाड़ा सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चार तस्करों पर सफेमा की कार्रवाई, 22 करोड़ से अधिक की संपत्ति फ्रिजिंग के आदेश जारी

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मंदसौर पुलिस द्वारा मादक पदार्थ तस्करों एवं उनके परिजनों के द्वारा अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति पर सफेमा एक्ट की कार्रवाई की गई है। पूर्व में जारी एक कार्रवाई को मिलाकर अब 4 मादक पदार्थ तस्करों पर सफेमा के तहत संपत्ति फ्रिजिंग के आदेश जारी हुए हैं। मंदसौर पुलिस ने तीन थानों के चार प्रकरण मुम्बई स्थित सफेमा कोर्ट में रखे थे। इन प्रकरणों में 21 करोड़ 18 हजार 100 रुपए की अचल संपत्ति एवं 01 करोड़ 07 लाख 85 हजार 913 रुपए की चल संपत्ति शामिल है। इस तरह चारों मामलों में कुल 22 कोड़ 08 लाख 04 हजार रुपए की चल-अचल संपत्ति फ्रिज हो सकेगी।

पुलिस मुख्यालय भोपाल से कठोर कार्रवाई के आदेश जारी हुए थे। इसके पालन में पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना द्वारा जिले के सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया था। आदेश दिया था कि ऐसे तस्करों के प्रकरणों को चिन्हित कर उनके एवं नाते दारों की चल-अचल संपत्ति की जानकारी संकलित करवाकर थाना प्रभारी या विवेचकों से वित्तीय अनुसंधान कराया जाए जिसके फलस्वरूप दिनांक 01 जनवरी 2026 से 27 अप्रैल 2026 की अवधि में कुल 04 प्रकरणों में आरोपी एवं उनके रिश्तेदारों की 22 करोड़ 08 लाख 04 हजार रुपए की संपत्ति की जानकारी पाई गई। इस तरह फ्रिजिंग आदेश तैयार कर प्रकरण सक्षम अधिकारी मुम्बई स्थित सफेमा न्यायालय में पेश किया गया। जहां से सूचना पत्र जारी कर सुनवाई की गई। सुनवाई उपरांत 04 प्रकरणों में 22 कत्रोड़ आठ लाख चार हजार की संपत्ति फ्रिजिंग आदेश कंफर्म किए गए

भावगढ़ थाना अंतर्गत वर्ष 2010 में दर्ज अपराध की धारा 8 / 18, 29 एनडीपीएस एक्ट में आरोपी रामविलास पिता कंवरलाल पाटदार 62 वर्ष निवासी रिण्डा थाना अफजलपुर की कुल 9 करोड़ 40 लाख 90 हजार की अवैध संपत्ति फ्रिजिंग आदेश जारी हुए हैं।

भावगढ़ थाने के ही एक अन्य वर्ष 2013 के प्रकरण में 8 / 18, 21, 29 में आरोपी लक्ष्मीनारायण पिता धन्नालाल कुमावत 45 वर्ष निवासी ग्राम कटलार थाना भावगढ़ की कुल 4 करोड़ 92 लाख रुपए की संपत्ति फ्रिज की गई।

थाना गरोठ अंतर्गत वर्ष 2025 के 8 / 22, 29 के प्रकरण में आरोपी कुशाल सिंह पिता विक्रमसिंह उर्फ गुड्डूसिंह सौंधिया 23 वर्ष निवासी राम मंदिर के पास बरखेड़ी मिलू थाना गरोठ की कुल 06 करोड़ 84 लाख 50 हजार 500 रुपए की अवैध चल-अचल संपत्ति सफेमा न्यायालय ने फ्रिजिंग आदेश जारी किए हैं।

थाना पिपलियामंडी अंतर्गत वर्ष 2015 के प्रकरण में 8 / 15, 29 में आरोपी उमरावसिंह पिता गोबरसिंह चौहान जाति सौंधिया निवासी तलाव पिपलिया की 9 स्त्रोड़ 6 लाख 3 हजार 513 रुपए की अवैध चल-अचल संपत्ति सफेमा अदालत ने फ्रिजिंग आदेश जारी किए हैं।

घाणावर तैली समाज ने दिया ज्ञापन, हेराफेरी का निराधर बताया, निष्पक्ष जांच की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में प्राईवेट कंपनी इंस्टा कॉर्ट सर्विस के माध्यम से यशोधर्मन नगर थाने में अमानत में खयानत करने संबंधी एक शिकायत की गई थी, जिस पर थाने में प्रकरण दर्ज किया गया। इसकी सूचना संबंधित को मिली तो सोमवार को घाणावर तेली समाज के अनेक लोग पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे, यहां एक ज्ञापन दिया गया और बताया कि जिस युवक नितेश राठौर पर आरोप लगाया गया है, वह निराधार है। जबकि उसने शिकायत के दौरान थाने जाकर पूरी सच्चाई से अवगत कराया था।

इसके बाद भी उसके खिलाफ यह कार्रवाई की गई है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाए और जो आरोप लगे हैं उसे दूर किया जाए। गौरतलब है कि काबरा पेट्रोल पम्प के पास प्राईवेट कंपनी इंस्टा कॉर्टसर्विस का प्राईवेट ऑफिस है। यह कंपनी विभिन्न सामानों की डिलेवरी व प्रदाय का कार्य करती है। कंपनी में खानपुरा निवासी नितेश राठौर कार्यरत थे।

उनसे कंपनी अपने कार्य कराती रही है। टीम लीड के संबंध में कोई नियुक्ति नहीं दी गई है। कंपनी में अनेक लोग भी कार्यरत हैं। नितेश ने छह माह पूर्व ही नौकरी छोड़ दी है। इस तरह उन पर आरोप मढ़ दिए गए हैं। ज्ञापन देने के दौरान हर्षित राठौर ने बताया कि आवेदन देकर प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। साढ़े सार से पांच लाख तक के सामान की हेराफेरी का आरोप लगा दिया गया है। झूठा प्रकरण दर्ज किया गया है। समय-समय पर थाने जाकर तथ्य भी रखे थे। हमारी मांग है कि फिर से और निष्पक्ष जांच कराई जाए। ज्ञापन देतेसमय एक महिला का कहना है कि कार्रवाई होने की सूचना पर हम एसपी ऑफिस आए हैं। हमारी ओर से ज्ञापन दिया गया है। सच्चाई जानना चाहिए। मामले की फिर से जांच करवाई जाए। ज्ञापन यशोधर्मन नगर थाना टीआई शिवांशु मालवीय को सौंपा गया। ज्ञापन देते समय मुख्य रूप से घाणावार तेली समाज से मदनलाल राठौर, कांतिलाल राठौर, बंशी राठौर आदि मौजूद रहे।

गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग तेज, सिंगोली में सोपा ज्ञापन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गौमाता के सम्मान एवं उन्हें राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर सिंगोली तहसील में एक महत्वपूर्ण पहल देखने को मिली। समस्त गौभक्तों एवं जीव दया प्रेमियों ने एकजुट होकर तहसीलदार श्री प्रेम शंकर पटेल को प्रधानमंत्री, राष्टपति, राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में सर्वसमाज के लोगों की उपस्थिति रही, जिन्होंने गौमाता के प्रति अपनी आस्था और सम्मान व्यक्त करते हुए हस्ताक्षर अभियान में भाग लिया। ज्ञापन के साथ सैकड़ों आमजन की हस्ताक्षरयुक्त प्रतियां भी संलग्न की गई, जो इस मांग के प्रति जनसमर्थन को दर्शाती हैं।गौभक्तों ने अपने ज्ञापन में कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता का विशेष स्थान रहा है और उन्हें राष्टमाता का दर्जा प्रदान कर गौसंवर्धन एवं संरक्षण को नई दिशा दी जा सकती है। उन्होंने सरकार से इस विषय में शीघ्र सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने एक स्वर में कहा कि यह केवल एक मांग नहीं, बल्कि आस्था, संस्कृति और परंपरा से जुड़ा विषय है। सभी ने संकल्प लिया कि जब तक गौमाता को राष्टमाता का दर्जा नहीं मिलता, तब तक यह जनजागरण अभियान निरंतर जारी रहेगा।

आई.टी.आई. उत्तीर्ण अधिकाधिक विद्यार्थियों का निजी कम्पनियों में रोजगार प्लेसमेंट करवाए- श्री वैष्णव

जिला स्तरीय कौशल विकास समिति की बैठक सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से गत दो वर्षो में विभिन्न ट्रेडों में उत्तीर्ण विद्यार्थियों से सतत सम्पर्क, समन्वय एवं निजी कम्पनियों से सम्पर्क समन्वय कर उनका रोजगार के लिए प्लेसमेंट करवाना सुनिश्चित करें। यह निर्देश जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने सोमवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में आयोजित जिला स्तरीय कौशल विकास समिति की बैठक में जिले के सभी आई.टी.आई. प्राचार्यो को दिए। बैठक में जिला रोजगार अधिकारी श्री दिनेश परमार, सभी आईटीआई प्राचार्य एवं समिति के सदस्य जिला अधिकारी तथा अल्ट्राटेक, अडानी एवं अन्य निजी कम्पनियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

बैठक में आईटीआई प्राचार्यो को निर्देश दिए गये, कि वे इस सत्र में संस्थान में सभी ट्रेडो में सभी सीटों पर विद्यार्थियों का प्रवेश सुनिश्चित करवाए। बैठक में संस्थावार, विद्यार्थियों के निजी कम्पनियों में प्रशिक्षण एवं अध्ययन भ्रमण की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

बैठक में जिला रोजगार अधिकारी श्री दिनेश परमार ने बताया, कि प्रधानमंत्री इंटरशिप योजना के तहत नीमच जिले के खिमला में निर्माणाधीन ग्रीनको प्रोजेक्ट में 130 वेकेंसी उपलब्ध है। इनकी पूर्ति के लिए विद्यार्थियों से आनलाईन पंजीयन करवाया जा रहा है। जिला पंचायत सीईओ ने सभी प्राचार्यो को निर्देश दिए, कि वे आई.टी.आई.पास आउट अधिकाधिक विद्यार्थियों से सम्पर्क कर, उनका खिमला ग्रीनको प्रोजेक्ट में ईन्टरशिप के लिए पंजीयन करवाए। बैठक में मुख्यमंत्री सीखो कमाओं योजना, प्रधानमंत्री इंटरशिप योजना, एन.ए.सी.एस.योजना, की प्रगति की भी समीक्षा की गई। जिला पंचायत सीईओ ने ड्राप आउट बालिकाओं को प्रेरित कर उनका औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रवेश करवाने के निर्देश भी जिला कार्यक्रम अधिकारी नीमच को दिए है।

जल गंगा संवर्धन अभियान बना जन आंदोलन, बोरदिया खुर्द के 9 किसानों ने जनभागीदारी से रचा इतिहास

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के आह्वान पर चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत नीमच के ग्राम बोरदिया खुर्द में जनभागीदारी से नई दिशा मिली है। यहां ग्राम पंचायत एवं 9 प्रगतिशील कृषकों ने मिलकर जल संरक्षण का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है।

नवाचार:- ग्राम पंचायत द्वारा गत वर्षों में निर्मित परकोलेशन टैंक में जमा उपजाऊ मिट्टी को कृषकों द्वारा अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली के माध्यम से खोदकर निजी खेतों में डाला जा रहा है। इस कार्य में ग्राम पंचायत द्वारा पूर्ण सहयोग किया जा रहा है।

कार्य की प्रगति एवं लाभ:- 9 कृषकों द्वारा अब तक 180 ट्रॉली उपजाऊ मिट्टी निकाल कर अपने खेतों में डाली जा चुकी है। साथ ही लगभग 150 से अधिक ट्रॉली मिट्टी और निकाली जाएगी। इस श्रमदान से परकोलेशन टैंक की जलग्रहण क्षमता लगभग 1000 घन मीटर बढ़ जाएगी तथा किसानों को इतनी ही मात्रा में उच्च गुणवत्ता की उपजाऊ मिट्टी बिना किसी शासकीय व्यय के प्राप्त होगी।

आत्मनिर्भरता का मॉडल:- बिना शासन के वित्तीय सहयोग से किसानों को उपजाऊ मिट्टी की उपलब्धता एवं जल संरचना को सुदृढ़ करने का यह जन सहयोग का अनुकरणीय मॉडल है।

अधिकारियों की प्रतिक्रिया:- कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने कहा, कि जल गंगा संवर्धन अभियान तभी सफल होगा जब समाज का प्रत्येक वर्ग इससे जुड़ेगा। बोरदिया खुर्द के किसानों ने यह कर दिखाया है। यह मॉडल पूरे जिले में लागू किया जाएगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत श्री अमन वैष्णव ने बताया, कि मानसून पूर्व सभी जल संरचनाओं से मिट्टी निकालने के लिए ग्राम पंचायतों को निर्देशित किया गया है। किसान इस मिट्टी का उपयोग खेतों में कर सकेंगे।

मामला न्यायालय में होने के बावजूद पैथोलॉजी लैब पर जबरन लगाया ताला, एसपी को दिया आवेदन

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के शिवना डायग्नोस्टिक सेंटर (पैथोलॉजी लैब) के पार्टनर्स का विवाद गहराता जा रहा है। शिवाना डायग्नोस्टिक सेंटर के कार्यरत कर्मचारी प्रद्युम्न बैरागी और डॉ. अनूप जैन ने एक आवेदन जिला पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना को देते हुए बताया कि शिवना डायग्नोस्टिक सेंटर (पैथोलॉजी लैब) पर अवैध रूप से ताला बदलकर प्रवेश रोकने, कार्य में बाधा उत्पन्न करने का कार्य किया गया है।

प्रार्थी प्रद्युम्न बैरागी पिता महावीर दास ने एसपी को दिये आवेदन में बताया कि मैं पिछले डेढ़ वर्षो से शिवना डायग्नोस्टिक सेंटर पर शिवना पैथोलॉजी में कार्यरत हूँ। 25 अप्रैल को सुबह को जब मैं रोज की तरह सुबह लैब खोलने पहुँचा, तो मैंने देखा कि लैब का ताला बदल दिया गया है और पुरानी चाबी काम नहीं कर रही है। जब इस बात की सूचना मैने डॉ. अनूप जैन सर को दी गई और सर द्वारा सीसीटीवी फुटेज चेक किए गए, तो उसमें स्पष्ट देख रहा है दिनांक 24 अप्रैल की रात लगभग 10:50 से 11:10 बजे मकान मालिक पवन कोठारी के पिता राजेश कोठारी, मनोज सोनी दोबारा षडयंत्र पूर्वक और रात्रि में मकान मालिक के पिता राजेश कोठारी व चार-पांच अन्य लोग और द्वारा अवैध रूप से लैब का ताला बदला गया है, जिससे हम वहां आजा ना सके। वह काम ना कर सके तथा दबाव बनाकर डॉक्टर अनूप से दुकान खाली करवाई जा सके। जबकि वर्तमान में उक्त संपत्ति का मामला न्यायालय (मंदसौर) में विचाराधीन है।

किसी भी न्यायालय द्वारा ताला लगाने या कब्जा लेने का कोई आदेश जारी नहीं किया गया है। विपक्षीगणों ने कानून को हाथ में लेते हुए यह कृत्य किया है। डॉ. अनूप जैन ने बताया कि पैथोलॉजी लैब के अंदर कई सेंसिटिव सैंपल्स और मरीजों की महत्वपूर्ण रिपोर्ट्स रखी हैं। समय पर रिपोर्ट न मिलने से मरीजों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी विपक्षीगणों की होगी। आवेदन में उचित कार्यवाही की मांग की गई है।

सम्पादकीय

आशा, करुणा और मानवीय संवेदनाओं का जीवंत उत्सव

हर वर्ष 29 अप्रैल को मनाया जाने 'विश्व इच्छा दिवस' मानवता के उन कोमल स्पंदनों को अभिव्यक्त करता है, जो हमें एक-दूसरे से जोड़ते हैं। यह केवल एक दिवस नहीं, बल्कि संवेदनशीलता, करुणा और आशा का वैश्विक अभियान है। इस दिन का मूल उद्देश्य उन बच्चों के जीवन में खुशी और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करना है, जो गंभीर और जानलेवा बीमारियों से जूझ रहे हैं। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि जीवन की वास्तविक सुंदरता दूसरों के चेहरे पर मुस्कान लाने में निहित है। इस प्रेरणादायी दिवस का संबंध विश्वविख्यात संस्था मेक-ए-विश फाउंडेशन से है, जो दशकों से बीमार बच्चों की इच्छाओं को साकार कर उन्हें जीवन का नया अर्थ दे रही है। यह संस्था न केवल इच्छाओं को पूरा करती है, बल्कि उन बच्चों के भीतर जीने की आशा, साहस और मानसिक शक्ति का संचार भी करती है।

इस दिवस का इतिहास अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायक है। वर्ष 1980 में सात वर्षीय क्रिस ग्रेसियस जो ल्यूकेमिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे, उनकी अंतिम इच्छा एक पुलिस अधिकारी बनने की थी। जब यह बात स्थानीय पुलिस तक पहुंची, तो उन्होंने न केवल उसकी इच्छा को समझा, बल्कि उसे पूरा करने का संकल्प भी लिया। 29 अप्रैल 1980 को क्रिस को एक दिन के लिए पुलिस अधिकारी बनाया गया, उन्हें वर्दी पहनाई गई और पूरे सम्मान के साथ यह अनुभव दिया गया। उस दिन क्रिस के चेहरे पर जो मुस्कान थी, वह केवल एक बच्चे की खुशी नहीं थी, बल्कि मानवता की संवेदनशीलता का जीवंत प्रमाण थी। दुर्भाग्यवश, कुछ ही दिनों बाद उनका निधन हो गया, लेकिन उनकी यह छोटी-सी इच्छा एक वैश्विक आंदोलन की नींव बन गई। इसी घटना से प्रेरित होकर मेक-ए-विश फाउंडेशन की स्थापना हुई, जिसने समय के साथ एक विशाल रूप ले लिया। आज यह संस्था विश्व के अनेक देशों में सक्रिय है और लाखों बच्चों की इच्छाओं को पूरा कर चुकी है। यह संस्था यह सिद्ध करती है कि एक छोटी-सी पहल भी दुनिया में बड़ा परिवर्तन ला सकती है।

आधुनिक युग में, जब जीवन की गति अत्यंत तेज हो गई है और व्यक्ति अपने स्वार्थों एवं महत्वाकांक्षाओं में उलझा हुआ है, ऐसे में यह दिवस एक चेतना का संदेश लेकर आता है। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हमारी इच्छाएं केवल हमारे लिए हैं, या हम दूसरों के जीवन में भी कुछ रोशनी ला सकते हैं। आज समाज में संवेदनाओं का क्षरण हो रहा है, लोग एक-दूसरे से दूर होते जा रहे हैं, और मानवीय संबंधों में औपचारिकता बढ़ती जा रही है। ऐसे समय में विश्व इच्छा दिवस मानवीय मूल्यों के पुनर्जागरण का अवसर प्रदान करता है। इच्छाएं मनुष्य के जीवन का अभिन्न अंग हैं। वे केवल आकांक्षाएं नहीं, बल्कि जीवन की दिशा और ऊर्जा का स्रोत हैं। जब इच्छाएं सकारात्मक होती हैं, तो वे व्यक्ति को आगे बढ़ने की प्रेरणा देती हैं, उसके भीतर आत्मविश्वास और रचनात्मकता का विकास करती हैं। प्रसिद्ध विचारक एंथोनी स्टे. मारटीन का कथन है कि यदि मनुष्य अपनी सबसे बड़ी इच्छाओं को साकार करने की क्षमता नहीं रखता, तो वह उन्हें सोच भी नहीं सकता। यह विचार इस बात को स्पष्ट करता है कि इच्छाएं हमारे भीतर की संभावनाओं का प्रतिबिंब होती हैं।

विश्व इच्छा दिवस इस सत्य को भी उजागर करता है कि इच्छाएं केवल व्यक्तिगत नहीं होतीं, वे सामाजिक भी होती हैं। एक व्यक्ति की सकारात्मक इच्छा पूरे समाज में परिवर्तन ला सकती है। जब हम किसी बीमार बच्चे की इच्छा पूरी करते हैं, तो हम केवल उसकी खुशी का कारण नहीं बनते, बल्कि उसके परिवार और समाज के लिए भी आशा का स्रोत बन जाते हैं। यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें देने वाला और पाने वाला दोनों ही समृद्ध होते हैं। वर्तमान समय में यह और भी आवश्यक हो गया है कि हम अपनी इच्छाओं को सकारात्मक दिशा दें। नकारात्मक इच्छाएं जहां व्यक्ति को तनाव और असंतोष की ओर ले जाती हैं, वहीं सकारात्मक इच्छाएं उसे संतुलन, शांति और संतोष प्रदान करती हैं। यही कारण है कि विश्व इच्छा दिवस केवल इच्छाओं की पूर्ति का उत्सव नहीं है, बल्कि यह सकारात्मक सोच और जीवन दृष्टि का भी उत्सव है।

यदि 2026 के संदर्भ में इस दिवस की भावना को समझा जाए, तो इसे आशा बांटें, खुशियां जगाएं के रूप में अभिव्यक्त किया जा सकता है। यह संदेश हमें यह सिखाता है कि हम अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी किसी के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। एक मुस्कान, एक सहयोग, या एक संवेदनशील कदम किसी के लिए जीवन बदल देने वाला अनुभव बन सकता है। इस दिवस का एक महत्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि यह हमें सामाजिक भागीदारी के लिए प्रेरित करता है। हम सभी अपने स्तर पर इस अभियान का हिस्सा बन सकते हैं-चाहे वह आर्थिक सहयोग के माध्यम से हो, स्वयंसेवा के द्वारा हो, या किसी जरूरतमंद बच्चे की पहचान कर उसकी सहायता करने के रूप में हो। आज डिजिटल युग में सोशल मीडिया भी एक सशक्त माध्यम बन गया है, जिसके द्वारा हम इस संदेश को व्यापक स्तर पर फैला सकते हैं। निश्चिततौर परविश्व इच्छा दिवस हमें यह सिखाता है कि जीवन का वास्तविक अर्थ केवल अपने लिए जीने में नहीं, बल्कि दूसरों के लिए जीने में है। जब हम किसी के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, तो हम स्वयं भी भीतर से प्रसन्न होते हैं। यही सच्चा आनंद है, यही सच्ची संतुष्टि है। आज जब दुनिया अनेक चुनौतियों से जूझ रही है, चाहे वह मानसिक तनाव हो, सामाजिक विघटन हो या मानवीय संवेदनाओं का ह्रास-ऐसे समय में यह दिवस आशा की एक किरण बनकर सामने आता है। यह हमें यह विश्वास दिलाता है कि यदि हम चाहें, तो अपने छोटे-छोटे प्रयासों से भी दुनिया को एक बेहतर स्थान बना सकते हैं। इसलिए इस विश्व इच्छा दिवस पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम केवल अपनी इच्छाओं तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि दूसरों की इच्छाओं को भी अपना मानेंगे। हम अपने भीतर करुणा, सहानुभूति और सहयोग की भावना को विकसित करेंगे और मानवता के इस सुंदर अभियान का हिस्सा बनेंगे।

ध्यान और दिव्य ऊर्जा का संबंध

ध्यान मानव जीवन को संतुलित और शांत बनाने का एक महत्वपूर्ण साधन है। सहजयोग के अनुसार, ध्यान केवल मानसिक अभ्यास नहीं, बल्कि आत्मा के जागरण की प्रक्रिया है। यह हमें हमारी आंतरिक दिव्य ऊर्जा से सीधे जोड़ता है। सहजयोग की स्थापना श्री माताजी निर्मला देवी जी द्वारा की गई, जिन्होंने बताया कि प्रत्येक मनुष्य के भीतर एक सूक्ष्म ऊर्जा विद्यमान होती है, जिसे कुंडलिनी शक्ति कहा जाता है। यह शक्ति हमारे शरीर में स्थित चक्रों के माध्यम से ऊपर उठती है और सहस्रार चक्र को स्पर्श करके हमें दिव्य ऊर्जा से जोड़ती है। जब व्यक्ति सहजयोग के माध्यम से ध्यान करता है, तो यह प्रक्रिया स्वाभाविक (सहज) रूप से घटित होती है। कुंडलिनी के जागरण के बाद व्यक्ति अपने भीतर शांति, आनंद और ठंडी कंपन (वाइब्रेशन) का अनुभव करता है। यही कंपन दिव्य ऊर्जा का प्रत्यक्ष अनुभव माने जाते हैं। सहजयोग यह सिखाता है कि दिव्य ऊर्जा कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे भीतर ही विद्यमान है। ध्यान के द्वारा जब हमारा मन विचारहीन अवस्था में पहुंचता है, तब हम इस ऊर्जा को स्पष्ट रूप से महसूस कर पाते हैं। यह अनुभव न केवल आध्यात्मिक उन्नति करता है, बल्कि हमारे दैनिक जीवन में भी संतुलन, नैतिकता और सकारात्मकता लाता है। अतः सहजयोग के दृष्टिकोण से ध्यान और दिव्य ऊर्जा का संबंध अत्यंत गहरा और प्रत्यक्ष है। ध्यान के माध्यम से मनुष्य अपनी आंतरिक कुंडलिनी शक्ति को जागृत कर दिव्य चेतना से एकाकार हो सकता है और अपने जीवन को अधिक शांत, संतुलित और आनंदमय बना सकता है।

कानून हैं, योजनाएं हैं, फिर भी सीवर में मौतें – आखिर जिम्मेदार कौन?

शहरों की चमक जब स्वच्छता के दावों से आत्ममुग्ध होकर दमकती है, उसी क्षण उसी चमक के भीतर छिपा अंधकार चुपचाप इंसानी जिंदगियों को निगलता चला जाता है। मार्च 2026 की शुरुआत में स्वच्छता के शिखर पर खड़े इंदौर में, चोइथराम मंडी गेट के पास एक सीवर चैंबर दो जिंदगियों का अंत बन गया–करण यादव और अजय डोडी जहरीली गैसों के कारण दम घुटने से काल के गाल में समा गए। बिना किसी सुरक्षा उपकरण के वे उस घातक गहराई में उतरे; एक के अचेत होते ही दूसरा उसे बचाने भीतर गया, पर दोनों ही वापस नहीं लौट सके। यह घटना महज एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसा नहीं, बल्कि उस विफल व्यवस्था की कठोर सच्चाई है, जो अपने सबसे कमजोर कर्मियों को सुरक्षित रखने में बार-बार असफल साबित हो रही है।

पीड़ा की यह आग अभी ठंडी भी नहीं पड़ी थी कि कुछ ही सप्ताह बाद 15 अप्रैल 2026 को हरियाणा के नूह जिले के फिरोजपुर झिरका में वही भयावह दृश्य फिर दोहराया गया। पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग विभाग के ठेकेदार ने तीन मजदूरों को बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सीवर में उतार दिया, जहां जहरीली गैसों ने दो जीवन–राजेंद्र कुमार और अब्दुल कलाम–को निगल लिया, जबकि तीसरा मजदूर गंभीर अवस्था में अस्पताल पहुंचा। इस तरह की लगातार होती घटनाएं यह साफ संकेत देती हैं कि यह कोई अपवाद नहीं, बल्कि एक खतरनाक और स्थापित होती जा रही व्यवस्था बन चुकी है। देश के अलग-अलग कोनों में फैलती यह मौतें बार-बार यह कठोर सवाल खड़ा करती हैं कि आखिर कब तक गरीब मजदूर अपनी जान की कीमत पर हमारी स्वच्छता की जिम्मेदारी ढोते रहेंगे।

संवैधानिक अधिकारों और मानव गरिमा की रक्षा के दावों के बीच भी इन घटनाओं की अनदेखी संभव नहीं रह सकी। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने इंदौर मामले पर 5 मार्च 2026 और नूह मामले पर 24 अप्रैल 2026 को स्वतः संज्ञान लेते हुए अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। आयोग ने सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइंस का हवाला देकर स्पष्ट किया कि बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर में उतरना मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। रिपोर्ट में सुरक्षा उपकरणों की कमी, ठेकेदारी व्यवस्था की खामियां और मुआवजे की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया गया। यह हस्तक्षेप दिखाता है कि यह समस्या केवल तकनीकी नहीं, बल्कि नैतिक और प्रशासनिक विफलता का परिणाम भी है। सांख्यिकीय सच्चाइयों की परतें जैसे-जैसे खुलती हैं, यह संकट और अधिक भयावह रूप लेता है। सफाई कर्मचारी आंदोलन के अनुसार 2014 से 2025 के बीच 859 सफाई कर्मियों की जान सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई में गई। 2017 से मार्च 2026 तक 622 मौतें दर्ज हुईं, जबकि 2026 के पहले चार महीनों में ही 50 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। सरकारी आंकड़े अक्सर कम बताते हैं, जबकि वास्तविकता कहीं अधिक कठोर है। हर साल औसतन 80 से 130 सफाई कर्मी हाइड्रोजन सल्फाइड और मीथेन जैसी जहरीली गैसों से दम घुटने के कारण जान गंवा रहे हैं। ये आंकड़े केवल संख्या नहीं, बल्कि उन परिवारों की टूटी हुई कहानियां हैं जिन्होंने अपने अपनों को हमेशा के लिए खो दिया है।

कानूनों और न्यायिक आदेशों की मौजूदगी के बावजूद जमीन पर बदलाव न दिखना इस व्यवस्था की सबसे बड़ी विडंबना है। 2013 का मैनुअल स्कैवेंजिंग निषेध और पुनर्वास अधिनियम इस अमानवीय प्रथा पर रोक लगाता है, जबकि सुप्रीम कोर्ट ने मैकेनाइज्ड सफाई अनिवार्य करते हुए मृतक परिवारों को 30 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। फिर भी इंदौर और नूह मामलों में मुआवजे की घोषणा के बावजूद सवाल बना रहता है कि क्या केवल आर्थिक सहायता पर्याप्त है? ठेकेदारों की लापरवाही, सुरक्षा उपकरणों की कमी और कमजोर निगरानी व्यवस्था इन कानूनों को कागजों तक सीमित कर देती है।

घोषित नीतियों और धरातल की सच्चाई के बीच की दूरी लगातार बढ़ती जा रही है। स्वच्छ भारत मिशन-2 और 'नामास्ते' जैसी योजनाओं में मैकेनाइज्ड सफाई तथा सफाई कर्मियों के कल्याण पर विशेष जोर दिया गया है, जिसके लिए हजारों करोड़ रुपये भी आवंटित किए गए हैं। इसके बावजूद इंदौर जैसे शहरों में आधुनिक मशीनें होते हुए भी उनका नियमित उपयोग नहीं किया जाता, जबकि नूह जैसे क्षेत्रों में ठेकेदार जिम्मेदारी से बच निकलते हैं। सस्ती मजदूरी के लालच में मानव जीवन को जोखिम में डाल दिया जाता है और इस पूरे तंत्र का सबसे भारी बोझ दलित समुदाय पर पड़ता है, जो आज भी सामाजिक भेदभाव और उपेक्षा झेल रहा है।

इस संकट के समाधान की मांग अब केवल आवश्यकता नहीं, बल्कि अनिवार्यता बन चुकी है। अब समय है कि केवल घोषणाओं से आगे बढ़कर ठोस और कठोर कदम उठाए जाएं। हर शहर में 100त्न मैकेनाइज्ड सफाई अनिवार्य हो, ताकि कोई मजदूर जान जोखिम में डालकर सीवर में न उतरे। ठेकेदारों पर सख्त कार्रवाई–भारी जुर्माना, ब्लैकलिस्टिंग और कानूनी दंड–तुरंत लागू किया जाए। प्रत्येक मृत्यु पर 30 लाख रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को नौकरी और बच्चों की शिक्षा की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। साथ ही सफाई कर्मियों के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमा और प्रशिक्षण अनिवार्य हों, ताकि उनकी सुरक्षा और सम्मान वास्तविक रूप से सुनिश्चित हो सके।

यह स्थिति हमारी सामाजिक चेतना और जिम्मेदारी पर सीधा प्रश्न उठाती है कि जब हर महीने सफाई कर्मी जान गंवा रहे हैं, तो स्वच्छता अभियान वास्तव में किसके लिए है। इंदौर जैसे स्वच्छता के प्रतीक शहर और नूह जैसे क्षेत्र भी इस त्रासदी से अछूते नहीं हैं, तो छोटे शहरों और गांवों की स्थिति सहज ही समझी जा सकती है। यदि इन अज्ञात नायकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं हो सकी, तो हमारी उपलब्धियां खोखली साबित होंगी। अब समय है कि नारों से आगे बढ़कर वास्तविक कदम उठाए जाएं, अन्यथा हर मौत हमें याद दिलाती रहेगी कि स्वच्छता की कीमत किसी और की जिंदगी है।

-प्रो. आरके जैन

अमेरिकी राष्ट्रपतियों पर जान जानलेवा हमले, अब्राहम लिंकन से लेकर डोनाल्ड ट्रंप तक सुरक्षा में चूक

अमेरिका के राष्ट्रपतियों पर जानलेवा हमलों का इतिहास लोकतांत्रिक व्यवस्था की जटिलताओं, राजनीतिक ध्रुवीकरण और सुरक्षा चुनौतियों का एक गंभीर अध्याय रहा है।जिसकी शुरुआत अब्राहम लिंकन की हत्या से मानी जाती है 14 अप्रैल 1865 को वॉशिंगटन डी.सी. के फोर्ड्स थिएटर में नाटक देखते समय अभिनेता जौन विल्किस बूथ ने उन्हें गोली मार दी, जो गृहयुद्ध के बाद के तनावपूर्ण माहौल और दक्षिणी असंतोष का परिणाम था। इसके बाद 1881 में जेम्स ए गारफील्ड को चार्ल्स जे गेतयु ने गोली दागी थी, जिससे उनकी मृत्यु हो गई और यह घटना राजनीतिक संरक्षण से उपजे गहरे असंतोष को दर्शाती है।1901 में विलियम मेकंली की हत्या लिओन ज़ोलगोस द्वारा की गई, जिसने अराजकतावादी विचारधारा से प्रेरित होकर यह हमला किया था। 20वीं सदी में सबसे चर्चित घटना 1963 में जॉन एफ केनेडी की हत्या है, जब ली हार्वे ओसवाल्ड ने टेक्सास के डलास में गोली चलाई, यह घटना एसेसिनेशन का जॉन एफ कैनेडी के रूप में इतिहास में दर्ज है और आज भी इसके षड्यंत्र सिद्धांतों पर बहस जारी है। हालांकि हर हमला सफल नहीं रहा, 1912 में पूर्व राष्ट्रपति थियोडोर रूजवेल्ट पर चुनाव अभियान के दौरान गोली चलाई गई लेकिन वे बच गए थे और घायल अवस्था में भाषण भी दिया, जो उनकी दृढ़ इच्छाशक्ति और साहस का प्रतीक बना था।

1933 में राष्ट्रपति बनने से रूजवेल्ट सेकंड पर गोसीपी जेंगरा ने गोली चलाई, हालांकि निशाना चूक गया और शिकागो के मेयर की मृत्यु हो गई। 1950 में हेनरी ट्रूमैन पर प्लेयर हाउस के बाहर हमलावरों ने गोलीबारी की, जो प्यूर्टो रिकन राष्ट्रवादी आंदोलन से जुड़े थे, लेकिन ट्रूमैन सुरक्षित बच गए ।

1975 मे गेराल्ड फोर्ड पर दो अलग-अलग महिलाओं ने हमले किए, जो उस समय के सामाजिक उथल-पुथल और अतिवादी मानसिकता को दर्शाते हैं। 1981 में रोनाल्ड रीगन पर गोली चलाई, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हुए लेकिन वे सुरक्षित बच गए थे, यह घटना मानसिक स्वास्थ्य और सुरक्षा तंत्र की समीक्षा का कारण बनी।आधुनिक समय में भी खतरे समाप्त नहीं हुए हैं, 21वीं सदी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर चुनावी रैलियों के दौरान हमले या प्रयासों की खबरें सामने आईं, और वर्तमान में वॉशिंगटन डीसी में एक समारोह के दौरान उन पर गोलियां चलाई गई वे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य सुरक्षित रहे। यह सारी घटनाएं बढ़ते राजनीतिक ध्रुवीकरण और हिंसात्मक प्रवृत्तियों का संकेत देती हैं। इन घटनाओं के बीच एक महत्वपूर्ण संस्था के रूप मे अमेरिका की खुफिया एजेंसी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, जिसकी स्थापना मूलतः वित्तीय अपराधों की जांच के लिए हुई थी लेकिन बाद में राष्ट्रपति सुरक्षा इसकी प्रमुख जिम्मेदारी बन गई। इन हमलों के पीछे विभिन्न कारण रहे हैं राजनीतिक असंतोष, वैचारिक चरमपंथ, मानसिक अस्थिरता, नस्लीय तनाव, और कभी-कभी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा या प्रसिद्धि पाने की चाह जो अमेरिकी समाज के भीतर मौजूद अंतर्विरोधों को उजागर करते हैं।

-संजीव ठाकुर

हाथ मिलाने वालों से होशियार रहो

जीवन एक नाटक की तरह है, जहां हर किरदार अपनी भूमिका निभाता है। लेकिन कुछ किरदार ऐसे होते हैं जो मंच पर तो तालियां बटोरते हैं, पर पर्दे के पीछे अपनी चाल चलते रहते हैं। हाथ मिलाने वाले ये वे लोग हैं जो बाहरी तौर पर दोस्ताना व्यवहार करते हैं, हाथ बढ़ाते हैं, मुस्कुराते हैं, लेकिन अंदर से विश्वासघात की योजना बनाते हैं। यह कहावत सदियों पुरानी है, जो मानव स्वभाव की उस कड़वी सच्चाई को उजागर करती है कि सतह पर मित्रता का ढोंग कर सकता है कोई भी, लेकिन असली इरादे समय के साथ ही खुलते हैं। आज के दौर में, जहां सोशल मीडिया पर हर कोई फ्रेंड है और नेटवर्किंग का जमाना है, यह चेतावनी और भी प्रासंगिक हो जाती है। हाथ मिलाना अब सिर्फ शारीरिक क्रिया नहीं, बल्कि एक प्रतीक है ङ्क विश्वास का, सौदे का, गठबंधन का।

लेकिन इतिहास गवाह है कि कई बार यही हाथ पीठ में छुरा छिपाए होते हैं। क्यों लोग धोखा देते हैं? कैसे पहचानें ऐसे लोगों को? ऐतिहासिक उदाहरण, मनोवैज्ञानिक कारण, सामाजिक प्रभाव और बचाव के उपाय ङ्क सब कुछ विस्तार से चर्चा करेंगे। उद्देश्य है कि आप न सिर्फ होशियार बनें, बल्कि जीवन में आने वाले विश्वासघात से बच सकें। मानव इतिहास में धोखे की अनगिनत कहानियां हैं। प्राचीन काल से ही राजा-महाराजा अपने सलाहकारों से सावधान रहते थे। चाणक्य नीति में लिखा है, मित्र का भेद मत खोलो, शत्रु का भेद जानो। लेकिन आजकल के हाथ मिलाने वाले सिर्फ राजनयिक नहीं, बल्कि आपके पड़ोसी, सहकर्मी, दोस्त या यहां तक कि परिवार के सदस्य हो सकते हैं। जो लोग बहुत जल्दी मित्र बन जाते हैं और बहुत जोर से हाथ मिलाते हैं, वे अक्सर 'मैकियावेलियन' व्यक्तित्व के होते हैं। उनका उद्देश्य आपको आश्वस्त करना होता है कि मैं आपका ही हूँ। लेकिन ध्यान रखिए, जो व्यक्ति अपनी पहली मुलाकात में ही आपके बहुत करीब आने की कोशिश करे, वह अक्सर आपकी सीमाओं का अतिक्रमण कर रहा होता है। साहित्य में इसे 'अति-आत्मीयता का भ्रम' कहा गया है। यह लेख आपको सचेत करता है, जो जितना गहरा मुस्कुरा रहा है, उसकी मुस्कान की परतों के नीचे उतनी ही गहरी खंदक हो सकती है। हाथ मिलाने वालों से होशियार रहो का मतलब एकांत में रहना नहीं है, बल्कि 'विवेकपूर्ण जुड़ाव' है। साहित्य हमें सिखाता है कि मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, लेकिन बुद्धिमत्ता यह है कि हम अपनी चौखट पर किसे आने दें। अपने हाथ को उतना ही सुरक्षित रखें जितना अपनी आत्मा को। याद रखिए, हाथ तो सब मिलाते हैं, लेकिन असली परीक्षा तब होती है जब वह हाथ आपके गिरने पर आपको उठाने के लिए आगे बढ़े, न कि आपको गिराने के लिए खींचे। जीवन के इस महाकाव्य में, 'भीष्म' की तरह तटस्थ रहिए और 'श्रीकृष्ण' की तरह दूरदर्शी। जो हाथ प्रेम से बढ़ा हो, उसे थामें; लेकिन जो हाथ केवल अवसर की तलाश में हो, उसे सम्मान के साथ दूर से ही नमस्कार करना सीखें। यही इस जीवन-संग्राम का असली और अंतिम सत्य है। उर्दू साहित्य के बड़े शायर मंज़र भोपाली साहब ने अपने शेर में कहा हैं - जाने कब ये उँगली काट के ले जाए, हाथ मिलाने वालों से होशियार रहो! कोई अपना या कोई दोस्त ही क्यों न हो असल बात व्यक्ति को जानने के बाद बतानी चाहिए, क्योंकि आज मनुष्य के वेश में जीवित मंथरा व विभीषण घूम रहे हैं।

-कुलश्रेष्ठ शर्मा

ऊर्जा संकट से जूझता विश्व

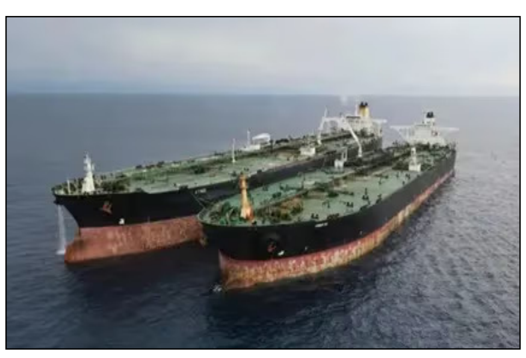

राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच दो सप्ताह से जारी युद्धविराम को जिस तरह यकायक अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाया, उससे वे अपने कदम पीछे खींचते हुए दिखे। उन्होंने युद्धविराम विस्तार की घोषणा ऐसे समय की, जब इस्लामाबाद में होने वाली दूसरे दौर की शांति वार्ता को लेकर संशय कायम था। गत दिवस संशय के ये बादल छंटे और दोनों देशों के प्रतिनिधियों के इस्लामाबाद रवाना होने की खबरों से दूसरे दौर की वार्ता की संभावना बढ़ी है।

ईरान ने पहले दौर की वार्ता विफल होने के बाद जिस प्रकार अमेरिका से बात करने से इन्कार किया था, उससे यही लग रहा था कि वह अपने बंदरगाहों की अमेरिकी नाकेबंदी खत्म किए बिना न तो होर्मुज समुद्री मार्ग खोलने के लिए तैयार होगा और न ही वार्ता के लिए। अब यदि वह वार्ता के लिए तैयार है तो शायद इसलिए कि अमेरिकी नाकेबंदी उसके लिए परेशानी का कारण बन रही है। जो भी हो, जब तक दूसरे दौर की वार्ता हो नहीं जाती और वह किसी नतीजे पर नहीं पहुंच जाती, तब तक पश्चिम एशिया संकट और साथ ही ऊर्जा संकट खत्म होने के आसार नहीं।

अमेरिका और ईरान के बीच पहले दौर की वार्ता इसलिए विफल हुई थी, क्योंकि ईरान न तो यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम से पीछे हटने को तैयार था और न ही होर्मुज पर अपना आधिपत्य छोड़ने के लिए। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि युद्धविराम विस्तार के बाद भी होर्मुज बंद है। अमेरिकी नाकेबंदी के पहले वहां से इक्का-दुक्का जो जहाज निकल पा रहे थे, अब वे भी नहीं निकल पा रहे हैं।

ईरान अमेरिकी नाकेबंदी खत्म करने की शर्त रखने के साथ ही इस पर अड़ा है कि वह होर्मुज से निकलने वाले जहाजों को अपनी निगरानी में निकलने देगा और उनसे फीस भी वसूलेगा। यह किसी को स्वीकार नहीं हो सकता- न तो अमेरिका को और न ही खाड़ी देशों को, क्योंकि होर्मुज स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग है। होर्मुज से विश्व के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस की ढुलाई होती है।

उसके बाधित होने से भारत समेत एशियाई देशों को ही ऊर्जा संकट का सामना नहीं करना पड़ रहा है। संकट का असर अमेरिका समेत पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। हालांकि अमेरिका के पास अपने तेल एवं गैस भंडार हैं, लेकिन होर्मुज से ऊर्जा आपूर्ति ठप हो जाने से तेल और गैस के दाम उसके यहां भी बढ़ रहे हैं। उसके मुकाबले विश्व के अन्य देशों को कहीं अधिक गंभीर ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ रहा है।

चूंकि ईरान यह समझ रहा है कि वह होर्मुज बाधित कर विश्व के देशों को अमेरिका पर इसके लिए दबाव डालने में सक्षम हो सकता है कि वह टकराव से पीछे हटे, इसलिए उसने भी कठोर रवैया अपना लिया है। यह रवैया दूसरे दौर की वार्ता को भी विफल कर सकता है। ईरान अमेरिकी हमलों के जवाब में खाड़ी देशों में उसके ठिकानों को निशाना बनाने में भी सक्षम है। अमेरिका की समस्या यह है कि वह ईरान के हमलों का पूरी तरह प्रतिकार करने में सक्षम नहीं दिख रहा। इससे अमेरिकी सैन्य अड्डों वाले खाड़ी के देशों में भी बेचैनी है।

यह स्पष्ट है कि होर्मुज खुलने में जितना विलंब होगा, ऊर्जा संकट उतना ही गहराएगा। इस संकट के चलते अमेरिका ईरान को नए सिरे से निशाना बनाने के लिए बाध्य तो हो सकता है, लेकिन ट्रंप के लिए उसके खिलाफ ऐसा करना आसान नहीं। शायद यही कारण है कि वे कभी ईरान को तबाह करने की धमकी देते हैं और कभी उससे समझौते की उम्मीद जताते हैं। वे बीते 10-12 दिनों में न जाने कितनी बार अपने बयान बदल चुके हैं। उनके बार-बार बदलते और विरोधाभासी बयानों से विश्व को यही संदेश जा रहा है कि वे पश्चिम एशिया में उपजे संकट का समाधान करने की स्थिति में नहीं।

इस सबके बीच ईरान ने दावा करना शुरू कर दिया है कि उसने होर्मुज से निकलने वाले जहाजों से वसूली शुरू कर दी है। पता नहीं सच क्या है, लेकिन होर्मुज बाधित रहने से ऊर्जा संकट गंभीर रूप लेता जा रहा है। यदि इस यथास्थिति में अमेरिका पीछे हटता है तो इससे उसकी फजीहत तो होगी ही, युद्ध में हुई क्षति की भरपाई के नाम पर ईरान होर्मुज से निकलने वाले जहाजों की वसूली करने में भी सक्षम हो सकता है। इससे भी तेल और गैस के दाम बढ़ जाएंगे।

होर्मुज पर ईरान के दबदबे से उसके और खाड़ी देशों के बीच भी टकराव बढ़ना तय है। ट्रंप ने अनिश्चितकाल के लिए युद्धविराम को चाहे जिन कारणों से बढ़ाया हो, लेकिन उसके पीछे उनकी मजबूरी ही दिखती है। एक बड़ी मजबूरी तो ईरान के खिलाफ युद्ध छेड़ने के लिए अमेरिकी संसद की अनुमति है। अमेरिकी कानून के तहत यदि राष्ट्रपति किसी देश के खिलाफ युद्ध छेड़ते हैं तो उन्हें 60 दिनों के अंदर संसद से अनुमति लेनी होती है। यह अवधि 1 मई को खत्म हो रही है। समस्या यह है कि उन्हें संसद की अनुमति मिलना कठिन है। खुद ट्रंप समर्थकों के साथ वहां का बड़ा राजनीतिक वर्ग युद्ध के पक्ष में नहीं।

माना जा रहा है कि इसी के चलते ट्रंप ने युद्धविराम बढ़ाने के लिए पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और वहां के सैन्य प्रमुख आसिम मुनीर के इस कथित आग्रह की आड़ ली कि युद्धविराम जारी रखा जाए। पाकिस्तान भी इसके लिए व्याकुल है कि किसी तरह अमेरिका और ईरान के बीच समझौता हो जाए। ऐसा न होने पर उसकी मुश्किलें बढ़ जाएंगी, क्योंकि युद्ध फिर से शुरू होने की स्थिति में उसे सऊदी अरब के साथ हुए समझौते के तहत उसके साथ और ईरान के खिलाफ खड़ा होना होगा। वह ऐसा नहीं चाहेगा, क्योंकि उसकी ईरान से दुश्मनी हो जाएगी।

अमेरिका-ईरान के बीच दूसरे दौर की वार्ता का जो भी परिणाम हो, होर्मुज का खुलना जरूरी है, क्योंकि खाड़ी के देशों के पास अपना तेल और गैस निर्यात करने का और कोई आसान रास्ता नहीं। होर्मुज के विकल्प के रूप में जिन जमीनी रास्तों की संभावनाएं टटोली जा रही हैं, उनका निर्माण होने में वर्षों लग सकते हैं। वैसे इन वैकल्पिक मार्गों पर काम शुरू कर दिया जाए तो बेहतर, क्योंकि इसका ठिकाना नहीं कि पश्चिम एशिया में फिर कब नया संकट खड़ा हो जाए। वैसे भी ईरान इस ताक में है कि उसका होर्मुज पर किसी न किसी तरह आधिपत्य हो जाए।

-धनंजय राजौरा

होर्मुज बना आर्थिक युद्ध का अखाड़ा

राजनीतिक परिवर्तन और ईरान का निरस्त्रीकरण करने के घोषित उद्देश्यों से शुरू किए अमेरिका के युद्ध को ईरान ने बड़ी चतुराई से आर्थिक जंग में बदल दिया है और होर्मुज जलमार्ग इस जंग का अखाड़ा बन गया है। ईरान को अपनी शर्तें मानने पर विवश करने के लिए उसकी सभ्यता मिटाने और पाषाण युग में पहुंचाने जैसी धमकियां देने वाले राष्ट्रपति ट्रंप को अपना अंदाज बदलना पड़ा है। उनके बड़बोलेपन और धमकियों से नाराज ईरान ने दूसरे दौर की शांति वार्ता के लिए अनिच्छा दिखाई। इसके बाद ट्रंप को पहले अपने युद्धविराम की सीमा अनिश्चित काल के लिए बढ़ानी पड़ी और फिर लेबनान और इजरायल के युद्धविराम को भी आगे बढ़ाना पड़ा।

ट्रंप का कहना है कि पाकिस्तानी फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने उनसे अनुरोध किया था कि जब तक ईरान के प्रतिनिधि आपसी झगड़ा निपटाकर कोई साझा प्रस्ताव लेकर नहीं आते तब तक हमले रोक लें। ट्रंप ने कहा भी कि ईरान को वार्ता के लिए नेता तय करने में बेहद कठिनाई हो रही है। जंग में बुरी तरह हार रहे कट्टरपंथी और व्यवहारवादी नेताओं के बीच आपसी लड़ाई छिड़ गई है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी पहले दौर की बातचीत के अनुभव के आधार पर इसकी पुष्टि की है।

ईरानी नेताओं के बीच आपसी झगड़े की बात को गत सप्ताह की इन अफवाहों से भी बल मिला कि समझौता वार्ताओं में ईरान का नेतृत्व कर रहे मोहम्मद गलीबाफ मुख्य प्रतिनिधि के पद से इस्तीफा दे दिया है। इसकी वजह वार्ताओं की दिशा को लेकर रेवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख जनरल अहमद वहीदी के साथ गहराते मतभेद बताई गई। बताया जा रहा है कि पहले दौर की बातचीत में कतर ने खाड़ी देशों के 20 जहाजों के बदले ईरान के 20 जहाजों को होर्मुज से रास्ता देने का प्रस्ताव रखा था।

गलीबाफ उसके पक्ष में थे, लेकिन रेवोल्यूशनरी गार्ड ने उसे रोक दिया। तब से उनके और ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद और मजलिस के कट्टरपंथी सदस्यों के बीच तीखी बयाबाजी चल रही है। उनके साथ-साथ विदेश मंत्री अब्बास अराघजी को भी होर्मुज को खोलने के बयान और वार्ताओं के समर्थन में दिए कुछ बयानों की वजह से आड़े हाथों लिया जा रहा है। मतभेदों की इन अफवाहों को रोकने के लिए राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान को एक बयान जारी करना पड़ा, जिसमें उन्होंने मतभेदों का खंडन करते हुए नेताओं के बीच फौलादी एकता की बात की।

ट्रंप ने हवाई हमलों से ईरान के परमाणु और मिसाइल तंत्र, वायुरक्षा प्रणाली और नौसेना को तो काफी हद तक नष्ट कर दिया, मगर रेवोल्यूशनरी गार्ड और बसीज के तंत्र को और सत्ता पर उसके शिकंजे को ढीला नहीं कर पाए। बमबारी से मची तबाही के कारण जो लोग मुल्लाशाही के विरोध में थे, वे भी अब उसका समर्थन करने लगे हैं। बिजली और पानी के संयंत्रों और पुलों को नष्ट करने से अमेरिका और इजरायल के प्रति रोष और भड़क सकता था और यदि बदले में ईरान खाड़ी के देशों के जल और तेल संयंत्रों पर हमले करता तो पूरे खाड़ी क्षेत्र में हाहाकार मच सकता था।

शायद यही सोचकर ट्रंप ने ईरान की आय का मुख्य स्रोत बंद करने के लिए होर्मुज की नाकेबंदी की है। यह चाल उन्होंने जनरल मुनीर की राय पर इस उम्मीद से चली है कि आर्थिक तंगी से या तो ईरान बातचीत के लिए विवश हो जाएगा या फिर आपसी फूट से वहां सत्तापलट हो जाएगा। हालांकि यह चाल तो ईरान को हवाई हमलों से बर्बाद किए बिना भी चली जा सकती थी। जेनेवा वार्ताओं में ईरान परमाणु संवर्धन बंद करने के लिए लगभग तैयार हो गया था। होर्मुज की नाकेबंदी करके उसे मिसाइल कार्यक्रम रोकने और आतंकी गुटों का समर्थन बंद करने के लिए भी तैयार किया जा सकता था।

आलोचकों का कहना है कि ट्रंप ने जैसी भूल अपने मित्र नेतन्याहू के कहे में आकर ईरान पर चढ़ाई करके की थी शायद वैसी ही भूल वे अपने चहेते जनरल मुनीर के बरगलाने में होर्मुज की नाकेबंदी से कर रहे हैं। इससे तो ईरान से कहीं अधिक नुकसान ट्रंप के मित्र खाड़ी के देशों, यूरोप, एशिया और स्वयं अमेरिका का होने वाला है। ट्रंप अक्सर यह कहते सुने जाते हैं कि ईरान के पास कोई पत्ता नहीं बचा है, मगर वे भूल जाते हैं कि ईरान का असली पत्ता वह आर्थिक चोट है, जिसे वह होर्मुज को बंद करके पहुंचा सकता है।

उसकी नाकेबंदी करके ट्रंप ने ईरान का पत्ता और मजबूत किया है। युद्ध में भले ईरान को 144 अरब डालर से अधिक का नुकसान हुआ है और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार उसकी आर्थिकी 6.1 से 10 प्रतिशत तक घट सकती है, लेकिन अमेरिका के मित्र खाड़ी देशों को 200 अरब डालर से भी अधिक का नुकसान हो चुका है। सबसे बुरी चोट कतर को लगी है, जिसकी आर्थिकी में 8.6 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है।

-सुनील कुमार महला

बढ़ते तापमान के दृष्टिगत लू से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वास्थ्य विभाग द्वारा बढ़ते हुए तापमान से स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है। सीएमएचओ डॉ सुधीर कुमार डेहरिया ने बताया कि इस संबंध में जिले की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के प्रभारी अधिकारियों को सतत निगरानी एवं उपचार के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य कर्मियों का उन्मुखीकरण भी किया जा रहा हैं। सभी स्वास्थ्य संस्थाओं के अधिकारियों को आने वाले मरीजो की लू के लक्षणों की जांच करने, उचित प्रबंधन करने, ठंडे पेयजल की व्यवस्था करने तथा वार्ड में शीतलता के लिए पंखों की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि तेज धूप एवं ज्यादा देर तक रहना लू लगने का प्रमुख कारण होता है। इससे शरीर में पानी की कमी हो जाती है जिससे इलेक्ट्रोराइड का असंतुलन हो जाता हैं। उन्होंने बताया की सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में एक हीट स्ट्रोक मैनेजमेंट यूनिट बनाई जा रही हैं एवं गर्मी से संबंधित बीमारी से बचाव के लिए आवश्यक दवाइयां संस्थाओं में उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में ओआरएस कार्नर बनाए जा रहे हैं। संवेदनशील समूहों जैसे गर्भवती महिला, बच्चों एवं वृद्धजनों के लिए भी अस्पतालों में पर्याप्त व्यवस्थाओं के निर्देश जारी किये गए है।

लू से बचाव के लिए क्या करें - सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि गर्मी के दौरान लू से बचाव के नियमित पानी पीते रहे। धूप में बाहर निकलते समय शरीर को सूती वस्त्रों से ढांक कर रखें और अखबारों एवं सोशल मीडिया पर आने वाले स्वास्थ्य संबंधी समाचारों का अवलोकन करें।

क्या न करें - सीएमएचओ डॉ सुधीर डेहरिया ने बताया कि गर्मी के दौरान लू से बचाव के लिए दोपहर 12 बजे से 03 बजे के बीच धूप में न निकलें, इस समय लू लगने की संभावना अधिक होती है। मदिरा, चाय, कॉफी इत्यादि का अत्याधिक सेवन न करें। कोई भी अधिक मेहनत का कार्य करते समय पर्याप्त पानी पीते रहें और डिहाइड्रेशन से बचें। बासे भोजन का सेवन न करें। भीड़भाड़ वाली जगाहों पर जाने बचें। इसके साथ ही लू के लक्षण दिखाई देने पर अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में संपर्क करें।

दूल्हे ने भी निभाया कर्तव्य, 'मन की बात' में लिया हिस्सा

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की सोनकच्छ विधानसभा के ग्राम चौबारा जागीर (मतदान केंद्र क्रमांक 306) में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम 'मन की बात' के 133वें संस्करण को उत्साहपूर्वक भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रायसिंह सेंधव के नेतृत्व में सुना गया। यह आयोजन धर्मेंद्र सिंह सेंधव के निवास पर उनके ससुराल में भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के राष्ट्र निर्माण एवं जन-कल्याण से जुड़े विचारों ने उपस्थित सभी लोगों में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार किया। इस अवसर पर एक विशेष दृश्य ने सभी का ध्यान आकर्षित किया, जब एक दूल्हा भी कार्यक्रम में शामिल होकर 'राष्ट्र प्रथम' की भावना का उदाहरण प्रस्तुत करता नजर आया। यह उपस्थित जनसमूह के लिए प्रेरणादायक क्षण रहा। कार्यक्रम में सोनकच्छ ग्रामीण मंडल अध्यक्ष हरेंद्र सिंह पिलवानी, बूथ अध्यक्ष लोकेंद्र सिंह सेंधव, पूर्व सरपंच जीवन सिंह, पवन सेंधव, धर्मेंद्र भाटी, जसपाल सिंह जितेंद्र सिंह तालोद, मंडल उपाध्यक्ष राहुल धाकड़, पदमसिंह सहित बूथ समिति के सदस्य एवं भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने प्रधानमंत्री के विचारों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र सेवा के संकल्प को और मजबूत बनाने का आह्वान किया।

ब्रोकली की खेती से चमकी अर्जुन की किस्मत

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आधुनिक तकनीक, सही मार्गदर्शन और दृढ़ संकल्प से खेती को लाभ का धंधा बनाया जा सकता है। ग्वालियर जिले के ग्राम सोजना के किसान अर्जुन कुशवाह ने यह साबित कर दिखाया है। पारंपरिक फसलों की जगह ब्रोकली (विदेशी गोभी) की खेती अपनाकर उन्होंने अपनी आय में उल्लेखनीय वृद्धि की है और वे दूसरे किसानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गए हैं। अर्जुन कुशवाह पहले गेहूँ, सरसों और उड़द जैसी पारंपरिक फसलें उगाते थे। बढ़ती लागत और सीमित लाभ के कारण आर्थिक चुनौतियाँ बनी रहती थीं। इसी दौरान उद्यानिकी विभाग के संपर्क में आने पर उन्हें ब्रोकली जैसी नकदी फसल उगाने की सलाह मिली। विभागीय मार्गदर्शन, सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का सहारा और अपनी मेहनत से उन्होंने नई खेती की शुरुआत की।

आधुनिक तकनीक अपनाई तो बढ़ गई आय- अर्जुन ने उद्यानिकी विभाग से मिली सलाह से अपनी एक एकड़ भूमि पर ड्रिप सिंचाई और प्लास्टिक मल्चिंग तकनीक अपनाई। इस तकनीक से पानी की बचत हुई, उर्वरकों का बेहतर उपयोग हुआ और फसल की गुणवत्ता में सुधार आया। इसका सीधा लाभ उत्पादन और आय में मिला। ब्रोकली की खेती से अर्जुन को लगभग 2 से 2.50 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। सभी खर्च निकालने के बाद उन्हें 1.50 से 1.75 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। यह पारंपरिक फसलों की तुलना में कहीं अधिक है।

दिव्यांगजनों के अधिकार और सुविधाओं की जानकारी देने 28 अप्रैल को जागरूकता शिविर

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अवाड़पुरा स्थित शासकीय हाईस्कूल में 28 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से दिव्यांग जागरूकता शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का आयोजन राज्य शासन के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा सेवा भारती मध्यभारत प्रांत के सहयोग से जेएएच परिसर में संचालित जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र द्वारा किया जा रहा है। शिविर का उद्देश्य दिव्यांगजनों एवं आमजन को दिव्यांगता के प्रकार, अधिकारों, सुविधाओं और पुनर्वास सेवाओं के प्रति जागरूक करना है। जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार आमतौर पर लोगों को 5 से 7 प्रकार की दिव्यांगताओं की ही जानकारी होती है, जबकि दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के तहत 21 प्रकार की दिव्यांगताएं मान्य हैं। इन सभी प्रकार की दिव्यांगताओं की जानकारी से समाज में दिव्यांगजनों के लिए अनुकूल, सुगम और समावेशी वातावरण तैयार किया जा सकता है। शिविर में सभी प्रकार की दिव्यांगताओं के बारे में बताया जायेगा। समय पर उचित परामर्श, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिलने से दिव्यांगजनों का प्रभावी पुनर्वास संभव है।

अवाड़पुरा में आयोजित होने जा रहे शिविर के माध्यम से आमजन को दिव्यांग केंद्र में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक पात्र दिव्यांगजन इन सेवाओं का लाभ ले सकें। जागरूकता शिविर के उदघाटन सत्र में रेडक्रॉस सोसायटी, ग्वालियर के सचिव श्री नवल किशोर शुक्ला विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। आयोजकों ने क्षेत्र के दिव्यांगजनों, उनके परिजनों एवं नागरिकों से शिविर में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में दिव्यांगजनों के लिये यह सुविधायें उपलब्ध - जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में प्रतिदिन मानसिक दिव्यांगजनों के लिए थेरेपी, परामर्श एवं विशेष शिक्षण की सुविधा उपलब्ध है। साथ ही अस्थिबाधित दिव्यांगजनों के लिए सहायक उपकरण और कृत्रिम अंगों के चयन एवं प्रदाय की व्यवस्था भी की जाती है। केंद्र में फिजियोथैरेपी सहित अन्य सेवाएं भी उपलब्ध हैं।

जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में प्रत्येक बुधवार को केंद्र में दिव्यांग मेडिकल बोर्ड आयोजित किया जाता है। बोर्ड में की गई जांचों के आधार पर दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए जाते हैं।

कलेक्टर द्वारा भीषण गर्मी के दृष्टिगत नीमच जिले के विद्यालयों में अवकाश घोषित

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भीषण गर्मी के कारण तापमान में हुई वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा द्वारा नीमच जिले में संचालित शासकीय, अशासकीय, सी.बी.एस.ई., आई.सी.एस.ई., माध्यमिक शिक्षा मंडल एवं समस्त बोर्ड से संबद्ध विद्यालयों की कक्षा नर्सरी से कक्षा 8वीं तक के छात्र-छात्राओं हेतु 27 से 30 अप्रैल 2026 तक जिले के समस्त विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री सुजान मल मांगरिया द्वारा जारी आदेशानुसार कक्षा 9वीं से 12वीं तक की कक्षाओं का संचालन प्रातः 7ः00 बजे से 12ः00 बजे के मध्य ही किया जाएगा। तदुपरांत, मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय, वल्लभ भवन, भोपाल के आदेशानुसार 01 मई 2026 से 15 जून 2026 तक विद्यार्थियों का ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किया गया है। उक्त व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू रहेगी।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 शांतिपूर्ण संपन्न, नीमच के दो केंद्रों पर प्रथम पाली में 644 व दूसरी पाली में 642 परीक्षार्थी हुए शामिल

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2026 रविवार को नीमच जिले के दो केंद्रों पर सफलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण संपन्न हुई। जिला नोडल अधिकारी श्री चंद्रसिंह धार्वे ने बताया, कि शासकीय पी.जी. कॉलेज, नीमच परीक्षा केंद्र पर कुल 450 परीक्षार्थियों में से प्रथम पाली में 327 तथा द्वितीय पाली में 326 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। इसी तरह शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.वि., नीमच परीक्षा केंद्र पर कुल 432 परीक्षार्थियों में से प्रथम पाली में 317 और द्वितीय पाली में 316 परीक्षार्थियों ने उपस्थित होकर परीक्षा दी। इस प्रकार नीमच जिले के दोनों केंद्रों पर कुल 882 परीक्षार्थियों में से 1286 परीक्षार्थी दोनों पालियों में परीक्षा में सम्मिलित हुए। आयोग के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा सुव्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संपन्न करने के लिए परीक्षा केंद्रों पर थ्री-लेयर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी। साथ ही प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक-एक उड़न दस्ता भी तैनात किया गया था। परीक्षा केंद्रों पर प्रशासनिक अधिकारियों ने सतत भ्रमण कर सुचारू परीक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। कुल पंजीकृत 882 थे, अतः उपस्थिति प्रतिशत 72.90त्न रहा है।

श्रम कानूनों के प्रभावी पालन के लिए श्रम स्टार रेटिंग सिस्टम लागू

ग्वालियर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कल्याण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से श्रम स्टार रेटिंग सिस्टम लागू किया गया है। यह स्व-मूल्यांकन आधारित, निष्पक्ष एवं स्वचालित प्रणाली है, जिसके माध्यम से पंजीकृत कारखानों, दुकानों एवं अन्य वाणिज्यिक संस्थानों को श्रम कानूनों के अनुपालन के आधार पर स्टार रेटिंग प्रदान की जाएगी। इस पहल से श्रम कानूनों के पालन को बढ़ावा मिलने के साथ पारदर्शिता, जवाबदेही और कार्य-संस्कृति में सुधार सुनिश्चित होगा। ग्वालियर जिले की औद्योगिक इकाईयों, संस्थानों व कारखानों से इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाकर श्रम कानूनों के पालन की व्यवस्था को सुदृढ़ करने में सहयोग देने की अपील की गई है। श्रम विभाग द्वारा श्रम सेवा पोर्टल के माध्यम से पंजीकृत संस्थानों के लिए यह महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। श्रम स्टार रेटिंग सिस्टम के अंतर्गत संस्थान स्वयं अपने यहां श्रम कानूनों के अनुपालन संबंधी जानकारी पोर्टल पर दर्ज करेंगे, जिसके आधार पर उनका मूल्यांकन कर स्टार रेटिंग प्रदान की जाएगी। यह प्रणाली अनुपालन प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा के दायरे का विस्तार होगा, श्रम मानकों के पालन को प्रोत्साहन मिलेगा तथा संस्थानों के बीच सकारात्मक प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा। श्रम विभाग ने सभी संबंधित कारखानों, दुकानों एवं अन्य वाणिज्यिक संस्थानों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में श्रम स्टार रेटिंग सिस्टम का लाभ उठाएं और अपने संस्थानों में श्रम कानूनों के अनुपालन को और अधिक सुदृढ़ बनाएं।

गेहूं उपार्जन सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कोई किसान ना छूटे - कलेक्टर

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए।

बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने जिले में गेहूं उपार्जन कार्य को सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी राजस्व एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि किसानों के स्लॉट बुकिंग के अनुसार समय पर और सुचारू रूप से खरीदी सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्थिति में कोई किसान उपार्जन से वंचित न रहे। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों पर सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश देते हुए कहा कि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। प्रतिकूल मौसम को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बारिश की स्थिति में गेहूं के सुरक्षित भंडारण के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाए. ताकि उपज को किसी प्रकार का नुकसान न हो। इसके साथ ही कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए कि उपार्जन केन्द्रों पर केवल पंजीकृत किसानों का ही गेहूं खरीदा जाए और इस बात की सतत निगरानी रखी जाए कि व्यापारियों का गेहूं किसी भी स्थिति में केन्द्रों तक न पहुंचे। उन्होंने सभी अधिकारियों को जिम्मेदारी पूर्वक कार्य करते हुए उपार्जन प्रक्रिया को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में संचालित कार्यों एवं गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश सभी संबंधित विभागों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और संवर्धन से जुड़े कार्य समय-सीमा में पूर्ण हों, इसके लिए विभागीय समन्वय और सतत मॉनिटरिंग आवश्यक है। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि अभियान के तहत जल स्त्रोतों के संरक्षण, तालाबों के गहरीकरण, साफ-सफाई, वर्षा जल संचयन संरचनाओं के निर्माण तथा जनजागरूकता गतिविधियों को प्राथमिकता के साथ संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए अभियान को प्रभावी बनाएँ। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अधिक से अधिक जन भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि जल संरक्षण एक जन आंदोलन का रूप ले सके। कलेक्टर ने अधिकारियों को नियमित फील्ड विजिट कर प्रगति की समीक्षा करने और कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, श्री रविंद्र परमार, श्री जमील खान, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि 10 वी एवं 12वीं बोर्ड की द्वितीय परीक्षा के विद्यार्थियों के लिये रेमेडियल क्लास प्रारंभ की जाए तथा छात्रों को पढ़ाई के संबंध में हर संभव मदद की जाए ताकि वे उत्तीर्ण हो सकें। इसके साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि कोई भी बच्चा ड्राप आउट न करे।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग सहित जिले के सभी अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे उद्योगों, व्यापारियों तथा आमजन के सहयोग से स्कूलों में आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के लिए ठोस प्रयास करें। उन्होंने कहा कि बेहतर शिक्षा व्यवस्था के लिए समाज की भागीदारी बेहद आवश्यक है। कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि जिले के शासकीय स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं, शिक्षण सामग्री, फर्नीचर और अन्य आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समन्वित प्रयास किए जाएं। इसके लिए स्थानीय उद्योगों और व्यापारिक संस्थानों से सहयोग प्राप्त करने पर विशेष जोर दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्य को अभियान के रूप में संचालित किया जाए और अधिक से अधिक लोगों को इसमें जोड़ा जाए, ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण मिल सके और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हो।

मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के निराकरण के लिये प्रीसिटिंग बैठक आयोजित

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधान जिला न्यायाधीश श्री संजीव कुमार अग्रवाल द्वारा आगामी 09 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सम्बंध में मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणों के निराकरण के संबंध में चर्चा के लिए बीमा कंपनी एवं आवेदक अधिवक्तागण की प्रीसिटिंग बैठक आयोजित की गई। बैठक में 20 से अधिक मोटर दुर्घटना दावा प्रकरणो पर चर्चा की गई एवं कई प्रकरणो में आगामी नेशनल लोक अदालत हेतु सहमति भी बनी। बैठक में विशेष न्यायाधीश श्री हेमंत जोशी, जिला न्यायाधीश श्री एमके वर्मा, जिला न्यायाधीश श्री प्रशांत कुमार, जिला न्यायाधीश श्री महेश कुमार चौहान, जिला न्यायाधीश श्रीमती उषा तिवारी एवं श्री आसिफ अहमद अब्बासी, जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जीशान खान, बीमा कंपनी एवं क्लेम आवेदक अधिवक्तागण ऑनलाईन एवं ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहें।

लाड़ली लक्ष्मी योजना में नीमच जिले ने हासिल किया 101% लक्ष्य

वित्तीय वर्ष 2025-26 में 2948 नवीन बालिकाएं चिन्हित, 4048 को मिली छात्रवृत्ति

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के क्रियान्वयन में नीमच जिले ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 101 प्रतिशत की उपलब्धि अर्जित की है।

जिले को मिले 2913 नवीन पंजीयन के लक्ष्य के विरुद्ध 2948 बालिकाओं को चिन्हांकित कर लाभान्वित किया गया हैं।

योजना के 19 वर्ष पूर्ण बालिकाओं को मिल रहे 1,43,000/- रूपये।

कक्षा 6वीं से उच्च शिक्षा तक छात्रवृत्ति का प्रावधान।

21 वर्ष पूर्ण करने पर एकमुश्त एक लाख का लाभ।

जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री अंकिता पण्ड्या ने उक्त जानकारी देते हुए बताया, कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में नवीन पंजीयन लक्ष्य 2913 के विरूद्ध नवीन पंजीयन 2948 किए गए, जो कि लक्ष्य का 101 प्रतिशत है। जिले में कुल 4048 बालिकाओं को छात्रवृत्ति का भुगतान किया गया हैं।

योजना अंतर्गत छात्रवृत्ति का प्रावधान- कक्षा 6वीं में प्रवेशा पर 2 हजार रूपये, कक्षा 9वीं में प्रवेश पर 4 हजार रूपये, कक्षा 11वीं में प्रवेश पर 6 हजार रूपये, कक्षा 12वीं में प्रवेश पर 6 हजार रूपये, उच्च शिक्षा प्रवेश पर 12 हजार 500 रूपये, कोर्स पूर्ण करने पर 12 हजार 500 रूपये, 21 वर्ष की आयु पर एकमुश्त एक लाख रूपये मिलेंगे।

नीमच जिले में वर्ष 2025-26 नीमच ग्रामीण में 734, मनासा में 711, जावद में 555, रतनगढ़ में 333, रामपुरा में 314, नीमच शहरी में 301, बालिकाएं इस तरह कुल 2948 बालिकाएं चिंहित की गई है।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं, कि योजना का लाभ सभी पात्र बालिकाओं तक समय पर पहुंचे। योजना 01 अप्रैल 2007 से प्रारंभ हुई थी जिसे 19 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। पिछले वित्तीय वर्ष में पूर्व के वर्षों में चिन्हित 4048 बालिकाओं को लाड़ली छात्रवृत्ति का भुगतान भी किया गया है।

सुवाखेड़ा में भूमि पर पुनः अवैध कब्जा करने वाले अनावेदक को 15 दिन का सिविल कारावास, उपजेल जावद भेजा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। तहसील जावद अंतर्गत ग्राम सुवाखेड़ा में न्यायालयीन आदेश के बाद सौंपी गई भूमि पर पुनः अवैध कब्जा करने के मामले में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) उपखण्ड जावद द्वारा कड़ी कार्रवाई की गई है। अनावेदक को 15 दिवस के सिविल कारावास से दंडित कर उपजेल जावद भेजा गया है।

एसडीएम जावद द्वारा जारी आदेशानुसार - आवेदिका नोसरबाई पति जालू भील, निवासी सुवाखेड़ा द्वारा म.प्र. भू-राजस्व संहिता के तहत आवेदन प्रस्तुत कर ग्राम सुवाखेड़ा स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 705/1/2 रकबा 0.345 हे., सर्वे क्रमांक 711 रकबा 0.387 हे., कुल रकबा 0.732 हे. एवं सर्वे नं. 705/1/2 रकबा 0.627 हे. पर अनावेदक मोहनलाल डांगी निवासी सुवाखेड़ा द्वारा किए गए अवैध कब्जे से मुक्त कराने का निवेदन किया गया था।

न्यायालयीन कार्यवाही

प्रथम आदेश- तहसीलदार तहसील जावद के न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 0005/अ-70/2025-26 में आदेश दिनांक 05. अगस्त2025 से अनावेदक को अवैध आधिपत्य हटाकर भूमि आवेदिका को सौंपने के निर्देश दिए गए थे।

कब्जा प्राप्ति- दिनांक 06. फरवरी.2026 के प्रतिवेदन अनुसार उक्त भूमि का कब्जा अनावेदक से मुक्त कराकर आवेदिका को सौंप दिया गया था।

आदेश की अवहेलना- इसके पश्चात अनावेदक मोहनलाल डांगी द्वारा प्रश्नाधीन भूमि पर पुनः कब्जा कर लिया गया।

दंडात्मक कार्रवाई- म.प्र. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 248(2-क) के प्रावधानों के तहत अनावेदक के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 15 दिवस सिविल जेल भेजा गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) उपखण्ड जावद के प्रकरण क्रमांक 0008/अ-68/2025-26 में एसडीम जावद श्रीमती प्रीति संघवी नाहर द्वारा आदेश 22. अप्रैल2026को पारित कर अनावेदक मोहनलाल पिता माधुलाल डांगी, निवासी सुवाखेड़ा को 23 अप्रैल से 07.मई 2026 तक 15 दिवस के लिए सिविल कारागार में निरुद्ध किए जाने हेतु सिविल जेल वारंट जारी किया गया। अनावेदक को उपजेल जावद में अभिरक्षा हेतु भेज दिया गया है।

जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि न्यायालयीन आदेशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा भू-राजस्व संहिता के प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कार्यालय उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

विज्ञप्ति क्रमांक :-61/26 | दिनांक :-24.04.2026

भू-स्वामी अधिकार संबंधी जाहिर सूचना

उज्जैन विकास प्राधिकरण की निम्नलिखित योजनाओं में लीज पर आवंटित संपत्तियों को भू स्वामी अधिकार पर करने के संबंध में आवेदन प्राप्त हुऐ हैं।

अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदकों द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर प्राधिकारी अभिलेखों में निम्न संपत्तियों को भू-स्वामी अधिकार पर किए जाने से किसी को कोई आपत्ति हो तो इस विज्ञप्ति प्रकाशन होने की दिनांक से 15 दिवस के अवधि में अपनी आपत्ति मय दस्तावेजों के प्राधिकरण कार्यालय की एकल खिड़की पर प्रस्तुत करे। अन्यथा मियाद समाप्ति के पश्चात भू-स्वामी अधिकार से संबंधित औपचारिकताऐं पूर्ण होने पर अर्थात समस्त दस्तावेज तथा बकाया राशियां जमा होने पर लीज पर आवंटित संपत्ति को आवेदक के नाम से भू-स्वामी अधिकार पर कर दिया जावेगा। जिसके बाद किसी की कोई आपत्ति/उज्र मान्य नही होगी।

	त्रिवेणी विहार योजना	
1.	(1) श्रीमती पूनम चौहान पति श्री अभिजीत सिह चौहान (2)श्री अभिजीत सिंह चौहान पिता श्री महेन्द्र सिंह चौहान	बी-23/9 ई.डब्ल्यू.एस
2.	श्री बलदेव सिह भदौरिया पिता श्री स्वदेशसिंह भदौरिया	ए-28/14 एम-2
	वसंत विहार	
3.	(1) श्री प्रकाश सोलंकी पिता श्री देवीलाल सोलंकी (2) श्रीमती हीराबाई सोलंकी पति श्री प्रकाश सोलंकी	बी-7/6 एम.आई.जी
4.	श्रीमती माधवी अग्रवाल पति श्री आदित्य जैन	बी 26/12 एम.आई.जी
	नानाखेड़ा योजना क्रमांक -2	
5.	श्री प्रशात सेदीवाल पिता श्री ज्ञानचद सेदीवाल	398 एम.आई.जी
	बाबू जगजीवन राम नगर महानंदा नगर	
6.	श्री मनोज मंडेरिया पिता श्री नंद किशोर मंडेरिया	सी-21/9 एलआईजी
	क्षिप्रा विहार योजना	
7.	श्री शाहिद बेग पिता श्री सलीम बेग	डी- 4/6 एम आई जी
	महानंदा नगर सेक्टर सी	
8.	(1) श्री दिलीप कुमार मेंढे पिता श्री शरद चन्द्र मेंढे (2) श्रीमती साक्षी मेंढे पति श्री दिलीप कुमार मेंढे	सी 12/27 एमआई जी
	ऋषिनगर योजना	
9.	श्रीमती कांता बाई शर्मा पति श्री आनंदीलाल शर्मा	सी 11/7 एलआई जी
10.	(1) श्री किरण हरणे पिता गगाधर हरणे (2) श्रीमती प्रेरणा हरणे पति श्री किरण हरणे	ए-10/14 एलआईजी
11.	डॉ. गिरीशकुमार जोशी पिता श्री लक्ष्मीनारायण जोशी	सी-1/20 एल.आई.जी.
	ऋषिनगर अनुपूरक	
12.	(1) श्रीमती अल्का जैन पति श्री हुकुमचंद जैन (2) श्री हुकुमचंद जैन पिता श्री मांगीलाल जैन	सी-39/13 एल.आई.जी
13.	श्री महेशचन्द्र सक्सेना पिता श्री धन्नालाल सक्सेना	सी-35/5 श्रेणी जूनियर एम.आई.जी.
14.	श्री मिलिंद्र गोखले, श्रीमती नम्रता गोखले	56 जूनियर एम.आई.जी.
	महानंदा नगर योजना	
15.	श्री प्रेमनारायण शिवहरे पिता स्व. रघुनन्दन शिवहरे	बी-7/19 श्रेणी एलआई.जी.
16.	श्रीमती उर्मिला चावडा पिता श्री राहुल चावडा	ए-18/16 एलआईजी-।।
	प्रगति नगर योजना	
17.	श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा पिता श्री भेरूलाल शर्मा	6/10 श्रेणी टाईप 1

सम्पदा अधिकारी
उज्जैन विकास प्राधिकरण उज्जैन

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर प्रहार, पत्रकार अमरदीप सोलंकी पर जानलेवा हमला, पत्रकारों में भारी आक्रोश

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर के व्यस्ततम पाटीदार चौराहे पर सरेराह एक पत्रकार पर हुए जानलेवा हमले ने कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। %दैनिक दोपहर% के पत्रकार अमरदीप सोलंकी पर हुए इस हमले के विरोध में आर्यावर्त पत्रकार संघ ने कड़ा रुख अपनाया है। सोमवार को संघ के पदाधिकारियों ने बदनावर में एसपी मयंक अवस्थी के नाम एसडीओपी अरविंद सिंह तोमर को ज्ञापन सौंपकर अपराधियों पर रासुका जैसी कठोर कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन के अनुसार, घटना 25 अप्रैल की शाम करीब 5÷30 बजे की है। पत्रकार सोलंकी जब अपने कार्य से जा रहे थे, तब लोकेश वाघेला (उर्फ दबंग), विजय वर्मा और उनके अन्य साथियों ने सोलंकी का रास्ता रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते आरोपियों ने बेसबॉल के डंडों और लात-घूंसों से उन पर हमला कर दिया। इस सुनियोजित हमले में सोलंकी के घुटने और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। हमलावर जाते-जाते उन्हें जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

पत्रकार संघ ने पुलिस द्वारा दर्ज की गई शुरुआती एफआईआर पर असंतोष व्यक्त किया है। संघ का आरोप है कि इतनी गंभीर मारपीट के बावजूद पुलिस ने केवल सामान्य धाराएं लगाई हैं, जो अपराधियों को संरक्षण देने जैसा है। ज्ञापन में मांग की गई है कि प्रकरण में जानलेवा हमला (307), आपराधिक षड्यंत्र और अन्य गंभीर धाराएं बढ़ाई जाएं। संघ को आशंका है कि इस हमले के पीछे भू-माफिया और बड़े अपराधियों का गठजोड़ हो सकता है, जिनकी पोल खोलने पर पत्रकारों को निशाना बनाया जा रहा है।

आर्यावर्त पत्रकार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री ने कहा की ÷यह हमला केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि स्वतंत्र पत्रकारिता की आवाज दबाने का प्रयास है। यदि प्रशासन ने आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार कर कठोर कार्रवाई नहीं की, तो हम चुप नहीं बैठेंगे।÷ प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र ही आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई और उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जांच कर कड़ी वैधानिक कार्रवाई नहीं की गई, तो संपूर्ण जिले के पत्रकार सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

ज्ञापन सौंपते समय वरिष्ठ पत्रकार दिलीप सिंह जी चौहान, राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र अग्निहोत्री, राष्ट्रीय महासचिव राकेश सिंह चौहान, प्रेस क्लब अध्यक्ष मनीष शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार धर्मेंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष विनय पाटीदार, पोप सिंह राठौर, प्रवीण चावला, डॉ गोपाल सिंह ठाकुर, विक्की राजपुरोहित, मोहित राठौड़, निलेश शर्मा, मोहित पांचाल, अनिल राठौड़ सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी मौजूद रहे।

मुख्य मांगें एक नज़र में- आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और कड़ी धाराओं में मामला दर्ज करना।

हमले के पीछे छिपे मास्टरमाइंड और भू-माफियाओं की जांच।

शुक्ल पक्ष की एकादशी मोहिनी एकादशी को स्वर्णगिरिराज की भव्य परिक्रमा सोमवार को निकली

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शुक्ल पक्ष की एकादशी मोहिनी एकादशी को स्वर्णगिरिराज की भव्य परिक्रमा सोमवार को निकली, जिसमें यजुर्वेदाचार्य पंडित संतोष कैलाश गुरु, ग्रांड विक्ट्रीस अवार्ड मुम्बई विजेता, गौ आशीर्वाद नर्मदा आश्रम, अवंतिका नगरी उज्जैन का सानिध्य भक्तजनों को प्राप्त हुआ। प्रातः8 बजे स्वर्णगिरिराज का पूजन अभिषेक एवं विशेष श्रृंगार कर ध्वजारोहण एवं महाआरती हुई, पश्चात संतश्री के आशीर्वचन हुए। हाथों में ध्वज लेकर शंख ध्वनि के साथ 10÷30 बजे स्वर्णगिरी धाम ग्राम चिरमिया से 11 किलोमीटर की परिक्रमा प्रारंभ हुई, जो वीर हनुमान मंदिर आक्याधागा , विद्या टेकरी पुराना बांध, श्रीराम बालाजी धाम मऊ,श्रीकृष्ण सुदामा धाम नारायणा होते हुए पुनः स्वर्णगिरी धाम पहुंची।मार्ग में जगह-जगह ग्रामीणजनों द्वारा अल्पाहार और जलपान की व्यवस्था की गई। जिसमें घोंसला और सुरसा (उज्जैन) के भक्तजनों द्वारा मार्ग में अल्पाहार एवं शीतल पेय की व्यवस्था विशेष रही। इस अवसर पर दसवीं बोर्ड की परीक्षा में 98.6 अंक प्राप्त कर प्रदेश में सातवां स्थान प्राप्त करने वाली ग्राम मऊ की बिटिया कल्पना डाबिया का समिति द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया गया। अभिषेक,ध्वजारोहण एवं भंडारे के लाभार्थी ग्राम रनाहेड़ा के भक्तजन रहे। फोटो कल्पना डाबिया के सम्मान समारोह का।

देवधाम इमलीखेड़ा में पंचकुंडी महायज्ञः मंत्री इंदर सिंह परमार ने दी लाखों की सौगात, प्लास्टिक मुक्त गांव का लिया संकल्प

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया देवधाम इमलीखेड़ा में आयोजित पंचकुंडी महायज्ञ के दौरान क्षेत्र में उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने गांव के कई विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं, जिससे ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई।

मंत्री परमार ने गांव को प्लास्टिक मुक्त बनाने की पहल का समर्थन करते हुए 500 थालियों का सेट उपलब्ध कराने की घोषणा की। इस सेट में कटोरी, चम्मच सहित पांच प्रकार के बर्तन शामिल होंगे, जिससे ग्रामीण सामूहिक आयोजनों में प्लास्टिक का उपयोग बंद कर सकेंगे। उन्होंने ग्रामीणों से कहा कि वे एक उपयुक्त स्थान चिन्हित करें, जहां टिन सेट देने की बात भी कहीं जिसमें धार्मिक आयोजन का काम सही प्रकार से हो जाए जहां इन बर्तनों को सुरक्षित रखा जा सके।

इसके साथ ही मंत्री ने देवनारायण मंदिर में डेकोरेशन और साउंड सिस्टम उपलब्ध कराने की भी बात कही। वे स्वयं महायज्ञ में शामिल हुए, जहां उन्होंने महाआरती और महाप्रसादी में भाग लिया।

गांव के धर्मप्रेमी नागरिकों ने भी मंत्री को आश्वस्त किया कि वे अपने गांव को पूरी तरह प्लास्टिक मुक्त बनाएंगे। इस संकल्प से प्रभावित होकर मंत्री परमार ने गांव के समग्र विकास में हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

कार्यक्रम में जिला जनपद अध्यक्ष हेमराज सिंह सिसोदिया भी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ÷यह हमारा अपना गांव और परिवार है। हम सभी मिलकर भगवान देवनारायण के कार्यों में तन, मन और धन से सहयोग करेंगे, जिससे सभी का कल्याण होगा।÷

उन्होंने आगे कहा कि देवधाम इमलीखेड़ा के विकास के साथ-साथ जिले और पूरे मध्यप्रदेश का भी कल्याण होगा।

कार्यक्रम के यज्ञ आचार्य अनिल शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा , दीपक शर्मा, निखिल शर्मा ,देवनारायण कथा वाचक राजेश भगत बाबूलाल पंडा , राजेंद्र सिसोदिया , नरेंद्र दादू,आदि अतिथि उपस्थित रहे अंत में देवधाम देव कृपा समिति ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक कदम भी साबित हुआ।

बदनावर के खेल प्रेमियों के लिए बड़ी सौगात

समर कैंप 2026 के साथ बदनावर क्रिकेट अकादमी का भव्य आगाज

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीक और पेशेवर माहौल प्रदान करने के उद्देश्य से इस वर्ष बदनावर क्रिकेट अकादमी एक अनूठी पहल करने जा रही है। शहर के नंद्राम चोपड़ा हायर सेकेंडरी स्कूल के विशाल खेल प्रांगण में समर कैंप 2026 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह कैंप न केवल मनोरंजन का केंद्र होगा, बल्कि यहाँ से बदनावर के भावी सितारों की खोज भी शुरू होगी।

इस 30 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि बच्चों का सर्वांगीण विकास हो सके। खिलाड़ियों को अनुभवी और प्रोफेशनल कोचों द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा, जो खेल की बारीकियों जैसे बैटिंग तकनीक, बॉलिंग एक्शन और बैडमिंटन में फुटवर्क पर व्यक्तिगत ध्यान देंगे।

आज के दौर में खेल का मतलब सिर्फ कौशल नहीं बल्कि फिटनेस भी है। इसीलिए कैंप में स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग, चपलता और खेल मनोविज्ञान पर भी सत्र आयोजित किए जाएंगे। यहाँ केवल नेट प्रैक्टिस ही नहीं, बल्कि खिलाड़ियों को मैच की स्थितियों में खेलने का मौका मिलेगा, जिससे उनके भीतर का डर निकले और निर्णय लेने की क्षमता बढ़े।

इस समर कैंप के साथ ही बदनावर क्रिकेट अकादमी का विधिवत शुभारंभ किया जा रहा है। आयोजकों का मानना है कि बदनावर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कमी नहीं है, लेकिन सही मार्गदर्शन के अभाव में खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ पाते। अब बदनावर के बच्चों को क्रिकेट और बैडमिंटन की बारीकियां सीखने के लिए इंदौर या बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। हमारी अकादमी उन्हें यहीं पर वह सारी सुविधाएं प्रदान करेगी।

कैंप को समावेशी बनाने के लिए शुल्क संरचना को बेहद किफायती रखा गया है - क्रिकेट ट्रेनिंगः मात्र 1,000 - 30 दिन, बैडमिंटन ट्रेनिंगः मात्र 1,500 - 30 दिन। जो प्रतिभागी पहले रजिस्ट्रेशन कराएंगे, उन्हें अकादमी की ओर से विशेष रियायत और किट संबंधी परामर्श दिया जाएगा। कैंप स्थाननंदराम चोपड़ा हायर सेकेंडरी स्कूल, बदनावर है।

आज के डिजिटल युग में जहाँ बच्चे मोबाइल और स्क्रीन में व्यस्त हैं, यह समर कैंप उन्हें शारीरिक रूप से सक्रिय रखने और उनमें अनुशासन, टीम वर्क और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सुनहरा अवसर है।

रेस्ट हाउस पर प्रेसवार्ता में नप अध्यक्ष ने पेश किया एक महीने का रिपोर्ट कार्ड

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार की शाम को 6 बजे इन्दोर कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित रेस्ट हाउस पर नप अध्यक्ष प्रदीप सोनी ने 1 महीने का कार्यकाल पूरा करने पर प्रेसवार्ता आयोजित कर मीडिया को उनके द्वारा किये गए कार्यो से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि बाजार की मुख्य सड़क को डिवाइडर वाली बनाया जाएगा। अवैध कॉलोनीयो के रहवासियों को मुलुभूत सुविधओं का लाभ मिले इसके लिए उन्हें वेध किया जाएगा। इस दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ सौरभ जैन, पार्षद प्रतिनिधि पवन शर्मा व युगल किशोर परमार व मण्डल महामंत्री लखन सेन भी उपस्थित रहे।

गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करवाने के लिए जुटें एक हजार से ज्यादा लोग, गोपुजन आरती हनुमान चालीसा पाठ के पश्चात ज्ञापन सौंपा गया

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गौ रक्षा और संरक्षण की मांग को लेकर सोमवार को देशभर में गौ सम्मान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बदनावर सहित देशभर की पांच हजार तहसीलों में एक साथ ज्ञापन सौंपे गए। यहां गौ रक्षा समिति और सनातन धर्म से जुड़े संगठनों व साधु-संतों ने एसडीएम प्रियंका मिमरोट व तहसीलदार सुरेश नागर को ज्ञापन दिया गया।

सुबह यहां लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल बस स्टैंड पर गौसेवक एकत्रित हुए व संगीतमयी हनुमान चालीसा पाठ किया गया। इस मौके पर गौ पूजाकर आरती की गई। ततपश्चात एसड़ीएम को ज्ञापन दिया गया।

इस दौरान गौमाता को राष्ट्रीय माता घोषित करने, गौ हत्या पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने और गौ संरक्षण को बढ़ावा देने की मांग प्रमुखता से उठाई गई।वक्ताओं ने वर्तमान समय में गौवंश पर मंडरा रहे संकट का उल्लेख करते हुए प्रत्येक सनातनी से गौ रक्षा के लिए आगे आने का आह्वान किया। उन्होंने समाज से एकजुट होकर गौ संरक्षण के लिए कार्य करने की अपील की। साथ ही हस्ताक्षर अभियान के तहत लगभग 51 हजार हस्ताक्षरों की प्रति सौंपी गई।

अभियान के अंतर्गत गौ रक्षक राष्ट्पति, प्रधानमंत्री को देंगे प्रार्थना पत्र - यह अभियान चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जा रहा है।सोमवार को तहसील स्तर पर ज्ञापन देने के बाद, दूसरे चरण में जुलाई माह में जिला कलेक्टर और 27 अक्टूबर को राज्य सचिव के माध्यम से राष्ट्पति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री को प्रार्थना पत्र सौंपने की योजना है।इस अभियान का उद्देश्य गौ माता को पूर्ण सम्मान दिलाना और उन्हें राष्ट्र माता का दर्जा दिलवाना है।कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र जाट ने किया।आभार आशुतोष राजपुरोहित ने माना।

बदनावर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गो सेवक गोपालक, गो भक्त बड़ी संख्या में शामिल हुए।

वही बदनावर विधानसभा क्षेत्र के लगभग 30 गांव से गौशालाओं की टोली भी अभियान में शामिल हुईं। ज्ञापन देने के पश्चात भी समितीयों के सदस्य आतें रहें एवं मंच पर फोटो सेशन भी करवाया और अभियान के फोटो सोशल मीडिया पर भी शैयर किएं।

ऑटिज्म कोई कमी नहीं बस दुनिया को देखने का एक अलग तरीका है

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में ऑटिज़्म जागरूकता अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य श्री कुंदन राठौर के मार्गदर्शन में किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों को ऑटिज़्म के प्रति संवेदनशील बनाना एवं समाज में इसके प्रति सही समझ विकसित करना था। इस नाटक में कुल पाँच विद्यार्थियों अनाय्जा शेख ,सुफियान खान, आयत, मीमांशा भंवर , नायरा जाट ने भाग लिया।

सुसनेर बंद रहा, व्यापारियों के समर्थन से सफल हुआ गो सम्मान अभियान

गो संरक्षण की मांग को लेकर निकली भव्य यात्रा, गर्मी भी नहीं रोक सकी उत्साह

सुसनेर/गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को नगर में गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत श्रद्धा, आस्था और जनएकता का भव्य दृश्य देखने को मिला। भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में नगरवासी एवं ग्रामीणजन इस अभियान में शामिल हुए और गो संरक्षण की मांग को लेकर एकजुट नजर आए। श्री खेडापति हनुमान मठ मंदिर से प्रारंभ हुई यह विशाल पत्र यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होती हुई डाक बंगला स्थित विश्राम गृह पहुँची, जहां तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा गया। अभियान के तहत मंदिर परिसर में बालाजी का आकर्षक एवं भव्य श्रृंगार किया गया। जिसने श्रद्धालुओं को विशेष रूप से आकर्षित किया।

कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं ने गो माता के महत्व को समझते हुए हस्ताक्षर अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया। एकत्रित हस्ताक्षरों के साथ प्रार्थना पत्र तैयार कर वर्षा राठौर द्वारा उसका वाचन किया गया। इसके पश्चात विशेष पूजा-अर्चना कर यात्रा की शुरुआत की गई।

रैली में गो माता की सजी-धजी पालकी एवं विभिन्न धार्मिक झांकियां मुख्य आकर्षण रहीं। रैली इतवारिया बाजार, सराफा बाजार, शुक्रवारिया बाजार, हाथी दरवाजा, पालिका बाजार, पांच पुलिया और साई चौराहा सहित विभिन्न मार्गो से गुजरती हुई आगे बढ़ी। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं एवं सामाजिक संगठनों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया तथा गर्मी को देखते हुए पानी और शीतल पेय की व्यवस्था भी की गई। तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच भी लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। छोटे-बड़े, महिलाएं, युवा और बुजुर्ग सभी ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, जिससे यह यात्रा एक जनआंदोलन का रूप लेती नजर आई। अभियान को व्यापारियों का भी व्यापक समर्थन मिला। शादी सीजन के बावजूद नगर के व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर गो संरक्षण के समर्थन में एकजुटता दिखाई। बाजार पूरी तरह बंद रहा जो अभियान के प्रति लोगों की गंभीरता और आस्था को दर्शाता है। कार्यक्रम समाप्ति के बाद व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान पुनः खोलकर कार्य प्रारंभ किया। इस अवसर पर गो अभ्यारण्य सालरिया से कथा प्रवक्ता महंत रविन्द्रानंद सरस्वती महाराज सहित अनेक संत एवं गौ-सेवक उपस्थित रहे। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में गौ-प्रेमी शामिल हुए। यात्रा के समापन पर डाक बंगला स्थित विश्राम गृह में तहसीलदार रामेश्वर दांगी को गो संरक्षण की मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया। संतों के आह्वान पर आयोजित इस अभियान में गौवंश संरक्षण हेतु ठोस कदम उठाने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई। भीषण गर्मी के बावजूद जिस प्रकार लोगों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई, वह न केवल आस्था का प्रतीक है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और एकजुटता का भी सशक्त संदेश देता है।

बदनावर में कृषि आदान व्यापारियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल

प्रधानमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, दी अनिश्चितकालीन बंद की चेतावनी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। देशभर के कृषि आदान व्यापारियों ने अपनी 12 सूत्रीय लंबित मांगों को लेकर सोमवार को बदनावर सहित देशभर के कृषि आदान व्यापारियों ने एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल रखी। एग्रो इनपुट डीलर्स एसोसिएशन के आह्वान पर आयोजित इस विरोध प्रदर्शन के दौरान व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखीं और तहसील कार्यालय पहुंचकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक विस्तृत ज्ञापन एसडीएम बदनावर को सौंपा।

ज्ञापन में बताया गया कि AIDA देशभर के लगभग 5 लाख खाद, बीज और कीटनाशक विक्रेताओं का प्रतिनिधित्व करता है। व्यापारियों का आरोप है कि पिछले 10 वर्षों से केंद्र और राज्य सरकारों को बार-बार अवगत कराने के बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया है, जिसके कारण आज उन्हें हड़ताल का रास्ता चुनना पड़ा।

व्यापारियों ने अपनी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए निम्नलिखित सुधारों की मांग की है - खाद कंपनियों द्वारा सब्सिडी वाले खाद के साथ अनुपयोगी उत्पाद बेचने की बाध्यता को अपराध घोषित किया जाए। खाद की डिलीवरी डीलर के बिक्री केंद्र तक सुनिश्चित हो, ताकि रेल-हेड से परिवहन का अतिरिक्त खर्च बचे। बढ़ती लागत को देखते हुए उर्वरकों पर डीलर मार्जिन बढ़ाकर न्यूनतम 8त्न किया जाए। सीलबंद पैकिंग में नमूना फेल होने पर गुणवत्ता की जिम्मेदारी केवल निर्माता कंपनी की हो, विक्रेता को केवल गवाह माना जाए। किसानों द्वारा की जाने वाली झूठी शिकायतों की जांच के लिए जिला स्तर पर एक कमेटी बने, जिसकी अनुशंसा के बाद ही व्यापारी पर कार्रवाई हो। लाइसेंस निलंबन पर 21 दिन में स्वतः बहाली, हर साल PC जोड़ने की अनिवार्यता की समाप्ति और दोहरी लाइसेंस प्रथा को बंद करने की मांग की गई।

सरकार को दो टूक - खरीफ सीजन से पहले समाधान की मांग- व्यापारियों ने ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री से अनुरोध किया है कि उर्वरक एवं रसायन मंत्रालय और केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अधिकारियों को आगामी एक माह में ठोस कदम उठाने के निर्देश दें। यदि हमारी मांगों का निराकरण नहीं हुआ, तो आगामी खरीफ सीजन से पूर्व हम अनिश्चितकालीन बंद के लिए बाध्य होंगे। इससे कृषि उत्पादन और किसानों को होने वाली असुविधा की पूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। हड़ताल के दौरान बदनावर तहसील के खाद-बीज विक्रेताओं ने एकजुटता दिखाते हुए व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रखे। इस दौरान संघ के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे, जिन्होंने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज बुलंद की।

विद्यार्थी पारंपरिक कक्षा शिक्षा से आगे बढ़कर विज्ञान के व्यावहारिक एवं अनुप्रयुक्त स्वरूप से हुए परिचित

भोपाल / दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा आयोजित 18वीं विज्ञान मंथन यात्रा का समापन सोमवार को नेहरू नगर स्थित विज्ञान भवन भोपाल में उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में हुआ। 21 से 27 अप्रैल तक आयोजित इस ज्ञानयात्रा में विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं वैज्ञानिकों ने सहभागिता करते हुए विज्ञान के प्रति नई दृष्टि विकसित की।यात्रा का उद्देश्य विद्यार्थियों को पारंपरिक कक्षा शिक्षा से आगे बढ़ाकर विज्ञान के व्यावहारिक एवं अनुप्रयुक्त स्वरूप से परिचित कराना था। इस दौरान प्रतिभागियों ने देश के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों का शैक्षणिक भ्रमण किया, जिसमें श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, बेंगलुरु स्थित इसरो के उन्नत अनुसंधान प्रतिष्ठान, इंडियन डीप स्पेस नेटवर्क और चेन्नई के वैज्ञानिक संग्रहालयों एवं प्लेनेटेरियम का अवलोकन शामिल रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिवकुमार शर्मा ने 'विज्ञान' एवं 'मंथन' की अवधारणा को रेखांकित करते हुए कहा कि विज्ञान सत्य की खोज की सतत प्रक्रिया है, जबकि मंथन निरंतर चिंतन एवं आत्मविश्लेषण का प्रतीक है। दोनों के समन्वय से नवाचार एवं सृजन की संभावनाएँ विकसित होती हैं। इस अवसर पर मैपकास्ट के निदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने कहा कि विज्ञान केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रयोग एवं अनुभव के माध्यम से जीवन में उतरने वाली प्रक्रिया है। कार्यक्रम में डॉ. वी.के. कटारे, मिशन एक्सीलेंस प्रभारी डॉ. सुनील गर्ग सहित अन्य वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

CHANGE IN NAME

I, KHOJEMA ANANDWALA, HERE BY DECLARE THAT I HAVE CHANGED MY DAUGHTER NAME AS " **ZAINAB ANANDWALA** " SO FROM NOW AND IN FUTURE SHE WILL BE KNOWN BY HER NEW NAME **"ZAINAB ANANDWALA"**

D/O KHOJEMA ANANDWALA

ADDRESS:- 557, NOORANI NAGAR, INDORE (M.P.)

P.O. SIRPUR, DISTT: INDORE 452002

श्रावक-श्राविकाओं को विहार सेवा से जोड़कर सड़क विहार मार्गों की सटीक जानकारी देने का क्षेत्र भक्ति' के माध्यम से अभिनव प्रयास

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्तमान में प्रत्येक व्यक्ति के अंतःकरण में सेवा और भक्ति की पवित्र भावना विद्यमान है। प्रत्येक क्षेत्र के गांव, शहर, नगर में श्रावक-श्राविका विहार, विचरण संबंधी सही जानकारी के अभाव में अनेक भ्रांतियां होती है। ÷क्षेत्र भक्ति इस अंतर्निहित भावना को सार्थक दिशा प्रदान करने का सशक्त प्रयास है। जहां प्रत्येक श्रावक-श्राविका अपने क्षेत्र से आत्मीयता पूर्वक जुड़कर अपने आसपास के विहार मार्गों की सही जानकारी प्राप्त कर अपने कर्तव्य एवं दायित्व का सहजता से निर्वहन करते हुए विहार सेवा में सहभागिता द्वारा आत्म कल्याण के पद पर अग्रसर हो सके। साथ ही समाज, संगठन, सहयोग एवं जागरूकता की भावना को सुदृढ़ बना सके। प्रकल्प को मूर्तरूप देने के लिए राजस्थान के नोखा में नक्शा विमोचन समारोह आयोजित किया गया। प्रारंभ में नवकार महामंत्र की सामूहिक स्तुति की गई। उक्त समारोह संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र गांधी, सेवाभावी गुरु भक्त महेश नाहटा, महिला संघ राष्ट्रीय अध्यक्षा चंचला सांखला, राष्ट्रीय मंत्री प्रीति डागा, देशनोक संघ अध्यक्ष मोतीलाल बच्चा, मंत्री निर्मल संचेती, नोखा मंडी संघ अध्यक्ष भिवराज कांकरिया, मंत्री गौतमचंद पारख, मनोज व्होरा, राजेंद्र भड़कत्या, सम्यक व्होरा एवं चहेती व्होरा आदि की उपस्थिति में आयोजित हुआ। इस समारोह में बदनावर एवं क्षेत्र के श्रीसंघों के पदाधिकारी एवं सदस्य भी समारोह में विशेष रूप से भाग लेने नोखा (राजस्थान) पहुंचे। समारोह में क्षेत्र भक्ति प्रकल्प के नक्शे का विमोचन राष्ट्रीय अध्यक्ष नरेंद्र गांधी एवं पदाधिकारियों ने किया। इस दौरान हर्ष-हर्ष जय-जय एवं आचार्य भगवंत के जयकारों से समूचा समारोह स्थल गुंजायमान हो गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गांधी ने देशनोक संघ अध्यक्ष मोतीलाल बच्चा एवं मंत्री निर्मल संचेती को पहला नक्शा भेंट किया। गुरु कृपा एवं अथक परिश्रम से प्रकल्प कार्य हुआ- अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी संघ द्वारा निरंतर धार्मिक क्षेत्र में सेवा समन्वय की दृष्टि से समय-समय पर नवाचार किए जाते हैं। चारित्र आत्माओं के विहार के दौरान विश्राम स्थल, निर्दोष गोचरी, अचित पानी आदि की बड़ी परेशानी होती है। इसलिए संप्रदाय से हटकर क्षेत्र भक्ति द्वारा सभी चारित्र आत्माओं स्थानकवासी, मंदिर मार्गीय, दिगंबर सभी संप्रदाय के संत सतीजी के विहार संबंधी किलो मीटर एवं जैन परिवार आदि की जानकारी का एक आकर्षक नक्शा तैयार किया गया है। इसका विमोचन आचार्यश्री रामलालजी रमेश के जन्म स्थल राजस्थान के नोखा में किया गया। अथक परिश्रम एवं गुरु कृपा से यह प्रकल्प कार्य हुआ है। इस प्रकल्प में क्षेत्र भक्ति टीम ने पूर्ण समर्पण भाव से सेवा दी हैं। इस प्रकल्प में वर्तमान में पांच राज्यों को जोड़ा गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पूरे भारतवर्ष को इस प्रकल्प से शीघ्र ही जोड़ना है। इस टीम ने दो पहिया वाहन से एक-एक गांव पहुंचकर और वहां विश्वसनीय व्यक्ति से जानकारी एकत्रित की है जो कि साधारण या आसान कार्य नहीं है। यह प्रकल्प किसी समुदाय विशेष के लिए ही नहीं अपित सकल जैन समाज के लिए तैयार किया गया है। ताकि इसमें चारित्र आत्माओं एवं विहार सेवकों को विहार के दौरान असुविधा न हो।

बदनावर के युवाओं ने किया इस प्रकल्प को संचालित- पॉइंट टू पॉइंट दूरी की विशेष जानकारी देते हुए संघ के राष्ट्रीय विहार समिति संयोजक ललित कटारिया रतलाम एवं मनोज व्होरा बदनावर ने बताया कि इस नक्क्षे के लिए टीम ने लगातार 3 वर्षों से दो पहिया वाहन द्वारा गांव-गांव घूमकर पॉइंट टू पॉइंट दूरी एवं जैन घर की संख्या, परिवार के सदस्यों की संख्या आदि की जानकारी एकत्रित की है। वर्तमान में मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र एवं छत्तीसगढ़ के क्षेत्र का नक्शा बनाया गया है। आगे कर्नाटक, तमिलनाडु पश्चिम बंगाल, यूपी, बिहार और नेपाल तक के मार्ग को भी दो पहिया वाहन से जाकर पॉइंट टू पॉइंट जानकारी एकत्रित की जाएगी। इस प्रकल्प कार्यक्रम को अंजाम देने के लिए बदनावर के मनोज व्होरा, राजेंद्र भड़कत्या, सम्यक व्होरा, चहेती व्होरा एवं टीम द्वारा इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को संचालित करके अंजाम दिया गया। इस प्रकल्प का क्षेत्र भक्ति नामकरण किया गया। टीम ने भागीरथी प्रयास किया है।

क्षेत्र भक्ति प्रकल्प का भागीरथी प्रयास किया- सेवा भावी गुरुभक्त महेश नाहटा ने कहा कि विहार सेवा अनमोल सेवा है। महान त्यागी आत्माओं के साथ विहार सेवा में जाना अर्थात जीवन धन्य बनाना और वास्तव में यह जीवन की बहुत बड़ी पूंजी है। क्षेत्र भक्ति प्रकल्प का टीम ने भागीरथी प्रयास किया है। विहार सेवा के प्रकल्प द्वारा यह कार्य करना सराहनीय एवं अनुमोदनीय है।

प्रकल्प से युवाओं को विशेष रूप से जोड़ना है- चहेती व्होरा ने कहा कि क्षेत्र भक्ति किसी संप्रदाय नहीं अपितु सभी संप्रदाय के लिए है। प्रत्येक गांव के श्रावक-श्राविकाओं में जागृति आए और लक्ष्य यह है कि इस विहार सेवा से ज्यादा से ज्यादा जुड़े इसमें युवा पीढ़ी को विशेष रूप से जोड़ना है।

प्रत्येक विहार मार्ग का प्रत्यक्ष अवलोकन किया- गौरतलब बात यह है कि इस परियोजना के अंतर्गत प्रत्येक विहार मार्ग का प्रत्यक्ष अवलोकन दो पहिया वाहन द्वारा सटीक मापन किया गया है। दूरी का प्रमाणिक निर्धारण कर जानकारी को तथ्यात्मक बनाया गया है। विहार के दौरान उपलब्ध विश्राम स्थलों का निरीक्षण कर उन्हें सूचीबद्ध किया गया है तथा क्षेत्रीय जैन परिवारों में विहार व्यवस्था से जुड़े व्यक्तियों के संपर्क सूत्र भी संकलित किए गए हैं। संपूर्ण जानकारी को नक्शा एवं विस्तृत डाटा चार्ट के माध्यम से व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया गया है। जिससे उपयोगकर्ताओं को संपूर्ण विवरण एक ही स्थान पर प्राप्त हो सके।

मोडी में बागरी समाज का द्वितीय सामुहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को गांव मोड़ी में अखिल भारतीय चन्द्रवंशी बागरी समाज का द्वितीय सामुहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न हुआ। इस सम्मेलन में 27 नवयुगल जोड़े विवाह बंधन में बंधे। सभी वर वधुओं का गायत्री परिवार के वैदिक मंत्रोंउच्चार के साथ विवाह सम्पन्न करवाया गया ?। कार्यक्रम में अतिथियों में विधायक भेरूसिंह बापु परिहार, पुर्व विधायक राणा विक्रम सिंह, जिला पंचायत सदस्य कालुसिंह सिसौदिया, सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया, भाजपा मोडी मंडल अध्यक्ष बजरंग पाटीदार, सुसनेर मंडल अध्यक्ष डाक्टर सौरभ जैन, नगर परिषद अध्यक्ष प्रदीप सोनी, पार्षद प्रतिनिधि पवन शर्मा, बाबुलाल बंसिया, सरपंच घनश्याम बंसिया,बागरी समाज के प्रदेश अध्यक्ष परशुराम सिसोदिया, युवा संघ प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल यादव, पांडव सेना के प्रदेश अध्यक्ष अमृतलाल परमार, तकेसिह धोलिया एस आई , सुमन, युवा संघ जिलाध्यक्ष अध्यक्ष यशवंत हरोकी, अरुण धौलिया, गोपाल फौजी , दुर्गा प्रसाद जमादार आदि ने उपस्थित होकर नव विवाहित वर वधूओ को आशीर्वाद दिया है। साथ ही सभी अतिथियों ने इस सामुहिक विवाह सम्मेलन को समय धन की खर्च की बचत बताते हुए संगठित समाज में समाजहित में अच्छी पहल बताया। इस अवसर पर आयोजन समिति के अध्यक्ष रमेशचंद्र परमार सचिव, दुर्गेश गुजराती गणपत बागरी, रामलाल बागरी, कैलाश चंद्र परमार,कमल परमार अध्यापक , दुर्गाप्रसाद अध्यापक, कंवरलाल मोंगिया हेडसाब, घनश्याम धोलकर, आत्माराम पंवार, संजय पंवार, कैलाश चंद्र बागरी सरपंच देहरिया, कमल चन्द्रवंशी पिलवास, भगवान सिंह गुजराती अध्यापक,रामबाबू अध्यापक करलगांव, भंवरलाल सेठ कल्डावद, दानमल बागरी चेयरमैन, कजोडीलाल अध्यापक, मोहनलाल लोकोपायलट आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन युवा संघ जिलाध्यक्ष जगदीश परमार ने किया और आभार घनश्याम चन्द्रवंशी ने माना।

परंपरा से प्रगति की ओर एक प्रेरक सफर, संरक्षित खेती से समृद्धि की नई कहानी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झाबुआ के विकासखंड थांदला के छोटे से ग्राम सुतरेटी (मछ्लईमाता) में रहने वाले कृषक श्री जगदीश पिता श्री गंगाराम की कहानी केवल खेती की नहीं, बल्कि हौसले, बदलाव और उम्मीद की कहानी है। यह कहानी उस किसान की है जिसने परिस्थितियों से समझौता करने के बजाय उन्हें बदलने का साहस दिखाया।

कभी पारंपरिक खेती करते हुए श्री जगदीश गेहूँ और सोयाबीन की फसल पर निर्भर थे। मेहनत के बावजूद सीमित उत्पादन और कम आय उनके सामने चुनौती बनी हुई थी। 12 क्विंटल उपज, 15,000 रुपये की लागत और 48,000 रुपये की कुल आय में से केवल 35,000 रुपये की शुद्ध आय ही उनके हाथ लग पाती थी। इतनी कम आय में परिवार की जरूरतें पूरी करना, बच्चों की पढ़ाई और भविष्य की चिंता हमेशा उनके मन में बनी रहती थी।

लेकिन कहते हैं कि जब इंसान ठान ले, तो हालात भी बदल जाते हैं। वर्ष 2024-25 में श्री जगदीश को 'संरक्षित खेती' योजना के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने हिम्मत जुटाई और इस योजना के अंतर्गत 4000 वर्ग मीटर का ग्रीन हाउस स्थापित करने का निर्णय लिया। शासन से 16,88,000 रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ, जिसने उनके इस बड़े कदम को मजबूत आधार दिया।

ग्रीन हाउस की स्थापना उनके जीवन का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। उन्होंने इसके भीतर खीरे की उन्नत खेती शुरू की। शुरुआत में थोड़ी आशंका थी-नई तकनीक, नई जिम्मेदारियाँ लेकिन उनके हौसले और सीखने की लगन ने हर चुनौती को आसान बना दिया।

जिला जेल झाबुआ में 'विशेष जेल लोक अदालत' संपन्न

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य न्यायाधिपति, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार, रविवार 26 अप्रैल 2026 को प्रदेशभर की जिला जेलों में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसी के तहत जिला जेल झाबुआ में विशेष जेल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जेल लोक अदालत का आयोजन प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती आशिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस विशेष लोक अदालत के लिए मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्री नितिन कुमार मुजाल्दा की खंडपीठ का गठन किया गया था, जिन्होंने जेल में निरुद्ध बंदियों के प्रकरणों पर वैधानिक कार्यवाही की।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री शिव कुमार डावर ने बताया कि झाबुआ, पेटलावद और थांदला के न्यायालयों से पात्र बंदियों की जानकारी संकलित की गई थी। चिन्हित प्रकरणों में फरियादियों को अधिवक्ताओं के माध्यम से जेल परिसर में आमंत्रित किया गया।

प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती आशिता श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि कानून का उद्देश्य दंड देना नहीं बल्कि व्यक्ति द्वारा की गई गलती का आत्ममंथन कर अपने अंदर सुधार लाना है उन्होंने यह भी कहा कि जेल की चारदीवारी के पीछे समय बिता रहे बंदियों के लिए यह एक सुनहरा अवसर है कि वे मुख्यधारा में वापस लौट सकें। आज हमने झाबुआ, पेटलावद और थांदला के न्यायालयों से ऐसे प्रकरणों को चिन्हांकित किया जिनमें आपसी समझौते की गुंजाइश थी। मेरा आप सभी (फरियादी और बंदी पक्ष) से यही कहना है कि विवादों को खींचने से केवल समय और मानसिक शांति की हानि होती है। आपसी राजीनामा न केवल कानूनी बोझ कम करता है, बल्कि समाज में सद्भाव भी पैदा करता है।

उक्त विशेष जेल लोक अदालत में जिला विधिक सहायता अधिकारी श्री जयदेव माणिक, खण्डपीठ के सदस्यगण अधिवक्ता श्री यूनुस लोधी, श्री सुरेश बिलवाल, जेल अधीक्षक श्री सुजित खरे, जेल स्टॉप, जिला न्यायालय झाबुआ से श्री योगेश रावत, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झाबुआ से श्री पवन कुमार मांझी, श्री प्रतापसिंह डामोर एवं मेडिकल टीम उपस्थित रहे।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 'पानी की चौपाल' का आयोजन

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत अंबा माछलियां में उद्यानिकी विभाग द्वारा पानी की चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों एवं कृषकों को जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करना रहा। इस अवसर पर विभागीय अधिकारियों द्वारा जल के समुचित उपयोग, वर्षा जल संचयन एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कृषकों को आधुनिक उद्यानिकी तकनीकों के साथ-साथ जल बचत आधारित खेती अपनाने हेतु प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान नवीन कृषकों का पंजीयन भी किया गया तथा उन्हें शासन की विभिन्न कृषि एवं उद्यानिकी योजनाओं से जोड़ने की पहल की गई, जिससे वे योजनाओं का लाभ लेकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें। पानी की चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने एवं सामुदायिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने की दिशा में सार्थक प्रयास किया गया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य श्री खेल सिंह भूरिया, सरपंच प्रतिनिधि श्री मान सिंह अरड, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री ज्वाला सिंगार सहित कृषक बंधु उपस्थित रहे।

कलेक्टर की अध्यक्षता में समय-सीमा एवं अंतरविभागीय समन्वय बैठक सम्पन्न

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती जयति सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागृह बड़वानी में सोमवार समय-सीमा सह अन्तरविभागीय समन्वय संबंधी बैठक में विभिन्न विभागों के विभागीय कार्यो की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान दिए गए मुख्य निर्देश- 1. कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस से अधिक लंबित शिकायतो की समीक्षा कर निर्देशित किया कि अगले एक सप्ताह के भीतर इन सभी पुरानी शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करें।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि निर्धारित समय सीमा में निराकरण नहीं हुआ, तो संबंधित अधिकारियों पर अर्थदंड अधिरोपित किया जाएगा और यह राशि रेडक्रॉस मद में जमा कराई जाएगी। बैठक में कलेक्टर श्रीमती सिंह ने व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाते हुए कहा कि जिन शिकायतों के पूर्ण निराकरण में तकनीकी या नीतिगत कारणों से अधिक समय लगने की संभावना है, उनमें तत्काल शॉर्ट टर्म सॉल्यूशन के जरिए शिकायतकर्ता को तुरंत राहत दी जाए। 2. बैठक में गेहूं उपार्जन कार्य की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने अधिकारियों को शासन के निर्देशानुसार सुचारू व्यवस्था बनाए रखने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने जिले के समस्त एसडीएम को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों के उपार्जन केंद्रों का प्रतिदिन अनिवार्य रूप से निरीक्षण करें। निरीक्षण के दौरान विशेष रूप से भंडारण , परिवहन, नाप-तौल की शुद्धता और खाद्यान्न सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्यों की बारीकी से समीक्षा की जाए, ताकि किसानों को किसी भी स्तर पर असुविधा न हो।

3. कलेक्टर द्वारा शिक्षा विभाग के कार्यो की समीक्षा कर सभी स्कूलों में बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन एवं ड्रॉपआउट रेट में कमी लाने के निर्देश दिए। डीपीसी को जन शिक्षको और स्कूल के प्राचार्यो की बैठक लेकर शत-प्रतिशत प्रगति लाने के निर्देश दिए। विद्यार्थी के लिए आधार, अब विद्यालय के द्वार अभियान के अंतर्गत शासकीय स्कूलों में ही कैंप लगाए जाए। इन कैंपों के माध्यम से उन विद्यार्थियों के आधार कार्ड बनाए और अपडेट किए जाएंगे जिनके आधार अब तक नहीं बने हैं या जिनमें त्रुटि है। पाठ्यपुस्तक वितरण, साइकिल वितरण, मिशन अंकुर और प्रौढ़ साक्षरता कार्यक्रमों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। 4. स्वास्थ्य विभाग के कार्यो की समीक्षा कर साप्ताहिक टीबी स्क्रीनिंग और एक्स-रे की स्थिति संतोषजनक न पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त कर अधिकारियों को सुधार लाने के निर्देश दिए। साथ ही फील्ड स्टाफ को प्रॉपर ट्रेनिंग देने और प्रभावित परिवारों की पेरेंट काउंसलिंग हेतु भी निर्देशित किया गया।

बैठक में सिकल सेल स्क्रीनिंग अभियान में तेजी लाने और शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल और गर्भवती महिलाओं का समय पर एएनसी पंजीकरण सुनिश्चित करने निर्देश दिए गए ताकि मातृ-शिशु स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। 5. उपसंचालक कृषि द्वारा उर्वरक वितरण को सुगम बनाने के लिए ई-टोकन व्यवस्था के संबंध में निदेशित किया हैं कि किसानों को ई-टोकन के उपयोग और उर्वरक के अग्रिम उठाव के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि सीजन के समय किसी भी असुविधा से बचा जा सके। केला एवं गन्ना उत्पादक किसानों के लिए विशेष सुविधा देते हुए 24 घंटे के भीतर सत्यापन कर उर्वरक प्रदान करने के निर्देश दिए गए ।

सभी एसडीएम को निर्देशित किया गया है कि वे उद्यानिकी, कृषि, राजस्व और लोक सेवा विभाग के अधिकारियों व प्रतिनिधियों के साथ बैठक लेकर निर्देशों का शत प्रतिशत पालन सुनिश्चित करें साथ ही इसकी दैनिक समीक्षा भी करें। 6. जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत डगवेल, खेत तालाब और पुराने एनआरएलएम कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला स्तर से नियुक्त नोडल अधिकारियों को सौंपे गए निरीक्षण कार्यो की रिपोर्ट ली गई। बैठक में अधिकारियों से स्पष्ट पूछा गया कि कार्य मौके पर शुरू हुए हैं या नहीं, और यदि शुरू हुए हैं तो वे कब तक पूर्ण होंगे। किसी भी स्तर पर अधूरे पड़े कार्यों और उनमें आ रही वित्तीय समस्याओं की जानकारी लेकर उनके त्वरित निराकरण किया जाए।

केला एवं गन्ना के किसानों को 24 घंटे में सत्यापन करके ई-टोकन से जारी होगा उर्वरक

बडवानी/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा किसानों को वैज्ञानिकों के द्वारा फसलों हेतु की गई रासायनिक उर्वरक अनुशंसा के आधार पर पूरे प्रदेश में ई-टोकन के माध्यम से रासायनिक उर्वरकों का वितरण 01 अप्रैल 2026 से किया जा रहा है। केला एवं गन्ना बुआई करने वाले किसी के लिये ई-टोकन पर नई व्यवस्था की गई है। गन्ना एवं केला बुआई करने वाले सिानों को ई-विकास पोर्टल पर जाकर रिक्वेस्ट भेजा होती है। जिसका सत्यापन क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी या उद्यानिकी विस्तार अधिकारी के द्वारा 24 घंटे के अंदर सत्यापन कर ई-विकास पोर्टल पर इन्ट्री करना होगी। तत्पश्चात् किसान ई-टोकन जारी कर रासायनिक उर्वरक फसल की अनुशंसित मांग के अनुसार प्राप्त कर सकते है।

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 28/04/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लक्ष्मी कुशवाह पति गजेन्द्र सिंह कुशवाह द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 24/04/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 231 व 232 सर्वे 117/2 का भाग संगम नगर नीमनवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी तिरूपति कन्क्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व. नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1014/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक रवि कुमार राजोरिया के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 28/04/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सतीश पिता महेश पाटीदार द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 24/04/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 134 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी पंवासा, उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी तिरूपति कन्क्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व. नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1011/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक सतीश पिता महेश पाटीदार के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 28/04/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रवि कुमार राजोरिया पिता रामप्रसाद द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 24/04/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 40 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. 150 तिरूपति कासा ग्रीन फेस 1 कालोनी पंवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी तिरूपति इन्फ्रा 01 महेश पिता स्व नारायण दास जी परियानी 02 दिलीप पिता स्व नारायणदास जी परियानी निवासी महाश्वेता नगर आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1013/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक रवि कुमार राजोरिया पिता रामप्रसाद राजोरिया के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

कार्यालय, नगर पालिक निगम, उज्जैन
राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्रं-05
(नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना)
क्रमांक : सम्पत्तिकर/झोन-05/2026 उज्जैन, दिनांक 28/04/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विजय पिता लालचंद मकवाना द्वारा आवेदन पत्र दिनांक 24/04/2026 को प्रस्तुत कर उल्लेखित किया है कि वार्ड क्रमांक 41 अंतर्गत सम्पत्ति (भवन/भूमि) भू क्रं. एफ 5 सर्वे 397/3 का भाग नीमनवासा उज्जैन का नामांकन आवेदक के द्वारा स्वयं के नाम से किये जाने के लिए आवेदन पत्र के संलग्न सम्पत्ति स्वामी पायल आर्य पति धर्मेन्द्र आर्य आवेदक के पक्ष में सम्पादित पंजीकृत विक्रय पत्र की छायाप्रति (स्व प्रमाणित) प्रस्तुत कर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन आवेदक के नाम से किये जाने का निवेदन किया है। इसका प्रकरण क्रमांक - 1016/2026-7 पीटी है।

अतः इस नामांकन विज्ञप्ति जाहिर सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस की समय सीमा में उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) के नामांकन करने में किसी भी वैध वारिस/उत्तराधिकारी/व्यक्ति/संस्था/वित्तीय संस्था/बैंक/न्यायालयीन प्रकरण आदि से संबंधित की कोई आपत्ति हो, तो ऐसी स्थिति में नया प्रमाण (अभिलेख) के कार्यालय, राजस्व विभाग (सम्पत्तिकर), झोन क्र. 05 में कार्यालयीन समय में प्रस्तुत कर सकेगा, निर्धारित समय-सीमा के उपरान्त प्रस्तुत होने वाली आपत्ति मान्य नहीं होकर उक्त सम्पत्ति (भवन/भूमि) का नामांकन मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के प्रावधान अनुसार आवेदक विजय पिता लालचंद मकवाना के पक्ष में कर दिया जावेगा तत्पश्चात कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

सहायक राजस्व अधिकारी
झोन क्रमांक - 05 मक्सी रोड
नगर पालिक निगम, उज्जैन

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

भीषण गर्मी.... चरक अस्पताल में हीट स्ट्रोक के लिए 10 बेड का विशेष वार्ड शुरू

लू के बढ़ते खतरे को देखते हुए तैयारियां , मरीजों को मिलेगा त्वरित उपचार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में गर्मी के तेवर तीखे हो चुके हैं। इसे देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने कमर कस ली है। चरक अस्पताल में हीट स्ट्रोक से निपटने के लिए 10 बेड का विशेष वार्ड शुरू कर दिया गया है। यह वार्ड खासतौर पर लू और अत्यधिक गर्मी से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए तैयार किया गया है।

उज्जैन जिला अस्पताल प्रशासन के अनुसार, भले ही अभी हीट स्ट्रोक के कम मामले सामने आए हैं, लेकिन तापमान में संभावित वृद्धि को देखते हुए उपचार की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस विशेष वार्ड में मरीजों को ठंडक देने के लिए कूलिंग सिस्टम, ठंडा पानी, ओआरएस और अन्य आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। चरक अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया किने शहर में गर्मी और हीट वेव का असर बढ़ते ही अस्पताल में व्यवस्थाएं सक्रिय कर दी गई हैं। हीट स्ट्रोक के मरीजों के लिए चरक भवन की चौथी मंजिल पर अलग से वार्ड आरक्षित किया गया है, ताकि समय रहते इलाज शुरू किया जा सके और गंभीर स्थितियों से बचा जा सके।

हीट स्ट्रोक क्या है- हीट स्ट्रोक अत्यधिक गर्मी या तेज धूप में लंबे समय तक रहने के कारण होता है। इसके अलावा शरीर में पानी की कमी, धूप में अधिक काम करना, शराब का सेवन और तेज बुखार भी इसके प्रमुख कारण हो सकते हैं। इसके लक्षणों में चक्कर आना, उल्टी, सिरदर्द और बेहोशी शामिल हैं।

ऐसे करें बचाव- विशेषज्ञों के मुताबिक हीट स्ट्रोक बेहद खतरनाक हो सकता है। समय पर इलाज न मिलने पर जान का खतरा भी बन सकता है। बचाव के लिए जरूरी है कि तेज धूप में बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं और शरीर को ठंडा रखें। लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लें। छाछ, दही और तरल पदार्थों का सेवन इस मौसम में फायदेमंद माना जाता है।

पचायतों एवं नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची वार्षिक पुनरीक्षण 2026 की तैयारी के संबंध में जिला स्तरीय प्रशिक्षण सम्पन्न

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा पंचायतों एवं नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची वार्षिक पुनरीक्षण 2026 की तैयारी हेतु प्रक्रिया एवं समय सारणी जारी की गई है। आयोग के निर्देशानुसार सोमवार को नवीन प्रशासनिक संकुल भवन के मीटींग हॉल में समस्त रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं मास्टर ट्रेनर का प्रशिक्षण आयोजित किया गया है।

प्रशिक्षण में जिले के समस्त विकासखण्डों एवं नगरीय निकायों से मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे एवं समस्त रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा गूगल मीट के माध्यम से प्रशिक्षण प्राप्त किया गया।

प्रशिक्षण में उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन उज्जैन श्री संदीप सिंह संयुक्त कलेक्टर उज्जैन एवं जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. विजय सुखवानी द्वारा पंचायतों एवं नगरीय निकायों की फोटोयुक्त मतदाता सूची वार्षिक पुनरीक्षण 2026 की तैयारी के संबंध में आयोग के नियम एवं निर्देशों के संबंध में विस्तार से बताया गया।

जिले की प्रत्येक ग्राम पंचायत एवं नगरीय निकाय की दिनांक 01.01.2025 की स्थिति में तैयार मतदाता सूची का पुनरीक्षण दिनांक 01.01.2026 की स्थिति में किया जाना है। 01.01.2026 की स्थिति में नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीक्षित करने की प्रकिया दो चरणों में संपन्न की जाएगी। प्रथम चरण में कंट्रोल टेबल का वेरिफिकेशन, अपडेशन एवं प्रारूप मतदाता सूची तैयार करना। द्वितीय चरण में दावे आपत्ति प्राप्त कर उनका निराकरण किया जाकर अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 21.02.2026 को प्रकाशित विधानसभा की अंतिम मतदाता सूची का उपयोग पंचायतों एवं नगरीय निकायों की मतदाता सूची पुनरीक्षण 2026 हेतु किया जाएगा।

प्रचलित चौड़ीकरण मार्गो में नागरिकों के सहयोग के लिए निगम टीम तत्पर - निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर सिंहस्थ महापर्व के दौरान आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर में विकास कार्यो को किया जा रहा है इसी के तहत शहर के आंतरिक मार्गो का चौड़ीकरण कार्य नगर निगम द्वारा किया जा रहा है इसी क्रम में निगम आयुक्त श्री अभिलाष मिश्रा द्वारा निगम के माध्यम से किए जा रहे मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया एवं कार्य की प्रगति की जानकारी लेने के बाद निगम आयुक्त श्री मिश्रा द्वारा निर्देश दिए गए कि मार्ग चौड़ीकरण कार्यो को तेज गति के साथ प्राथमिकता के साथ पूर्ण करे । निगम आयुक्त श्री मिश्रा द्वारा सोमवार को कंठाल चौराहे से सती गेट प्रचलित चौड़ीकरण मार्ग का निरीक्षण कर नागरिकों से चर्चा करते हुए कहा कि निगम की टीम नागरिकों के सहयोग के लिए तत्पर है प्रभावित भवन मालिक स्वयं के द्वारा मकान को हटाकर निगम के कार्यो में सहयोग कर रहे है चौड़ीकरण कार्य में भवन मालिक द्वारा निगम के संसाधन के सहयोग से भी अपने भवन को तय सीमा में हटा सकते है निगम आयुक्त द्वारा कंठाल से कोयला फाटक मार्ग चौड़ीकरण कार्य में नाली निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्वक पूर्ण करने के निर्देश देते हुए, छत्रीचौक से सत्यनारायण मंदिर तक मार्ग चौड़ीकरण का अवलोकन किया, ढाबा रोड चौड़ीकरण कार्य में निर्माण एजेंसी को निर्देशित किया गया।

सिंहस्थ 2016 के दौरान गायब हुए 200 लोग आज तक नहीं मिले

हजारों की भीड़ में बिछड़े 3,700 में से 3,500 मिले, लेकिन 200 का अब तक कोई सुराग नहीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। धार्मिक आस्था के सबसे बड़े समागमों में से एक सिंहस्थ 2016 आज भी कई परिवारों के लिए दर्दनाक याद बनकर रह गया है। मेले की भारी भीड़ में अपनों से बिछड़े लोगों की तलाश का सिलसिला एक दशक बाद भी थमा नहीं है। चौंकाने वाली बात यह है कि करीब 200 लोग आज भी लापता हैं, जिनका अब तक कोई ठोस सुराग नहीं मिल पाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, 22 अप्रैल से 21 मई 2016 तक चले इस विशाल मेले में करीब 3,700 लोग भीड़ में बिछड़ गए थे। इनमें से 3,500 लोगों को पुलिस ने खोज निकाला, लेकिन शेष 200 लोगों का मामला अब भी अधर में लटका हुआ है।

खोज जारी, लेकिन सवाल बरकरार- पुलिस का दावा है कि इन गुमशुदा लोगों की तलाश आज भी जारी है। अधिकारियों के अनुसार, लापता लोगों में अधिकतर 50 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति और ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़े लोग शामिल हैं। राहत की बात यह है कि इनमें कोई भी विदेशी नागरिक नहीं है। हालांकि, सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतने वर्षों बाद भी इन लोगों का कोई ठिकाना क्यों नहीं मिल पाया। क्या वे अपने घर पहुंच पाए या फिर किसी अनहोनी का शिकार हो गए, इस पर अब भी संशय बना हुआ है।

कई मामलों में फाइलें बंद, पर दर्द जिंदा- पुलिस ने कई मामलों में खोजबीन के बाद फाइलें बंद कर दीं, लेकिन परिवारों के लिए यह मामला आज भी अधूरा है। गुमशुदा लोगों में बड़ी संख्या में बुजुर्ग महिलाएं भी शामिल थीं, जो भीड़ में अपने परिजनों से बिछड़ गई थीं।

तकनीक और व्यवस्थाएं भी नहीं दे पाई पूरा जवाब- सिंहस्थ के दौरान प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थे। पूरे मेला क्षेत्र में 51 अस्थायी थाने बनाए गए थे। इसके अलावा खोया-पाया केंद्र स्थापित किए गए थे और गुमशुदा लोगों की जानकारी साझा करने के लिए विशेष सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया।

लाउड स्पीकर के जरिए लगातार घोषणाएं की गईं।

इसके बावजूद 200 लोगों का पता न चल पाना, व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

रिपोर्टिंग में भी आई कमी- पुलिस अधिकारियों का कहना है कि कई बार लोग अपने परिजनों के गुम होने की रिपोर्ट तो दर्ज कराते हैं, लेकिन बाद में उनके मिलने की सूचना नहीं देते। इससे भी आंकड़ों में भ्रम की स्थिति बनती है और खोज कार्य प्रभावित होता है।

परिवारों की आंखों में अब भी उम्मीद- 10 साल गुजर जाने के बाद भी इन 200 लोगों के परिवार आज भी इंतजार में हैं। हर त्योहार, हर भीड़भाड़ वाला आयोजन उन्हें अपने खोए हुए अपनों की याद दिला जाता है।

उज्जैन विकास प्राधिकरण को मिला नया संचालक मंडल, रवि सोलंकी बने अध्यक्ष

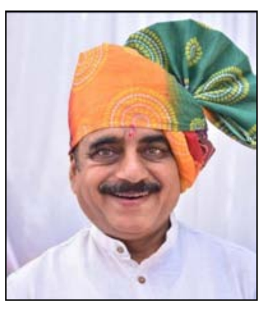

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन विकास प्राधिकरण में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार नए राजनीतिक संचालक मंडल की घोषणा कर दी गई है। राज्य शासन ने समाजसेवी रवि सोलंकी को प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति लगभग दो साल बाद हुई है, जिससे शहर के विकास कार्यो को नई गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

मध्य प्रदेश शासन के नगरी विकास एवं आवास विभाग के उप सचिव सीके साधव द्वारा जारी आदेश में यह नियुक्तियां की गई हैं। प्राधिकरण में उपाध्यक्ष पद पर मुकेश यादव और रवि वर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं सदस्य के रूप में विजय अग्रवाल, अमित श्रीवास्तव, रामचंद्र शर्मा (रामा गुरु), सुशीला जाटवा और दुर्गा बिलोटिया को मनोनीत किया गया है।

पुराने कार्यकाल पर नजर- इससे पहले वर्ष 2023 में श्याम बंसल को अध्यक्ष बनाया गया था। उनसे पहले जगदीश अग्रवाल ने 2015 से 22 दिसंबर 2018 तक प्राधिकरण अध्यक्ष रहे थे। नई टीम के गठन के साथ अब शहर में विकास योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ाने की उम्मीद की जा रही है।

उज्जैन-इंदौर-देवास रूट पर दौड़ती 'मौत की बसें'...यात्री सुरक्षा भगवान भरोसे

एक ही गेट, इमरजेंसी खिड़की नदारद—हादसे में बचना मुश्किल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल नगरी उज्जैन से इंदौर और देवास को जोड़ने वाला व्यस्ततम बस रूट आज यात्रियों के लिए सुविधा नहीं, बल्कि खतरे का सफर बनता जा रहा है। श्रद्धालुओं और यात्रियों की बढ़ती भीड़ के बीच इस रूट पर चल रही बसों में सुरक्षा इंतजाम लगभग नदारद हैं।

महाकाल लोक बनने के बाद इस मार्ग पर यात्री दबाव कई गुना बढ़ गया है, लेकिन बसों की हालत जस की तस है। परिवहन नियम साफ कहते हैं कि हर यात्री बस में दो दरवाजे या कम से कम एक मानक इमरजेंसी एग्जिट होना जरूरी है, ताकि दुर्घटना या आग लगने की स्थिति में यात्रियों को तुरंत बाहर निकाला जा सके।

लेकिन जमीनी हकीकत चौंकाने वाली है, अधिकांश बसों में केवल एक ही दरवाजा है। अगर हादसे के वक्त बस उसी तरफ पलट जाए, तो यात्रियों के पास निकलने का कोई रास्ता नहीं बचता। कई बसों में इमरजेंसी खिड़की के नाम पर सिर्फ कांच लगा है, जिसे तोड़ने के लिए जरूरी हथौड़े तक नहीं हैं।

कागजों में सुरक्षा, जमीन पर लापरवाही- यातायात पुलिस और परिवहन विभाग समय-समय पर जांच अभियान जरूर चलाते हैं, लेकिन असर नजर नहीं आता। सूत्र बताते हैं कि इस रूट पर कई बसें रसूखदार संचालकों की हैं, जिन पर कार्रवाई अक्सर औपचारिकता बनकर रह जाती है।

सुरक्षा ऑडिट फाइलों में पूरा दिखता है, लेकिन बसों की हकीकत कुछ और ही कहानी बयां करती है।

ओवरलोडिंग और रफ्तार, दोहरी मार- सुरक्षा की कमी के साथ-साथ इस रूट पर एक और बड़ा खतरा है।ओवरलोडिंग और तेज रफ्तार।

यात्रियों को ठूंस-ठूंसकर भरना और समय से पहले पहुंचने की होड़ में बसों को तेज गति से दौड़ाना आम बात हो गई है। इससे हादसे का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

प्रशासन की चेतावनी, लेकिन असर कब- क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी संतोष मालवीय के अनुसार, नियमों का उल्लंघन करने वाली बसों के चालान बनाए गए हैं और सख्त चेतावनी दी गई है। उन्होंने साफ कहा कि सुधार नहीं होने पर बसों को जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

स्वस्थ पर्यावरण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी-पद्मश्री डॉ. जनक पलटा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वस्थ पर्यावरण केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। यह बात प्रख्यात पर्यावरणविद् और पद्मश्री से सम्मानित डॉ. जनक पलटा ने कही। वे लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-2 के श्री वल्लभ आनंद क्लब और सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के पर्यावरण विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय पर्यावरणीय जागरूकता कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थीं। यह आयोजन पर्यावरण सेवा सप्ताह के समापन अवसर पर किया गया।

40 वर्षों से पर्यावरण और समाज सेवा को समर्पित

डॉ. पलटा ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे पिछले 40 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण, सौर ऊर्जा और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही हैं। बचपन में एक लंबी बीमारी के बाद उन्होंने अपना जीवन परोपकार के लिए समर्पित कर दिया। विगत 15 वर्षों से वे शून्य-अपशिष्ट जीवन शैली अपना रही हैं। इंदौर के समीप सनावड़िया स्थित उनका निवास पूरी तरह सौर ऊर्जा और पवनचक्की से संचालित होता है, जो सतत विकास का बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने हजारों आदिवासी व ग्रामीण महिलाओं को सौर कुकर, जैविक खेती और आत्मनिर्भरता का प्रशिक्षण देकर सशक्त बनाया है। माइक्रोप्लास्टिक से कैंसर का खतरा-कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं प्रसिद्ध चिकित्सक और सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. सलूजा ने कहा कि माइक्रोवेव में इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के सूक्ष्म कण शरीर में प्रवेश कर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं।

शहर के 60 प्रतिशत लोगों तक ही पहुंच पा रहा गंभीर डेम का पानी

35 सालों में उज्जैन की जनसंख्या दोगुनी हो गई - 40 प्रतिशत आबादी भूमिगत जल के भरोसे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आज से 35 साल पहले शहर में तब की करीब सवा 3 लाख आबादी के मान से गंभीर डेम का निर्माण किया गया था और 1995 तक शहर में सुबह और शाम जल प्रदाय होता था, लेकिन इतने सालों में पीएचई का पानी शहर के करीब 60 फीसदी भाग में पहुंच पा रहा है। शेष 40 प्रतिशत भाग की आबादी आज भी भूमिगत जल पर निर्भर है क्योंकि इतनी आबादी तक पीएचई की लाईन नहीं पहुंची है।

उल्लेखनीय है कि दिसंबर 1991 में 2250 एमसीएफटी (मिलियन क्यूबिक फीट) की क्षमता वाले गंभीर डेम का निर्माण किया गया था। यह निर्माण 1992 में सिंहस्थ होने के पहले किया था। उस समय शहर की जनसंख्या 3 लाख 65 हजार थी, ऐसे में दावा किया था कि एक बार डेम पूरी क्षमता यानी 2250 एमसीएफटी भराने के बाद करीब तीन साल तक शहर को पानी के लिए परेशानी नहीं होगी। अब 2025 में शहर की जनसंख्या बढ़कर डबल यानी 6 लाख 55 हजार से अधिक है। साथ ही महाकाल लोक व अन्य मंदिरों के विकास कार्य होने से रोजाना आने वाले हजारों श्रद्धालुओं की संख्या इसमें जोड़ी जाए तो यह आंकड़ा करीब 8 लाख तक पहुंच रहा है। इतनी बड़ी आबादी के मान से गंभीर डेम का पानी अब एक साल के लिए भी पर्याप्त नहीं है। शहर के पास पानी का स्रोत एक ही है, जबकि पिछले 35 साल में जनसंख्या दोगुनी और इंफ्रास्ट्रक्चर भी तीन गुना बढ़ गया है। उंडासा और साहेबखेड़ी से जितना पानी लिया जा रहा है, उतना शहर के लिए पर्याप्त नहीं है। जरूरत के अनुसार पानी की सप्लाई बढ़ाने के लिए नर्मदा से पानी लेना ही अभी एकमात्र विकल्प है। हालांकि सेवरखेड़ी - सिलारखेड़ी प्रोजेक्ट पर काम शुरु हो गया है। उम्मीद है कि यह पूरा होने के बाद उज्जैन में पानी की समस्या काफी हद तक हल हो जाएगी।

कलेक्टर श्री सिंह ने धारा 163 (1) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री रौशन कुमार सिंह ने जनसामान्य के हित, जानमाल की सुरक्षा तथा लोकशांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 (1) के तहत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए जिला उज्जैन के संपूर्ण क्षेत्र में प्रतिबंधात्मक आदेश जारी कर दिए हैं।

आदेश के तहत कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य पक्ष सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार के धारदार या अन्य हथियार, आग्नेय अस्त्र-शस्त्र, हॉकी, डण्डा, रॉड इत्यादि लेकर नहीं चलेगा अथवा दुरूपयोग नहीं करेगा और न ही प्रदर्शन करेगा। बिना अनुमति कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य पक्ष किसी स्थान पर सभा, धरना, प्रदर्शन, जुलूस, रैली, सार्वजनिक कार्यक्रम आदि का आयोजन नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य पक्ष डी.जे. अथवा बैण्ड का संचालक, बैंड, डी.जे. ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग नहीं करेगा। प्रत्येक को मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम 1985 तथा The Noise Pollution (Regulation and Control) Rule, 2000 एवं ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम 2010 के प्रावधानों का पूर्ण पालन करना आवश्यक होगा।

कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य कोई भी पक्ष धरना, जुलूस, प्रदर्शन, सभा या रैली आदि में एसिड, पेट्रोल, कैरोसिन आदि ज्वलनशील पदार्थ अपने पास नहीं रखेगा या लेकर नहीं चलेगा या उपयोग नहीं करेगा। किसी भी प्रकार के धरना, जुलूस, प्रदर्शन, सभा या रैली आदि में पटाखे / विस्फोटक सामग्री का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। बिना अनुमति कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य किसी भी स्थान पर किसी भी प्रयोजन हेतु टेंट, पंडाल आदि का स्थायी या अस्थाई निर्माण नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या अन्य पक्ष किसी भी सड़क, रोड़, रास्ता, हाइवे आदि पर एकत्रित होकर यातायात में व्यवधान नहीं करेंगे या इन स्थानों पर किसी अन्य प्रकार से कोई रूकावट उत्पन्न नहीं करेंगे या किसी व्यक्ति को आने-जाने एवं उसके कार्य करने से नहीं रोकेगें। कोई भी व्यक्ति, समूह, संस्था या ग्रुप एडमिन या अन्य सोशल मीडिया/इलेक्ट्रोनिक संसाधन जैसे मोबाईल, कम्प्यूटर, फेसबुक, ई-मेल, व्हाटसएप्प एवं अन्य प्रकार के संचार साधनों पर किसी दल, धर्म, जाति, संस्था, व्यक्ति विरोधी एवं आमजन की भावना भड़काने वाले अथवा किसी को बुरा लगने या आहत करने वाले व कानून व्यवस्था की विपरीत स्थिति निर्मित करने वाले आपत्तिजनक मैसेज/चित्र/कमेंट/बैनर/पोस्टर आदि अपलोड नहीं करेगा/प्रदर्शित नहीं करेगा। ऐतिहासिक इमारतों, रेल्वे स्टेशन, बस स्टैंड, न्यायालयों, शासकीय कार्यालयों, अन्य सार्वजनिक स्थलों एवं पार्को पर किसी भी व्यक्ति, संस्था एवं संगठन द्वारा बिना अनुमति के शूटिंग, वीडियो, रील एवं फोटोग्राफी आदि नहीं करेगा। जिले में स्थित होटल, लॉज, विश्राम स्थल, धर्मशाला, सराय आदि में ठहरने वाले बाहरी व्यक्तियों की सूचना संबंधित संस्थान के संचालक द्वारा प्रतिदिन संबंधित थाना प्रभारी को अनिवार्य रूप से लिखित में प्रदान की जाएगी। समस्त भवन स्वामी / मालिक द्वारा अपने मकान में रहने वाले किरायेदारों की जानकारी संबंधित थाना प्रभारी को अनिवार्य रूप से लिखित में प्रदान की जाएगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत गंभीर नदी पुनर्जीवन के लिए समुदाय स्तरीय दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत गंभीर एवं शिप्रा नदी के पुनर्जीवन की व्यापक आयोजना तैयार की जा रही है। इस क्रम में गंभीर नदी के कैचमेंट क्षेत्र में आने वाले गांवों के जनप्रतिनिधियों, सरपंचों, सचिवों, ग्राम रोजगार सहायकों, समुदाय के अनुभवी सदस्यों तथा जनपद स्तरीय तकनीकी एवं प्रशासकीय अधिकारियों की दो दिवसीय समुदाय स्तरीय कार्यशाला का आयोजन जिला पंचायत सभागृह में 27 एवं 28 अप्रैल 2026 को किया जा रहा है।

कार्यशाला के प्रथम दिवस (27 अप्रैल 2026) को जनपद पंचायत उज्जैन एवं घट्टिया क्षेत्र के प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ श्रीमती कमला कुंवर, अध्यक्ष, जिला पंचायत एवं श्री श्रेयांश कुमट, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को पुनर्स्थापित करना, जल संचयन क्षमता को बढ़ाना तथा आसपास के भू-जल स्तर में सुधार लाना है। जल संरक्षण एवं पर्यावरण संतुलन को सुदृढ़ करने के लिए भोपाल से आए मनरेगा परिषद के नॉलेज पार्टनर PRADAN के विशेषज्ञों ने नदी पुनर्जीवन पर विस्तृत चर्चा की और आने वाले लाभों से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

समुदाय द्वारा दिए गए प्रमुख सुझाव- कैचमेंट एरिया ट्रीटमेंट कैचमेंट क्षेत्र में रिज से वैली तक क्रमबद्ध उपचार कार्य (कंटूर ट्रेंच, स्टोन बंड, गली प्लग, चेकडैम आदि) किए जाएंगे। इससे सतही अपवाह नियंत्रित होगा, मिट्टी का अपरदन रुकेगा और भूजल पुनर्भरण बढ़ेगा। जल संचयन संरचनाओं का विकास वर्षा जल के अधिकतम संचयन हेतु छोटे-छोटे बांध, चेकडैम, पर्कोलेशन टैंक आदि का निर्माण किया जाएगा, जिससे सूखे की स्थिति में भी जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

रिपेरियन जोन ट्रीटमेंट एवं हरित आवरण विकास नदी किनारों पर व्यापक वृक्षारोपण एवं पौधरोपण से नदी तटों का स्थिरीकरण, कटाव में कमी तथा जैव विविधता संरक्षण होगा।

प्रदूषण नियंत्रण एवं अपशिष्ट प्रबंधन नदी में गंदे पानी, सीवेज एवं ठोस अपशिष्ट के प्रवाह को रोकने के लिए प्रभावी प्रबंधन उपाय अपनाए जाएंगे।

महापौर मुकेश टटवाल द्वारा स्वच्छता में शक्ति उज्जैन की भक्ति विशेष सफाई अभियान का प्रारंभ किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता में शक्ति, उज्जैन की भक्ति विशेष सफाई अभियान एवं नागरिकों से संवाद कार्यक्रम का प्रारंभ सोमवार दिनांक 27 अप्रैल को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा वार्ड पार्षदगण, जनप्रतिनिधियों एवं निगम अधिकारियों की उपस्थिति में स्वच्छता अभियान चलाया गया जिसमे स्वास्थ्य विभाग, प्रकाश व्यवस्था, पीएचई विभाग, उद्यान विभाग, आईईसी टीम उपस्थित रही एवं सफाई अभियान के तहत, सफाई कार्य के साथ साथ, उद्यान सफाई, पानी के लीकेज का संधारण एवं गंदे पानी की शिकायत निवारण आदि कार्यवाही की गई।

अभियान के अंतर्गत सोमवार को 6 वार्डो में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया जिसमें वार्ड क्रमांक 01 कोलूखेड़ी स्लम बस्ती में श्रमदान, वार्ड क्रमांक 19 मेट्रो टॉकीज की गली में नागरिकों से संवाद, वार्ड क्रमांक 23 छत्री चौक से लखेड़वाड़ी तक श्रमदान एवं नागरिकों से संवाद, वार्ड क्रमांक 37 विष्णुपुरा में स्वच्छता गतिविधियां, वार्ड क्रमांक 43 जाली मेमोरियल स्कूल, वार्ड क्रमांक 47 स्थित दो तालाब पर श्रमदान एवं स्वच्छता संवाद किया जाएगा जिसके क्रम में महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा वार्ड क्रमांक 01 कोलू खेड़ी, वार्ड क्रमांक 47 दो तालाब पर उपस्थित रहकर अभियान में सहभागिता की गई साथ ही महापौर्ड द्वारा निर्देशित किया गया कि जिन वार्डो में सफाई अभियान चलाया जा रहा है वहां पर सार्वजनिक शौचालय, मूत्रालय की सफाई सुनिश्चित हो।